THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 282 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.5 2082 बुधवार, 7 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

7 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली।

‘तेलंगाना राइजिंग 2047’ विजन

दस्तावेज केवल सरकारी रिपोर्ट नहीं : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने राज्य के समग्र विकास का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ‘तेलंगाना राइजिंग 2047’ एम्स एंड ऑब्जेक्ट्स, विषय पर विधानसभा में हुई अल्पकालिक चर्चा के दौरान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने राज्य के समग्र विकास का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज केवल एक सरकारी रिपोर्ट या राजनीतिक योजना पत्र नहीं है, बल्कि तेलंगाना के बच्चों के भविष्य का मार्गदर्शन करने वाला विज़न डॉक्युमेंट है, जिसका नाम ‘तेलंगाना राइजिंग 2047’ है।

डिप्टी सीएम ने बताया कि हाल के सप्ताहों में निवेशक सम्मेलनों और योजना बोर्डों में उन्हें इस विज़न डॉक्युमेंट पर चर्चा करने का अवसर मिला। एक अर्थशास्त्र के विद्यार्थी के रूप में उन्होंने ‘उत्पादकता अंतर’ पर बात की और वैश्विक समुदाय के मेजबान के रूप में ‘तेलंगाना की आतिथ्य संस्कृति’ को रेखांकित किया। लेकिन आज वे जनता के विश्वास के संरक्षक और जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के समक्ष यह बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 1991 के बाद से हर दशक में तेलंगाना क्षेत्र का सकल

राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) दोगुना हुआ है। वर्तमान में राज्य लगभग 200 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि आगे क्या होगा? उन्होंने कहा कि यदि कुछ भी नया नहीं किया गया और ‘यथास्थिति’ बनी रही, तो अर्थशास्त्रियों के अनुसार 2047 तक तेलंगाना स्वाभाविक रूप से 1.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह सम्मानजनक है, लेकिन इससे हर किसान, हर दलित, हर आदिवासी और हर महिला को विकास की मुख्यधारा में लाने का लक्ष्य पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 1.2 ट्रिलियन डॉलर की प्राकृतिक वृद्धि और 3 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य के बीच की खाई को पाटने के लिए अतीत से एक संरचनात्मक विराम आवश्यक है और यह विज़न डॉक्युमेंट उसी के उपाय बताता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केवल श्रमिकों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक ‘प्रोडक्टिविटी शॉक’ की आवश्यकता है। सरकार ने निवेश दर को जीएसडीपी के 52 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए राज्य को पूंजी नियंत्रक से पूंजी प्रोत्साहक की भूमिका में लाना होगा। घरेलू बचत, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और स्टार्टअप्स के लिए नवाचार में जोखिम कम करने हेतु विशेष फंड ऑफ फंड्स के माध्यम से पूंजी जुटाई जा रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि अब तक भारत में विकास का मतलब ‘उपेक्षा के समुद्र में उत्कृष्टता के द्वीप’ रहा है, जहां हैदराबाद बढ़ता है।

सोनिया गांधी को कोर्ट से मिली मोहलत

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए 7 फरवरी तक का समय दिया है।

यह याचिका एक मजिस्ट्रेट के उस आदेश को चुनौती देती है जिसमें 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के आरोप की जांच करने से इनकार कर दिया गया था। यह मामला 9 दिसंबर को न्यायाधीश गोगाने द्वारा सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करने के बाद सामने आया था, जिसमें उनसे जवाब मांगा गया था। मंगलवार को जब मामले की सुनवाई हुई, तो सोनिया गांधी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए अधिक समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 7 फरवरी तय की।

850 करोड़ के डिजिटल निवेश घोटाले में फाल्कन ग्रुप का एमडी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने 850 करोड़ रुपये के बड़े डिजिटल निवेश घोटाले के मामले में फाल्कन ग्रुप के प्रबंध निदेशक अमर दीप को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें खाड़ी देशों से लौटने के कुछ समय बाद सोमवार देर रात मुंबई में हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से ही लुकआउट सर्कुलर जारी था, जिसके चलते आव्रजन अलर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिलते ही विशेष पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर अमर दीप को हिरासत में ले लिया। पुलिस का आरोप है कि अमर दीप ने ऐप आधारित डिजिटल डिपॉजिट योजनाओं के जरिए निवेशकों से करीब 850 करोड़ रुपये जुटाए। इन योजनाओं में निवेश पर तय और असाधारण रूप से अधिक रिटर्न का लालच दिया गया था। बहुराष्ट्रीय कंपनियों और शेयर बाजार से जुड़े निवेश के नाम पर लोगों से धन एकत्र किया गया। अधिकारियों के अनुसार, घोटाले का खुलासा होने के बाद आरोपी विदेश फरार हो गया था। इससे पहले इसी मामले में कंपनी के सीईओ और अमर दीप के भाई को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने बताया कि अमर दीप को पूछताछ के लिए हैदराबाद लाया जाएगा और अदालत में पेश किया जाएगा। धोखाधड़ी की रकम के स्रोत और इस मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।

जेएनयू में नारे लगे-मोदी-शाह की कब्र खुदेगी

भाजपा का दावा-उमर-शरजील के समर्थन में हुआ प्रदर्शन, कांग्रेस बोली-यह गुस्सा जाहिर करने का तरीका

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में सोमवार रात कुछ छात्रों ने पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ विवादित नारे लगाए। नारेबाजी का 35 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया। यह अब वायरल हो रहा है।

वीडियो में छात्र ‘मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर’ नारे लगाते और गाते दिखे। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया है कि जेएनयू में यह प्रदर्शन उमर खालिद-शरजील के समर्थन में हुआ। यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार है। कांग्रेस ने कहा है कि यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है। दरअसल, एक दिन पहले 2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार किया था। जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे। हालांकि मंगलवार दोपहर को जेएनयू प्रशासन ने वसंत कुंज पुलिस को लेटर लिखा, जिसमें साबरमती हॉस्टल के बाहर नारे लगाने के लिए एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

मणिपुर में 3 घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट

कुकी उग्रवादियों पर ब्लास्ट का शक, एनआईए को सौंपी गई जांच

इंफाल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किए गए थे। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा।

सोमवार को, फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन इलाके के नगाउकोन गांव में 5:45 बजे एक खाली पड़े घर में आईईडी ब्लास्ट हुआ। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8:45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान सोइबम सनातोंबा सिंह (52) और नोंथोबाम इंदुबाला देवी (37) के रूप में हुई है, घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अमित शाह को हत्यारा कहने पर राहुल गांधी तलब

सुल्तानपुर कोर्ट ने कहा-19 जनवरी को पेश हों, सफाई देने का मौका मिलेगा

सुलतानपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मंगलवार को सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई।

करीब 40 मिनट चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को तलब किया है। उन्हें 19 जनवरी को कोर्ट में हाजिर होने के लिए कहा है। राहुल गांधी के वकील काशी शुक्ला ने गवाह राम चंद्र दुबे से जिरह पूरी की। शिकायतकर्ता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने कहा- अब हमारी तरफ से कोई गवाह पेश नहीं किया जाएगा। जस्टिस शुभम वर्मा ने धारा 313 के तहत राहुल गांधी को तलब किया है। उन्हें खुद कोर्ट में आना होगा। इसका मतलब है कि अदालत राहुल को अपने खिलाफ आए सबूतों पर सफाई देना चाहती है। ताकि बिना सुने किसी को दोषी न ठहराया जाए। राहुल के खिलाफ यह मामला 7 साल पहले कर्नाटक में अमित शाह के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। राहुल ने 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान कहा था कि जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसका अध्यक्ष हत्या का आरोपी है। इसके बाद सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्र ने 4 अगस्त, 2018 को राहुल के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था। राहुल गांधी ने मानहानि केस में 20 फरवरी, 2024 को गैर जमानती वारंट पर अदालत में पेश हुए थे। राहुल गांधी ने जज से कहा था, मैं निर्दोष हूं।

भाजपा आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप से एसआईआर करा रहा चुनाव आयोग

> सीएम ममता बनर्जी ने लगाया गंभीर आरोप

गंगानगर (पश्चिम बंगाल), 6 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग राज्य में एसआईआर अभ्यास को कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दो दिन की यात्रा पूरी करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग ‘हर तरह के गलत तरीके’ अपना रहा है।

उन्होंने कहा, एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग हर तरह के गलत कदम उठा रहा है। वह योग्य मतदाताओं को मृत घोषित कर रहा है और बुजुर्ग, बीमार और असहाय लोगों को सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। वह इस काम के लिए भाजपा के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप का इस्तेमाल कर रहा है। यह अवैध, असांविधानिक और अलोकतांत्रिक है। ऐसे नहीं चल सकता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो की ओर से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब उनकी पार्टी के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर को कराने के लिए आयोग ने मनमाने और प्रकिया के खिलाफ कदम उठाए हैं।

360 करोड़ रुपये का गबन

> तेलंगाना के 700 खरीददारों से विला व फ्लैट के नाम पर धोखाधडी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। साहती इंफ्राटेक वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने लोगों को भरोसा दिया कि उन्हें तय समय पर फ्लैट/विला मिलेगा। इस भरोसे पर लोगों ने अपना पैसा लगा दिया। लंबा समय बीत गया, लेकिन लोगों को न तो फ्लैट मिला और न ही विला।

ग्राहकों को फ्लैट देने या उनकी रकम वापस करने में कंपनी पूरी तरह विफल रही। हैदराबाद में फ्लैट/विला सौंपने का वादा किए गए 700 से अधिक घर खरीदारों से लगभग 360 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

ईडी ने इस मामले में मेसर्स साहती इंफ्राटेक वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईवीपीएल) के पूर्व निदेशक और बिक्री एवं विपणन प्रमुख बी. लक्ष्मीनारायण और संधू पूर्णचंद्र राव के खिलाफ कार्रवाई की है। कई संपत्तियों को अटैच किया गया है। ईडी ने तेलंगाना पुलिस द्वारा मेसर्स एसआईवीपीएल, बी. लक्ष्मीनारायण और अन्य के खिलाफ विश्व स्तरीय आवासीय गेटेड समुदाय के निर्माण के लिए ‘प्री-लॉन्च ऑफर’ का विज्ञापन करने और संभावित खरीदारों से भारी रकम वसूलने के आरोप में दर्ज एफआईआर के आधार पर इस केस की जांच शुरू की थी। हालांकि, कंपनी ग्राहकों को फ्लैट देने या उनकी रकम वापस करने में विफल रही।

इस प्रकार उनकी मेहनत की कमाई को हड़प लिया गया। ईडी की जांच में पता चला है कि एसआईवीआईपीएल के पास आवश्यक आरईआरए/एचएमडीए की अनुमति नहीं थी। परियोजना के लिए कोई एस्क्रो खाता भी नहीं था। निवेशकों से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों में जमा की गई थी। उसे नकद में भी एकत्र किया गया। आरोपियों ने मेसर्स एसआईवीपीएल की अवैध रूप से शुरू की गई परियोजनाओं में इन्वेंट्री की बिक्री के माध्यम से 800 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि एकत्र की। आवश्यक अनुमतियों/अनुमोदनों के बिना इन्वेंट्री की बिक्री के झूठे बहाने से जनता को धोखा दिया। उन्होंने खरीदारों से बड़ी मात्रा में नकद राशि एकत्र की, जिसे एसआईवीपीएल के खातों में दर्ज नहीं किया गया। इसका स्पष्ट उद्देश्य एसआईवीपीएल की धनराशि को छिपाना और उसका गबन करना था। सरवानी एलीट परियोजना में इन्वेंट्री की बिक्री के बहाने खरीदारों से 216.91 करोड़ रुपये से अधिक नकद एकत्र किए गए।

ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि अपराध की आय को मेसर्स सिवीपीएल के फंड को संबंधित और असंबंधित संस्थाओं/व्यक्तियों को फर्जी बैंकिंग लेनदेन के जरिए ट्रांसफर करके, बिना किसी वास्तविक कारोबार के, गबन किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण पर सीएक्यूएम को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को कर्तव्य निभाने में असफल रहने पर फटकार लगाई है। वहीं सीएक्यूएम की दिल्ली की सीमाओं पर मौजूद टोल प्लाजा को हटाने या अस्थायी रूप से बंद करने की मांग को ठुकरा दिया है। मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) दिल्ली बॉर्डर पर टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के मुद्दे पर 2 महीने का समय मांगा था। जिस पर फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को ठुकरा दिया और कहा कि आयोग अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है।

महाराष्ट्र में बीजेपी बोली-हम सावरकर की विचारधारा को मानते हैं

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में आईटी मंत्री और बीजेपी विधायक आशीष सेलार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी सावरकर की विचारधारा को मानती है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने सहयोगियों से हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर का सम्मान करने की उम्मीद करती है। इस बयान के बाद उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने कहा कि हम अंबेडकरवादी विचारधारा को मानते हैं। उसी पर चलेंगे। वहीं सोमवार शाम को नांदेड़ की रैली में ओवैसी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी वक्फ अधिनियम के माध्यम से मुस्लिम धार्मिक संस्थानों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें वोट ना दें।

गांव की आबादी 1300, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र 27 हजार बने

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। 1300 आबादी वाली शेंदुरसानी ग्राम पंचायत में 27 हजार जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी होने का मामला पकड़ा गया है।

राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक गांव की जनसंख्या और जारी प्रमाणपत्रों की संख्या में भारी अंतर है। सरकारी जानकारी के अनुसार सिर्फ 3 महीनों में गांव में 27398 डिलेयड बर्थ रजिस्ट्रेशन (देरी से रजिस्टर्ड बर्थ सर्टिफिकेशन) दर्ज किए गए। यह आंकड़ा सामान्य जनसांख्यिकीय स्थिति से बिल्कुल अलग है। अधिकारियों के मुताबिक इससे डिजिटल रजिस्ट्रेशन सिस्टम के दुरूपयोग और फर्जीवाड़े की आशंका जताई जा रही है।इस मामले की शुरूआती जांच यवतमाल एसडीओपी ने की थी। इसके बाद गृह विभाग ने जांच एसआईटी को सौंपी है।

‘भारत के साथ भी हो सकता है’

> वेनेजुएला पर केंद्र के स्टैंड से भड़के कांग्रेस नेता

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने की घटना पर कोई स्टैंड नहीं लिया। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसी घटना भारत के साथ भी हो सकता है। उनका कहना है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ जो किया है, वह संयुक्त राष्ट्र के नियमों का उल्लंघन है। हाल ही ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित टिप्पणी करने की वजह से चव्हाण बीजेपी के निशाने पर आ चुके हैं।

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण का कहना है कि वेनेजुएला में जो कुछ हुआ है, वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ है। एक चुने हुए राष्ट्रपति को अगवा किया गया। यह बहुत ही चिंता की बात है कि यह कल दुनिया में किसी भी देश के साथ हो सकता है। कल यह भारत के साथ भी हो सकता है। उनका कहना है कि भारत ने सामान्य तरह से नहीं बोला है, वेनेजुएला के मामले में कोई स्टैंड नहीं लिया है। रूस और चीन ने स्टैंड लिया है और अमेरिका ने जो किया है, उसकी आलोचना की है। यूक्रेन युद्ध में भी यही हुआ। हमने किसी का पक्ष नहीं लिया। हमने इजरायल-हमास मामले में भी कोई स्टैंड नहीं लिया और अब हम यहां अमेरिकियों से इतने डरे हुए हैं कि जो हुआ है उसकी आलोचना की भी कोशिश नहीं कर रहे। दरअसल, वेनेजुएला में अमेरिकी सेना के घुसने और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को जबरन अगवा करके अमेरिका ले जाने पर विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है, वेनेजुएला में अभी जो कुछ हुआ है, वह बहुत ही गंभीर चिंता का मामला है। हम पैदा हो रहे हालातों की गंभीरता से निगरानी कर रहे हैं। इस बयान में यह भी कहा गया कि हम सभी संबंधित पक्षों से मामले को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से समाधान की मांग करते हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित हो सके।

‘देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस’

बेंगलूरू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं। प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है।

अपने पोस्ट में खड़गे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा, कुछ चुनिंदा लोगों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा, मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं : ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तरीकों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं? उन्होंने आगे सवाल किया, अगर आरएसएस पारदर्शी तरीके से काम करता है, तो दान सीधे संगठन को उसकी अपनी पंजीकृत पहचान के तहत क्यों नहीं दिया जाता? पंजीकृत संस्था न होते हुए भी आरएसएस अपनी वित्तीय और संगठनात्मक संरचना को कैसे बनाए रखता है? पूर्णकालिक प्रचारकों को वेतन कौन देता है और संगठन के नियमित परिचालन खर्चों को कौन पूरा करता है?

‘दुनिया को भारत की जरूरत’

क्यूबा के राजदूत बोले-कोई भी देश अकेला अमेरिका को नहीं रोक सकता

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने रविवार तड़के वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकस में स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क में मादक पदार्थ-आतंकवाद के आरोपों में मुकदमा चलाया जाएगा। भारत में क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सेन एगुइलेरा ने वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य अभियान की सोमवार को कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे अपराधिक और आतंकी कृत्य बताते हुए कहा कि इस कार्रवाई के जरिये संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया गया है।

एक इंटरव्यू में एगुइलेरा ने कहा कि कोई अकेला देश अमेरिका को ऐसे एकतरफा कदम उठाने से रोक नहीं सकता। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका के पागलपन का सामना करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। राजदूत ने कहा, मेरे विचार में, अमेरिकी सैन्य आक्रमण वेनेजुएला के खिलाफ एक अपराध है। यह एक आतंकी कृत्य है। यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून में निहित सभी सिद्धांतों का उल्लंघन है। यह एक संप्रभु देश के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई है।

क्यूबा के राजदूत ने अमेरिकी शुल्क युद्ध, ईरान को धमकियां और सैन्य हमलों का उल्लेख करते हुए वैश्विक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्हों ने कहा, मुझे लगता है कि कोई भी अकेले अमेरिका को रोक नहीं सकता, न ही रोक पाएगा। सभी को एक साथ आना चाहिए। यह एकता का समय है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्रवाई से दुनिया को एक खतरनाक संकेत मिला है। क्यूबा के राजदूत ने वैश्विक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारत की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि दुनिया को भारत की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ी शक्ति के रूप में जरूरी संतुलन बना सकता है और सभी देशों के लिए एक स्थिर भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। राजदूत ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत की भूमिका भविष्य में लगातार मजबूत होती जाएगी। हमें भारत की आवश्यकता है ताकि हम वह संतुलन बना सकें जो दुनिया को चाहिए। वहीं, दूसरी ओर श्रीलंका ने संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वह अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा, कल्याण और उनके संप्रभु अधिकारों को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में काम करे। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय द्वारा सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया, यह महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे उसके निकाय इस मामले पर संज्ञान लें और वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा, कल्याण एव संप्रभु अधिकारों को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करें।

पतंग उड़ा रहा था 8 साल का बच्चा, हार्ट अटैक से मौत

फ़िरोज़पुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फ़िरोज़पुर से हैरान और दुखद घटना की खबर सामने आई है, यहां एक 8 साल के बच्चे की अचानक हार्ट अटैक आने के कारण मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक 8 साल का मनप्रीत शर्मा फ़िरोज़पुर के आएसडी राजरतन पब्लिक स्कूल में क्लास दूसरी का स्टूडेंट था। दावा किया जा रहा है कि जब बच्चा पतंग उड़ा रहा था तो अचानक वह घबरा गया और उसने घरवालों को बताया कि उसे बहुत घबराहट और दर्द महसूस हो रहा है। इसके बाद बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मौत का कारण अचानक हार्ट अटैक आना माना जा रहा है। इस दुखद घटना के बाद परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। बच्चे की अचानक मौत की पुष्टि करते हुए आएसडी राजरतन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर प्रोफेसर एसपी। आनंद ने कहा कि यह बच्चा पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसकी अचानक मौत के कारण स्कूल और पूरे फ़िरोज़पुर शहर में शोक का माहौल है।

थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दीप जलाने का फैसला बरकरार

मद्रास हाईकोर्ट ने की बड़ी टिप्पणी

मदुरै, 6 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै में थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून में दीपम जलाने के मामले को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने एकल न्यायाधीश के फैसले को बरकरार रखा है। कार्तिगई दीपम विवाद को लेकर मंगलवार को आए मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को बड़ा फैसला माना जा रहा है। थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दरगाह के पास स्थित दीपथून पर दीप जलाने को लेकर हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने निर्देश जारी किए थे। हालांकि, तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने का हवाला देकर प्रशासन की तैनाती से इनकार कर दिया था। तमिलनाडु सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सबूत पेश करने में असफल रहे दरगाह और राज्य सरकार :मद्रास हाईकोर्ट

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक मद्रास

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन और न्यायमूर्ति केके रामकृष्णन की खंडपीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'अपीलकर्ताओं- जिनमें राज्य सरकार, हजरत सुल्तान सिकंदर बादशाह अवुलिया दरगाह शामिल हैं- यह दिखाने के लिए ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे हैं कि आगम शास्त्र उस स्थान पर दीपक जलाने से रोकता है।'

कानून-व्यवस्था का मुद्दा काल्पनिक भूत :मद्रास हाईकोर्ट

उन्होंने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'कानून और व्यवस्था का मुद्दा एक 'काल्पनिक भूत' है। शक्तिशाली राज्य का यह डर हास्यास्पद और चौंकाने वाला है कि देवस्थानम के प्रतिनिधियों को साल के किसी खास दिन पत्थर के स्तंभ पर दीपक जलाने की अनुमति देने से जन शांति भंग हो जाएगी।' पीठ ने कहा कि कानून और व्यवस्था की आशंका राज्य अधिकारियों की ओर से अपनी सुविधा के लिए एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ संदेह के घेरे में डालने के लिए गढ़ा गया एक काल्पनिक भूत था। हाईकोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन को इस मुद्दे को मध्यस्थता के माध्यम से समुदायों के बीच की खाई को पाटने के अवसर के रूप में लेना चाहिए था।

दीपम विवाद से लेकर न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस मामले में फैसला सुनाने वाले जस्टिस जीआर स्वामीनाथन को हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव दिया गया था। कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के 100 से ज्यादा सांसदों ने हस्ताक्षर कर जस्टिस के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रस्ताव दिया था। मदुरै जिले में थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम त्योहार को लेकर जस्टिस स्वामीनाथन ने दीप जलाने के निर्देश दिए थे।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने पहाड़ी पर स्थित जिस दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी, वह दरगाह के पास बना हुआ है। इसी के चलते राज्य सरकार ने इस निर्देश का विरोध किया था। सरकार ने कहा था कि इससे सामाजिक सद्भाव को नुकसान हो सकता है। हालांकि, राज्य सरकार की अपील के बावजूद जस्टिस स्वामीनाथन ने अपने निर्देश को बरकरार रखा। वहीं, निर्देश पर प्रशासन की ओर से अमल न होने पर उन्होंने सीआईएसएफ की सुरक्षा में दीप जलाने की अनुमति दे दी।

बहू ने पति के साथ मिलकर ससुर की हत्या

खंडवा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक बहू ने पति के साथ मिलकर ससुर की हत्या कर दी। मृतक ससुर को लेकर भी चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वह बहू से रेप के आरोप में जेल जा चुका था। अब ताजा मामले में पुलिस ने आरोपी बेटा और बहू को गिरफ्तार किया है। मध्य प्रदेश के खंडवा में बहू ने बेटे के साथ मिलकर अपने बुजुर्ग ससुर की पीट–पीटकर हत्या कर दी। ससुर पर आरोप था कि वह अपनी ही बहू से छेड़छाड़ व रेप करता था। इस मामले में ससुर को जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी।

इसके बावजूद ससुर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। एक दिन बहू ने अपने पति गणेश को इस बारे में बताया और कहा कि ससुर रमेश गोंड उससे छेड़खानी करता है। इसके बाद आवेश में आकर बेटे गणेश ने अपने ही पिता रमेश गोंड को पत्नी और एक दोस्त के साथ मिलकर जमकर पीटा। जिससे पिता की मौत हो गई। बहू–बेटे ने मिलकर रमेश को मौत के घाट उतार दिया।

मणिपुर ब्लास्ट की जांच एनआईए को सौंपी गई, बिष्णुपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

इंफाल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है, जिसमें एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। यह जानकारी मंगलवार को एक अधिकारी ने दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लगातार धमाकों से जुड़ा मामला गहरी जांच के लिए एनआईए को सौंप दिया गया है। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हुए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और बिष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए धमाके वाली जगहों का दौरा किया। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। घटना स्थल के आसपास अतिरिक्त फोर्स की तैनाती के साथ, हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारी ने बताया कि धमाकों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए जांच और ऑपरेशनल कोशिशें जारी हैं। सोमवार को, फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन इलाके के नगाउकोन गांव में एक खाली पड़े घर में आईईडी ब्लास्ट हुआ। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है।

पुलिस के मुताबिक, पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो दूसरा धमाका पहले धमाके वाली जगह से करीब 200 मीटर दूर हुआ। छर्रों से घायल हुए दो लोगों, जिनकी पहचान सोइबम सनातोंबा सिंह (52) और नोंथोबाम इंदुबाला देवी (37) के रूप में हुई है, घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। धमाकों के तुरंत बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की अगुवाई में सुरक्षा बलों ने आईईडी धमाकों के लिए ज़िम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

गरीबी से तंग आकर शख्स ने दो बेटियों संग की आत्महत्या

अमृतसर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर के गांव शहपुरा से एक दुखद घटना सामने आई है, यहां गांव में गरीबी से तंग आकर एक पिता ने अपनी दो बेटियों सहित जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों के मुताबिक, लवप्रीत सिंह लंबे समय से बेरोजगारी और आर्थिक परेशानी से जूझ रहे थे और यही वजह थी, जो लवप्रीत सिंह ने यह कदम उठाया। अजीत सिंह ने बताया कि उसका भतीजा लवप्रीत सिंह रोजगार न मिलने के कारण परेशान रहता था। उसकी दो बेटियां और एक छोटा बेटा है। जानकारी के अनुसार लवप्रीत सिंह अपनी पत्नी कुलदीप कौर को अटारी में काम पर छोड़ आया। अजीत सिंह ने आगे बताया कि घर आते ही लवप्रीत सिंह ने जहरीली दवा पी ली और अपनी बेटियों 8 साल की जसप्रीत कौर और 6 साल की वीरपाल कौर को भी पिला दी। जब उसकी हालत बिगड़ गई तो उसे अमृतसर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और साथ ही पुलिस ने आईपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंत्री आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल को लिखी चिट्ठी, की यह मांग

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा का आज (मंगलवार, 6 जनवरी) को दूसरा दिन है। इस बीच रेखा गुप्ता सरकार में मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है। यह पत्र कुछ समय पहले आई खबर के संबंध में है, जिसमें कहा गया था कि दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट टीचर्स को आवारा कुत्तों की गिनती का काम सौंपा गया है।

दिल्ली सरकार ने इस खबर का खंडन करते हुए आप पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया था। मंत्री आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल को जो चिट्ठी लिखी है, उसमें यही अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए कड़े शब्दों में निंदा की है। आशीष सूद ने लिखा है कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने दिल्ली में आवारा कुत्तों की गिनती को भ्रामक बताया है। आशीष सूद ने पत्र में लिखा है, आपने सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाया था कि रेखा गुप्ता सरकार की ओर से टीचर्स को कुत्ते गिनने के आदेश दिए गए हैं। यह बात न केवल गलत थी, बल्कि अतार्किक भी थी। आपके पास मुख्यमंत्री होने का अनुभव है, ऐसे में आपके द्वारा दिए गए बयान गलतफहमी करार नहीं दिए जाते। यह साफ तौर पर सरकार के सुचारू क्रियान्वयन में बाधा डालने की कोशिश थी।

आशीष सूद ने कहा कि इस तरह की राजनीति अनावश्यक अशांति पैदा करती है, जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाती है और शासन व्यवस्था को बाधित करती है। शिक्षा मंत्री के रूप में, मैं ऐसी गतिविधियों को बच्चों के कल्याण या विद्यालयों के कामकाज में बाधा डालने की अनुमति नहीं दे सकता और न ही दूंगा। साथ ही, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते, आप दिल्ली की जनता से दुष्प्रचार फैलाने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

दिल्ली मेट्रो के स्टाफ क्वार्टर में लगी भीषण आग, पति-पत्नी और मासूम बच्ची के जले हुए शव बरामद

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में दिल्ली मेट्रो स्टाफ क्वार्टर में भीषण आग लग गई है। इस घटना में एक पति-पत्नी और मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई है। तीनों के शव जली हुई हालत में बरामद हुए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें रात को 2:39 पर डीएमआरसी क्वार्टर के घरेलू सामान में आग लगने की कॉल मिली थी, जिसके बाद 6 गाड़ियों को मौके पर आग बुझाने के लिए भेजा गया था। ये आग पांचवें फ्लोर पर लगी थी। इस आग में जब दमकल की टीम अंदर पहुंची तो वहां पर तीन लोगों के शव जली हालत में मिले। मृतकों की पहचान 42 साल के अजय, 38 साल की नीलम और 10 साल की जान्हवी के रूप में हुई है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

पंजाब पुलिस और बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई: हेरोइन बरामद, 4 तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में नशे और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई लगातार जारी है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। डीजीपी पंजाब पुलिस के अनुसार, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) बॉर्डर रेंज ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान चलाकर ट्रांस-बॉर्डर स्मगलिंग के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।

इस कार्रवाई में करीब 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें ड्रग सप्लाई चेन को संचालित करने वाला एक मुख्य आरोपी भी शामिल है। डीजीपी ने बताया कि

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में था और सीमा पार से आने वाली मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और पूरे इलाके में इसके वितरण का समन्वय कर रहा था।

पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क के तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जुड़े हुए हैं। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल जांच जारी है, जिसमें सीमा पार मौजूद हैंडलर्स की पहचान, सप्लाई रूट्स का पता लगाने और पूरे ड्रग नेटवर्क को जड़ से खत्म करने पर फोकस किया जा रहा है।

डीजीपी गौरव यादव ने आगे कहा कि पंजाब पुलिस राज्य को नशा मुक्त बनाने और सीमापार से संचालित नार्को नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इससे पहले भी पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी। 1 जनवरी को डीजीपी ने जानकारी दी थी कि पटियाला पुलिस ने एक संगठित आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी हत्या, जबरन वसूली और टारगेट किलिंग जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नौ पिस्तौल (.32 बोर) और एक पीएक्स5 पिस्तौल (.30 बोर) बरामद की थी। प्रारंभिक जांच में यह भी खुलासा हुआ था कि सभी आरोपी एक व्यवस्थित आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए नशा तस्करों, गैंगस्टरों और संगठित अपराध से जुड़े तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जम्मू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू के पुलिस स्टेशन सिटी ने एक गंभीर हत्या के प्रयास के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त पुख्ता जानकारी के आधार पर पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। घटना में पीड़ित शम्पी (पुत्र मुश्ताक मसीह, निवासी मकान नंबर 185, क्रिश्चियन कॉलोनी) गंभीर रूप से घायल हो गया था, जबकि नाहिद (पुत्र दीपक, निवासी क्रिश्चियन कॉलोनी) को भी चोटें आईं।

इस मामले में एफआईआर पुलिस स्टेशन सिटी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 109 (हत्या का प्रयास), 111, 191(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत दर्ज की गई है। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपियों ने सामान्य इरादे से काम करते हुए अवैध हथियारों का इस्तेमाल कर पीड़ितों पर जानलेवा हमला किया।

एसएचओ पुलिस स्टेशन सिटी इंस्पेक्टर शक्ति देवी, एसडीपीओ सिटी नॉर्थ और एसपी सिटी नॉर्थ की देखरेख में पीएसआई आकिब लतीफ के नेतृत्व वाली टीम ने कई ठिकानों पर छापेमारी की और चार आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम आफताब उर्फ अफ्फू, मोहम्मद राशिद, गिल क्रिस्ट और ध्रुव शर्मा हैं। एक आरोपी मोहम्मद दानिश अभी फरार है। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए लगातार प्रयास जारी रखे हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस टीम अपराध में इस्तेमाल किए गए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की तलाश में जुटी हुई है। बरामदगी होने पर इन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त किया जाएगा।

बीजेपी नेता दुष्यंत गौतम ने सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर पर दर्ज कराई एफआईआर, छवि खराब करने का आरोप

देहरादून, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर सीबीआई जांच की मांग के बाद शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों ने अब सियासी तकरार का रूप ले लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर के खिलाफ डालनवाला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दुष्यंत गौतम ने सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर पर सोशल मीडिया के जरिए उनकी छवि धूमिल करने और प्रदेश का माहौल खराब करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। बीजेपी नेता ने डालनवाला थाने के साथ-साथ एसएसपी और डीजीपी को भी शिकायत पत्र सौंपा है।

दुष्यंत गौतम ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया गया है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के नाम पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भ्रामक और तथ्यहीन वीडियो व पोस्ट प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें बदनाम करना और उत्तराखंड में दंगे जैसी स्थिति पैदा करना है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दिया है। इस शिकायत में कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) और आम आदमी पार्टी (आप) का भी नाम लेते हुए आरोप लगाया गया है कि इन दलों के इशारे पर यह पूरा घटनाक्रम अंजाम दिया जा रहा है। तहरीर के अनुसार, विपक्षी दलों के साथ मिलकर एक सुनियोजित रणनीति तैयार की गई, जिसके तहत सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहें फैलाई जा रही हैं।

भाजपा नेता ने वायरल हो रहे वीडियो, पोस्ट और उनके लिंक भी पुलिस को सौंपे हैं, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। वहीं डालनवाला पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा। एसएसपी अजय सिंह इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है

और आरोपियों से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इससे पहले भी उर्मिला सनावर और सुरेश राठौर के खिलाफ पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ की शिकायत पर नेहरू कॉलोनी थाने में मामला दर्ज हो चुका है। वर्तमान प्रकरण में भी दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए तलब किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया का मोनू राणा असल में गफ्फार निकला:करनाल में हिंदू महिला को जाल में फंसाया

करनाल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में फर्जी पहचान बता एक हिंदू महिला को जाल में फंसाने, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और फिर निजी पलों का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर मोनू राणा नाम से अकाउंट बनाया था। 34 वर्षीय पीड़िता का कहना है कि सोशल मीडिया पर संपर्क होने के बाद आरोपी ने खुद को हिंदू बताकर भरोसा जीता। दोनों साथ रहने लगे। इसी दौरान उसने निजी पलों के वीडियो-फोटो अपने पास रख लिए।

बाद में सच्चाई सामने आई तो मोनू राणा असल में गफ्फार निकला। पीड़िता तलाकशुदा है और 14 साल की बेटी की मां है। उसका आरोप है कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया। बाद में रवैया बदल गया और टॉर्चर करने लगा। कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगा रखे थे, जिनके जरिए निजी पलों के वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए। इधर, महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

तमिलनाडु के कोयंबटूर के सरकारी स्कूल में छात्रों ने खाया मिड डे मिल फिर बिगड़ने लगी तबीयत, 33 को भेजा गया अस्पताल

कोयंबटूर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के ओडक्कलपलायम में एक सरकारी मिडिल स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 33 से अधिक छात्र बीमार पड़ गए। घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। अधिकारियों के अनुसार, सभी बीमार छात्रों को तुरंत इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह घटना रविवार की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, छात्रों ने रोज की तरह स्कूल में परोसा गया मिड-डे मील खाया था। भोजन करने के कुछ ही समय बाद कई बच्चों को उल्टी, पेट में तेज दर्द, चक्कर और कमजोरी की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते बीमार पड़ने वाले छात्रों की संख्या बढ़ती चली गई, जिससे स्कूल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

बीमार बच्चों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन और अभिभावकों को दी। बीमार बच्चों

को पहले नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ छात्रों को हालत गंभीर होने पर अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों में रेफर किया गया। राहत की बात यह है कि फिलहाल सभी छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है और किसी की जान को खतरा नहीं है।

मिड-डे मील के भोजन का सैंपल लिया गया

घटना की जानकारी मिलते ही सुल्तानपेट ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की है। अधिकारियों ने स्कूल के किचन, भोजन तैयार करने की प्रक्रिया और इस्तेमाल की गई सामग्री की जांच की। साथ ही, मिड-डे मील में परोसे गए भोजन के सैंपल भी एकत्र किए गए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चों की तबीयत खराब होने की असली वजह क्या थी। प्रशासन ने मिड-डे मील की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अधिकारियों ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सुल्तानपेट पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए अपनी जांच शुरू कर दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: गलत लोग सबकी जिंदगी में आते है, लेकिन ये लोग हमेशा सही सबक देके जाते है!

कविता ने सामाजिक एकता की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागरूती की अध्यक्ष के. कविता ने सभी वर्गों से सामाजिक तेलंगाना बनाने की दिशा में एकजुट होकर चलने की अपील की।

तेलंगाना आंदोलन के जेएसी नेताओं, तेलंगाना उद्यमकर्ता करुला पोरटा समिति के नेताओं, सार्वजनिक संस्थाओं, कर्मचारी संघों, जाति संघों और विश्वविद्यालयों के छात्र संगठनों ने कहा कि राज्य में तेलंगाना की पहचान के लिए काम करने वाली एक नई पार्टी की जरूरत है। मंगलवार को ये सभी नेता कविता से बंजारा हिल्स स्थित जागरूती कार्यालय में मिले और उन्हें पूरा समर्थन देने की घोषणा की। इस अवसर पर पूरे राज्य से आए तेलंगाना जागरूती कार्यकर्ता, समर्थक, छात्र संघ, जाति संगठन, श्रमिक संघ, सिंगरेणी कर्मचारी और आंदोलनकारी कार्यालय में एकत्र हुए।

कविता ने कहा कि उनकी संघर्ष यात्रा हमेशा तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप रहेगी।

उन्होंने सभी से अपील की कि वे लोकतांत्रिक रूप से काम करने वाले आंदोलन को सशक्त बनाने में उनका सहयोग करें।

शराब के लिए पैसे न देने पर बेटे ने पिता की पीट-पीटकर हत्या की

मेदक, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पापन्नापेट मंडल के सीता नगर गांव में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज घटना में शराब के लिए पैसे न देने पर एक बेटे ने कथित तौर पर अपने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान लांगीडी लक्ष्मैया (48) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ करीब दो एकड़ जमीन पर खेती कर परिवार का पालन-पोषण करता था। बताया गया कि उसका बड़ा बेटा श्रीकांत (25) जो विवाहित है, शराब का आदी था और रोजाना शराब खरीदने के लिए अपने माता-पिता से पैसे मांगकर परेशान करता था। सोमवार रात इसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हो गया। जब लक्ष्मैया ने पैसे देने से इनकार किया तो श्रीकांत ने कथित तौर पर लाठी से उन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल लक्ष्मैया की अधिक खून बहने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में गिरफ्तार, 49.90 लाख की ठगी

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने मंगलवार को मोहम्मद अशफाक (33) को शहर में ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। इस धोखाधड़ी में एक पीड़ित से लगभग 49.90 लाख रुपये की राशि हड़पी गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को एक व्हाट्सएप निवेश समूह में शामिल किया गया था, जिसमें शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ निवेश के जरिए उच्च लाभ का लालच दिया गया। शुरू में पीड़ित को छोटे मुनाफे की अनुमति दी गई, लेकिन बाद में उसे बड़े निवेश के लिए राजी किया गया। जब पीड़ित ने निवेश से इनकार किया, तो उसे समूह से ब्लॉक कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि अशफाक ने कमीशन के आधार पर साइबर जालसाजों को अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया था। इस खाते से लगभग 3.70 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जिसे बाद में ओटीपी के जरिए डायवर्ट किया गया। यह खाता कई राज्यों में फैले 29 अन्य साइबर अपराध मामलों से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस ने जनता को चेतावनी दी है कि वे अवांछित निवेश प्रस्तावों और अज्ञात व्यक्तियों के साथ बैंक विवरण साझा न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों के कानूनी परिणाम हो सकते हैं।

केटीआर का मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जिन्हें गोदावरी नदी के उद्गम का भी ज्ञान नहीं है, वे बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को सिंचाई और जल विषयों पर ज्ञान देने की कोशिश कर रहे हैं।

मंगलवार को जनगांव में बीआरएस सरपंचों के सम्मान समारोह में बोलते हुए केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राज्य के किसानों को बार-बार धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किए गए वादों को सत्ता में आने के बाद भुला दिया गया। रायथु भरोसा योजना, फसल बोनस और किसानों को आर्थिक सहायता जैसे वादे पूरे नहीं किए गए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के कल्याण को लेकर भी कांग्रेस सरकार विफल रही है। बतुकम्मा साड़ियां, 2,500 रुपये मासिक सहायता और कल्याणा लक्ष्मी योजना के तहत सोना देने जैसे वादे पूरे नहीं किए गए।

केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बार-बार असंयमित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं और सार्वजनिक मंचों पर अपना आपा खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने अनेक संघर्षों के बाद तेलंगाना राज्य का सपना साकार किया और वे जनता के नायक हैं।

उन्होंने दावा किया कि जनगांव में आयोजित रैली से यह स्पष्ट हो गया है कि जनता एक बार फिर बीआरएस के पक्ष में मतदान करने को तैयार है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की सराहना करते हुए कहा कि दबाव और धमकियों के बावजूद बीआरएस कार्यकर्ता मजबूती से खड़े रहे और ग्राम पंचायत चुनावों में पार्टी को सफलता दिलाई।

मंत्री व विप उपसभापति बंडा प्रकाश ने टीपीसीसी से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के उपसभापति बंडा प्रकाश व मंत्री सीतक्का ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ से विधान परिषद में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने विश्व प्रसिद्ध मेडाराम सम्मक्का-सारक्का महाजातरा के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। इस भेंट के दौरान टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि सम्मक्का-सारक्का जातरा तेलंगाना की संस्कृति और आदिवासी आत्मगौरव की प्रतीक है।

उन्होंने इस ऐतिहासिक और विशाल जनसमारोह के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार तथा प्रशासनिक तंत्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि यह महाजातरा न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार और संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से इस बार भी सम्मक्का-सारक्का महाजातरा का आयोजन भव्य और सफल रूप से संपन्न होगा।

राष्ट्रीय विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026 के विजेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राष्ट्रीय विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026 के लिए चयनित तेलंगाना के स्टेज-III विजेताओं से मुलाकात की। यह संवाद कार्यक्रम 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 का हिस्सा है। यह डायलॉग 8 से 12 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। लोक भवन में आयोजित इस संवाद के दौरान राज्यपाल ने चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में युवाओं द्वारा प्रदर्शित प्रतिबद्धता, रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प की सराहना की। राज्यपाल ने कहा, आप ऐसे विचारों, नवाचार और समावेशी विकास से प्रेरित पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हुए विकसित भारत के विजन को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाइए और भारत की प्रगति में सार्थक योगदान दीजिए।

प्रतिबंधित चीनी मांजा की खुलेआम बिक्री का आरोप

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी ने हैदराबाद और तेलंगाना के ग्रामीण इलाकों में प्रतिबंधित चीनी मांजा की खुलेआम बिक्री का आरोप लगाया है। सोसाइटी के संस्थापक प्रदीप नायर ने बताया कि धूलपेट में एक पतंग विक्रेता ग्राहकों के सामने मांजा की प्रभावशीलता दिखाते हुए इसे बेच रहा था। नायर ने कहा कि व्यापारी ने अपने प्रदर्शन को छोटे वीडियो में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर अपलोड किया, जिनमें से एक वीडियो को इंस्टाग्राम पर लगभग 42 लाख लोग देख चुके हैं। उन्होंने बताया कि व्यापारी 'स्काई वॉरियर' मांजा बेच रहा था और दावा कर रहा था कि यह किसी भी चीज को काट सकता है। सोसाइटी ने यह भी आरोप लगाया कि व्यापारी ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों में मांजा भेज रहा है। नायर ने अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने और सोशल मीडिया व ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर चीनी मांजा की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने अवैध व्यापार में शामिल निर्माताओं, थोक व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी अपील की।

संक्रांति से पहले पतंग बाजारों में बढ़ी रौनक

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में संक्रांति उत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं, जिसके चलते गुलजार हाउज, हुसैनियालम और धूलपेट के पतंग बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। फसल उत्सव से पहले पतंगबाजी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। संक्रांति के मद्देनजर इन प्रमुख बाजारों में दर्जनों पतंग की दुकानें खुल गई हैं। दुकानों में रंग-बिरंगी पतंगें, बॉबिन और धागे बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। जुम्मेरात बाजार रोड पर पतंग विक्रेता मनोज सिंह ने बताया कि दोपहर से ही ग्राहक आने लगते हैं, पहले छात्र और शाम के समय नौकरीपेशा लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं।

बाजार में कागज की पतंगों की सबसे ज्यादा मांग है। एक दर्जन पतंगों की कीमत आकार के अनुसार 50 रुपये से 600 रुपये तक है। इसके अलावा उड़ने वाली लालटेनें भी लोगों को आकर्षित कर रही हैं, जिनकी कीमत करीब 100 रुपये प्रति नग बताई जा रही है। चीनी मांझे की बिक्री पर सख्ती के कारण स्थानीय मांझे की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। व्यापारी उत्तर प्रदेश से मांझा मंगा रहे हैं, वहीं दबीरपुरा, मंगलहाट और धूलपेट के कई परिवार स्थानीय स्तर पर मांझा बनाकर दुकानों को सप्लाई कर रहे हैं। मांझा निर्माता दिलावर ने बताया कि इस साल कारोबार बेहतर है और चीनी मांझे पर रोक से स्थानीय कारीगरों को फायदा मिल रहा है।

राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है, और पर्याप्त खाद भंडार उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि वितरण पर सतत निगरानी की जा रही है। मंत्री ने बताया कि पिछले खरीफ सत्र में केंद्र से आयात में देरी और रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड के अस्थायी बंद होने के बावजूद राज्य सरकार ने पर्याप्त यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की। इस दौरान 9.79 लाख मीट्रिक टन यूरिया आपूर्ति की गई, जो 2024-25 के खरीफ सत्र से 13,000 मीट्रिक टन अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि इस रबी मौसम में 3.93 लाख मीट्रिक टन यूरिया बिक्री 31 दिसंबर तक हो चुकी थी और कुल बिक्री अब 4.52 लाख मीट्रिक टन हो गई है। राज्य में 1.67 लाख एमटी यूरिया, 51,458 एमटी डीएपी , 2.67 लाख एमटी कॉम्प्लेक्स फर्टिलाइजर, 22,367 एमटी एसएसपी, और 30,880 एमटी अन्य खादें उपलब्ध हैं। यूरिया मोबाइल ऐप के पायलट प्रयोग के माध्यम से 1.59 लाख किसान अब तक 4.55 लाख बैग यूरिया खरीद चुके हैं। मंत्री ने कहा कि ऐप सफल होने पर इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसानों को बिना रुकावट खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नए अधिनियम में न्यूनतम मजदूरी पूरी तरह सुरक्षित : डॉ.जी. नरेंद्र कुमार

पीआईबी की वीबी-जी राम-जी अधिनियम पर कार्यशाला

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में मंगलवार को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम पर एक दिवसीय वर्तालाप मीडिया कार्यशाला का आयोजन आईसीएआर-नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (नॉर्म) हैदराबाद में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पत्रकारों को प्रस्तावित अधिनियम के प्रति जागरूक करना तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों और गलत सूचनाओं का निराकरण करना था।

कार्यशाला में महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) डॉ.जी. नरेंद्र कुमार तथा कार्यवाहक निदेशक, नॉर्म डॉ. गोपाल लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ.जी. नरेंद्र कुमार ने कहा कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप वीबी-जी राम-जी अधिनियम एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं से जोड़कर यह अधिनियम रोजगार सृजन, सतत एवं समावेशी ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

न्यूनतम मजदूरी में कटौती की आशंकाओं को खारिज करते हुए डॉ. नरेंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि नए अधिनियम के तहत न्यूनतम मजदूरी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। उन्होंने बताया कि वीबी-जी राम-जी अधिनियम का उद्देश्य ग्रामीण अवसंरचना को सुदृढ़ करना तथा गांव स्तर पर बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। संस्थागत सुधारों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह अधिनियम विकेंद्रीकृत योजना और निगरानी को मजबूत करता है, जिसमें पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों की औपचारिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

श्रम से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए डॉ. गोपाल लाल, कार्यवाहक निदेशक, नॉर्म ने कहा कि विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होने के बावजूद भारत में कृषि श्रमिकों की कमी एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने बताया कि नया अधिनियम कृषि और उससे जुड़े ग्रामीण कार्यों में श्रमिकों की पुनः भागीदारी को प्रोत्साहित कर इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। पीआईबी के उप निदेशक, मानस कृष्ण कांत ने पत्रकारों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि सही और तथ्यात्मक जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम जिम्मेदारी है। एमजीएनरेगा अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता पर बोलते हुए डॉ. ज्योतिस सत्यपालन, प्रोफेसर, एनआईआरडीपीआर ने कहा कि नया वीबी-जी राम-जी अधिनियम, पूर्ववर्ती एमजीएनरेगा अधिनियम का कमजोर संस्करण नहीं है, बल्कि बेहतर परिणामों के लिए किया गया एक कोर्स करेक्शन और सुधार है। कार्यशाला में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर नॉर्म के वरिष्ठ अधिकारी, पीआईबी (एम एंड सीओ) की वी. गायत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

बीआरएस ने मानू भूमि विवाद पर राहुल गांधी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) की 50 एकड़ भूमि पर कथित कब्जे को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी की निंदा की। बीआरएस ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा और अल्पसंख्यक संस्थाओं को कमजोर कर रही है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कहा कि पिछले विवादों की तरह, सरकार फिर से शैक्षणिक भूमि पर कब्जा कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या उनकी पार्टी को यह पता है कि उनकी सरकार तेलंगाना में क्या कर रही है। के.टी. रामाराव ने चेतावनी दी कि यदि यह निर्णय वापस नहीं लिया गया तो बीआरएस सड़कों और अदालतों में पूर्ण पैमाने पर आंदोलन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता छात्रों के भविष्य की बजाय रियल एस्टेट हितों को दी जा रही है।

किसान मुद्दों पर विरोध, पूर्व मंत्री जोगु रामन्ना हिरासत में

आदिलाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जोगु रामन्ना ने किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होने को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। सोयाबीन की खरीद और किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार तड़के किए गए विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के कारण उन्हें हिरासत में लिया गया। जोगु रामन्ना ने भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं के साथ बंद के तहत टीजीआरटीसी डिपो के सामने धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए और किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि किसान कई परेशानियों का सामना कर रहे हैं और सरकार को सोयाबीन की सुचारू खरीद सुनिश्चित करनी चाहिए।

विरोध की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को बसें रोकने से रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। बाद में जोगु रामन्ना को अन्य बीआरएस नेताओं के साथ गिरफ्तार कर मावला पुलिस स्टेशन भेज दिया गया। बंद को विभिन्न किसान संगठनों, जन संगठनों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का समर्थन मिला। कई दुकानें और शिक्षण संस्थान बंद रहे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और टीजीआरटीसी की बसें डिपो में ही खड़ी रहीं।

इंजीनियरिंग छात्र ने की आत्महत्या

वारंगल, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में सोमवार देर रात एक इंजीनियरिंग छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। छात्र का शव मामनूर स्थित उसके किराए के कमरे में छत के पंखे से लटका मिला। मृतक की पहचान वामसी वर्मा के रूप में हुई है, जो शहर के बोल्लिकुंटा स्थित वागदेवी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक अंतिम वर्ष का छात्र था। वह पेद्दापल्ली जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, वामसी वर्मा नए साल का जश्न मनाने के लिए अपने घर गया था और दो दिन पहले ही कॉलेज लौटा था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। फिलहाल छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

'पहले डाका था, अब मील का पत्थर बनेगा'

> पीएम मोदी की वीबी-जी राम जी पर सीएम योगी ने दिए तर्क

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2026 की पहली कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम योगी ने पीएम मोदी की जीरामजी की खूबी गिनाई। सीएम योगी ने कहा कि जीरामजी में रोजगार की गारंटी है। वीबी-जी राम जी से पार्दिशता बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस पार्टी और उनका इंडिया गठबंधन इस महत्वपूर्ण कानून (वीबी-जी राम जी एक्ट) को लेकर कई सवाल उठा रहे हैं।

यह हैरानी की बात है कि देश के हित में, मजदूरों, किसानों और गांवों के विकास के लिए उठाए गए इस अहम कदम का समर्थन और स्वागत करने के बजाय-जिसके लिए इंडिया गठबंधन को प्रधानमंत्री और एनडीए का आभार व्यक्त करना चाहिए था, वे खुलेआम अपनी पुरानी भ्रष्ट प्रथाओं का समर्थन कर रहे हैं। अगर हम वीबी-जी राम जी एक्ट की विशेषताओं को देखें, तो यह एक महत्वपूर्ण कानून है जिसे पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने, रोजगार के अवसर पैदा करने, गारंटी देने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी संपत्ति बनाने, जिससे ग्रामीण

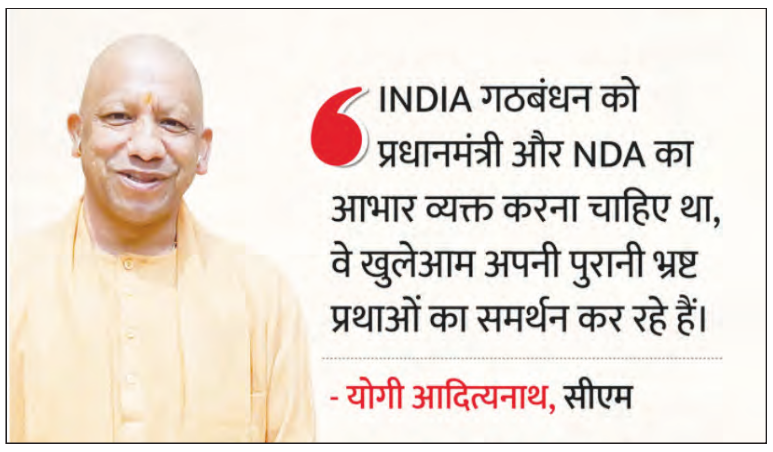

बुनियादी ढांचे में वृद्धि हो, के लिए पारित किया गया है।

विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह (वीबी-जी राम जी एक्ट) विकसित भारत की नींव बनेगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब राज्य विकसित हों। राज्य तभी विकसित होंगे जब हमारी बुनियादी इकाई, यानी गांव, विकसित होगा। जब हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करेंगे, जब हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे, और जब मज़दूरों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान मिलेगा, तभी विकसित भारत का सपना आगे बढ़ेगा। मैं इसका स्वागत करता हूं और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री को दिल से धन्यवाद देता हूं। सीएम योगी ने कहा कि पहले श्रमिकों के हक पर डाका डाला जाता था। पहले की सरकार से जनता त्रस्त थी। हर जिले में भ्रष्टाचार की शिकायत थी। अब मजदूरों को समय पर भुगतान होगा। अब हाजिरी भरने की औपचारिकता नहीं होगी। ये मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

सीएम योगी बोले-अधिनियम आपको एक गारंटी दे रहा

सीएम योगी ने कहा, अब इस वर्ष विकसित भारत की रामजी की इस स्कीम के माध्यम से अधिनियम आपको एक गारंटी दे रहा है। टेक्नोलॉजी को कानूनी अधिकार के रूप में शामिल इसके माध्यम से किया गया है। बायोमेट्रिक उपस्थिति से जीयोटेगिंग, सैटेलाइट इमेजनेरी, रियल-टाइम मोबाइल ऐप मॉनिटरिंग और यह इस्टोर का भी इस्तेमाल हो सकता है। सीधे डिजिटल भुगतान डीबीटी के माध्यम से हम श्रमिक के खाते में सीधे पैसा भेज देंगे। यह उसके माध्यम से होगा फर्जी नामों पर पैसा उठाने का खेल अब हमेशा के लिए बंद है आपने देखा होगा इससे पहले समाजवादी पार्टी के समय में शोर-शब्बर में मनरेगा का भयंकर घोटाला हुआ था सीबीआई की इन्क्वायरी उस समय उसकी चल रही है ये भी उनके समय में लगातार होता रहा है।

एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

> 12 करोड़ 55 लाख से ज्यादा मतदाता, कट गए 2.89 करोड़ नाम

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आज जारी कर दी। एसआईआर के बाद उत्तर प्रदेश में कुल 12 करोड़ 55 लाख से अधिक वोटर हैं। 25 लाख से ज्यादा ऐसे नाम पाए गए हैं, जो एक से अधिक जगहों पर दर्ज थे। नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 2 करोड़ 89 लाख नाम कट गए हैं।

6 मार्च को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

वहीं चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि किसी को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, हटाने या फिर कोई सुधार को लेकर शिकायत है, तो वह एक महीने यानी 6 फरवरी तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

वहीं 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। चुनाव आयोग ने बताया कि 2 करोड़ 17 लाख ऐसे नाम वोटर लिस्ट में थे, जो अब दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं। वहीं 46 लाख 23 हजार वोटर अब जिंदा नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार 25 लाख 47 हजार वोटरों के नाम एक से अधिक जगह दर्ज थे। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर-1950 जारी किया दावे और आपत्तियां मुफ्त हैं। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है।

भोजपुरी स्टर पवन सिंह की बर्थडे पार्टी में बवाल

लखनऊ के होटल में बेकाबू हुए फैंस

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह के 40वें जन्मदिन का जश्न उस वक्त हंगामे में बदल गया, जब उनके स्टेज पर पहुंचने से पहले ही फैंस बेकाबू हो गए। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित होटल सेंट्रम में सोमवार रात आयोजित बर्थडे पार्टी के दौरान एक युवक अचानक स्टेज पर चढ़ गया, जिसे सुरक्षाकर्मियों ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखते हाथापाई की स्थिति पैदा हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक को स्टेज से नीचे उतारने के दौरान सुरक्षाकर्मियों और कुछ लोगों के बीच विवाद बढ़ गया। कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, वहां मौजूद आयोजकों और मेहमानों ने किसी तरह स्थिति को संभाल लिया और मामला शांत कराया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। स्टेज पर चढ़ने वाला युवक कौन था, वह किस मंशा से वहां पहुंचा, इसकी फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी का कहना है कि इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। हंगामे के कुछ देर बाद पवन सिंह कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जिसके बाद जन्मदिन समारोह दोबारा शुरू हुआ। इसके बाद केक काटने और बधाई देने का सिलसिला चला। पार्टी में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने पवन सिंह के साथ केक काटा और एक-दूसरे को केक खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान पवन सिंह की मां भी मौजूद रहीं और धनंजय सिंह ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

10वीं फेल करोड़पति यूट्यूबर की अब लैंडरोवर-बीएमडब्ल्यू जब्त

लेम्बोर्गिनी और मर्सिडीज पहले ही छिनी; दुबई में अकूत प्रॉपर्टी

उन्नाव, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उन्नाव के 10वीं फेल करोड़पति यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। उसकी लैंड रोवर डिफेंडर और बीएमडब्ल्यू Z4 कार को जब्त कर लिया है। ईडी की कोलकाता जोनल ऑफिस ने सोमवार को कार्रवाई का ब्योरा सार्वजनिक किया है।

बताया- छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में ऐसे दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस मिली हैं, जिनसे अवैध लेनदेन की पुष्टि हुई है। अनुराग ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया। हवाला और फर्जी अकाउंट्स के माध्यम से अकूत संपत्ति बनाई और दुबई में प्रॉपर्टी खरीदी। अनुराग द्विवेदी अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी है। ईडी ने 31 दिसंबर, 2025 और 1 जनवरी 2026 को लखनऊ के अलावा दिल्ली, मुंबई, सूरत और वाराणसी में स्थित 9 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इससे पहले 17 दिसंबर, 2025 को भी लखनऊ, उन्नाव और दिल्ली में छापेमारी की गई थी, जिसमें अनुराग की लेंबोरगिनी उरुस, मर्सिडीज, फोर्ड एंडेवर और थार जैसी महंगी गाड़ियां जब्त हुई थीं। 20 लाख रुपए कैश और कई डिजिटल सबूत मिले थे। करीब 3 करोड़ रुपए की चल संपत्ति को फ्रीज किया गया था। इनमें बीमा पॉलिसी, एफडी और बैंक बैलेंस शामिल थे।

इस केस की शुरुआत पश्चिम बंगाल पुलिस की एफआईआर से हुई थी। जांच में सामने आया कि सोनू कुमार ठाकुर और विशाल भारद्वाज सिलिगुड़ी से एक ऑनलाइन सट्टेबाजी पैनल चला रहे थे। यह गिरोह फर्जी बैंक खातों, टेलीग्राम चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए जुआ-सट्टा चला रहा था। ईडी के अनुसार, अनुराग द्विवेदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइट्स का प्रचार किया। वह प्रमोशनल वीडियो बनाकर लोगों को इन ऐप्स से जोड़ता था। इसके बदले उसे बड़ी रकम मिली, जिसे उसने अपने और परिजनों के खातों में ट्रांसफर कराया। अनुराग द्विवेदी को जांच में शामिल होने के लिए कई बार समन भेजे गए, लेकिन वह एक बार भी पेश नहीं हुआ। एजेंसी अब उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर और प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि वह फिलहाल दुबई में रहकर नेटवर्क चला रहा था।

एक रात की पार्टी, अब एक साल भरेंगे ईएमआई

जश्न के लिए युवाओं ने लिया छह करोड़ का लोन

वाराणसी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। वाराणसी जिले में 3253 युवाओं ने नए साल का सेलिब्रेशन लोन लेकर किया। राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 25 दिसंबर से एक जनवरी 2026 तक क्रेडिट कार्ड, नो-कॉस्ट ईएमआई और बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) के माध्यम से तकरीबन छह करोड़ रुपये खर्च लिए गए हैं।

नए साल पर होटलों की नाइट पार्टियां, क्लब एंट्री पास, ऑनलाइन केक ऑर्डर और नाइट आउट पार्टी ने युवाओं की जेब पर भारी असर डाला। युवा वर्ग ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन स्टोर्स पर बिना सोचे-समझे खर्च कर दिया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसी ने छह महीने तो किसी ने एक साल के लिए कर्ज ले लिया। नतीजा यह है कि नए साल का जश्न कई लोगों के लिए आने वाले महीनों की ईएमआई की शुरुआत बन गया है। एसबीआई के मैनेजर वेद प्रकाश शर्मा बताते हैं कि भावनाओं में किया गया खर्च नए साल की शुरुआत कर्ज के साथ कराता है। समय पर भुगतान न होने पर ब्याज और अतिरिक्त चार्ज जुड़ जाते हैं, जिससे फाइनेंशियल तनाव और बढ़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि जश्न और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाया जाए।

ईएमआई के मैसेज से बढ़ता है तनाव

मंडलीय अस्पताल की मनोरोग चिकित्सक डॉ. उपासना बताती हैं कि जश्न के बाद जैसे ही ईएमआई के मेसेज और मासिक किस्तों का हिसाब सामने आता है, तनाव बढ़ने लगता है। युवाओं को लगातार यह चिंता रहती है कि पैसे कैसे मैनेज होंगे।

कई बार रात में नींद भी नहीं आती और काम की एकाग्रता प्रभावित होती है। लंबे समय तक फाइनेंशियल स्ट्रेस रहने से चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग और पछतावे की भावना भी उभर सकती है।

संभल में मस्जिद और मकानों पर फिर चला बुलडोजर

संभल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। संभल जिले के रायाबुजुर्ग गांव के पास सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण पर प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासनिक टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध रूप से बनी मस्जिद और दो-तीन मकानों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर डटे रहे।

संभल के क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि रायाबुजुर्ग में कुछ लोगों ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण कर लिया था। इसमें एक मस्जिद और दो-तीन मकान शामिल थे। कब्जाधारियों ने तीन दिन का समय मांगा था लेकिन तय समय में निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने अवैध रूप से बनी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया। मकान मालिकों को भी कई बार नोटिस दिए गए लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार ने बताया कि संबंधित लोगों ने निर्माण और जमीन को लेकर कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। अब वह स्वयं अतिक्रमण हटाने में लगे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 14 के दौरान लोगों ने सरकारी भूमि पर मस्जिद और तालाब की जमीन पर बरात घर बनाकर उनका व्यावसायिक उपयोग किया था। इन सभी अतिक्रमणों को हटाया जा चुका है। तहसीलदार ने बताया कि पूरे मामले में जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी।

झांसी की पहली महिला ऑटो चालक का कत्ल

सुपरवाइजर की नौकरी छोड़ी-बन गई ड्राइवर, तीन साल से थी मुकेश से दोस्ती

झांसी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। झांसी की पहली महिला ऑटो चालक अनीता चौधरी (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देर-रात उसका रक्त रंजित शव सुकुवां-ढुकुवां कॉलोनी के पास पड़ा मिला। थोड़ी दूर पर ऑटो सड़क पर पलटी हुई थी। परिजन हत्या के साथ लूटपाट का आरोप लगा रहे हैं। पहले पुलिस इसे हादसा ठहरा रही थी लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर पूरी कहानी पलट गई। अब पुलिस घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अनीता के मित्र मुकेश झा, उसके पुत्र शिवम समेत मनोज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शिवम एवं मनोज को हिरासत में लिया है। मुख्य आरोपी मुकेश की तलाश में पुलिस देर-रात तक दबिश देती रही। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। नवाबाद थाने के तालपुरा मोहल्ला के आंबेडकर नगर निवासी अनीता ने घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने पर ऑटो चलाना शुरू किया था। झांसी की वह पहली महिला थी जो ऑटो चलाती थी। रविवार रात करीब 9:30 बजे वह घर से ऑटो लेकर निकली थी। रात 1:30 बजे उसका शव सुकुवां-ढुकुवां कॉलोनी के पास पड़ा मिला। उसके गले एवं सिर के आसपास खून के निशान थे। पचास मीटर दूर उसकी ऑटो पलटी हुई थी। नवाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। अनीता के परिवार के लोग भी आ गए। अनीता के देवर दिलदार सिंह ने हत्या कर लूटपाट का आरोप लगाया। उसने कहा कि शरीर से मंगलसूत्र, कान-नाक के गहने, पायल एवं मोबाइल गायब है। अनीता के गले एवं सिर पर गोली व छर्रा धंसने के साफ निशान थे। अनीता का देवर दिलदार भी गोली मारकर हत्या किए जाने की बात कह रहा था। इन सबके बावजूद पुलिस यह मानने को राजी नहीं थी। वह हत्या के बजाय इसे हादसा ठहराने पर जुटी रही। यहां तक कि एक्स पर पुलिस ने हिदायत दे डाली कि पुष्टिकारक आधार के बिना भ्रामक खबर का प्रसारण न किया जाए। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस को हत्या किए जाने की बात माननी पड़ी। इस रिपोर्ट के मुताबिक अनीता के गले को भेदते हुए एक गोली सिर की ओर जा फंसी थी।

बिहार कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष का इस्तीफा

नियुक्ति के तीन दिन बाद ही आलोक राज ने छोड़ी कुर्सी

पटना, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व आईपीएस अधिकारी आलोक राज ने बिहार एसएससी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। अध्यक्ष की कुर्सी पद बैठने के तीन दिनों के अंदर उन्होंने इस्तीफ दे दिया। पूर्व डीजीपी 'आलोक राज' ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि कुछ परिस्थितियों ऐसी थी कि मैंने इस्तीफा दे दिया। इससे ज्यादा कुछ कहना नहीं है। हालांकि, जिस तरह डीजीपी बनाने के बाद उनसे वह पद रिटायरमेंट के पहले ही छीन लिया गया था, उसके बाद से ही ऐसा माना जा रहा था कि आलोक राज भारतीय पुलिस सेवा से रिटायरमेंट के बाद सरकार के किसी पद को नहीं लेंगे। आश्चर्यजनक रूप से सरकार ने रिटायरमेंट के साथ ही बिहार कर्मचारी चयन आयोग के स्थाई अध्यक्ष के रूप में उनके नाम की अधिसूचना जारी की थी।

बीजेपी के फायर ब्रांड नेता विनय कटियार ने बढ़ाई सियासी सरगर्मी, अयोध्या से चुनाव लड़ने के दिए संकेत

अयोध्या, 6 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के फायर ब्रांड नेता और पूर्व सांसद विनय कटियार ने बड़ा सियासी संकेत दिया है। अयोध्या में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ हुई लंबी बैठक के बाद कटियार ने चुनाव लड़ने की तैयारी का एलान किया। बताया जा रहा है कि यह बैठक बंद कमरे में घंटों तक चली। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर मंथन हुआ। बैठक के बाद राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख किरदार रहे विनय कटियार ने मीडिया से बातचीत की। इसमें कहा कि 'किसने कह दिया कि हमारी कोई तैयारी नहीं है। चुनाव की पूरी तैयारी चल रही है। सही समय पर मैदान-ए-जंग में उतरेंगे। साफतौर पर संकेत दिया कि वे अयोध्या विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। कटियार ने कहा कि राम जन्मभूमि उनकी कर्मभूमि है। स्वाभाविक है कि चुनावी डंका भी यहीं से बजे।

तोगड़िया बोले-जल्द बनेगा जनसंख्या नियंत्रण कानून

तीसरे बच्चे पर राशन से वोट तक छीनने की चेतावनी

मुजफ्फरनगर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया मुरादाबाद जाते समय मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहे पर कुछ देर के लिए रुके। यहां संगठन के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश में जल्द ही जनसंख्या नियंत्रण कानून बनेगा और वह इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून बनने के बाद जिन परिवारों में दो से अधिक बच्चे होंगे और तीसरा बच्चा पैदा होगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तीसरे बच्चे पर सरकारी सुविधाएं खत्म करने की चेतावनी

तोगड़िया ने कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर पूरे परिवार का सरकारी राशन बंद कराया जाएगा। बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश नहीं मिलेगा, सरकारी अस्पतालों से दवाइयां नहीं मिलेंगी और बैंक से लोन भी नहीं दिया जाएगा।

इसके साथ ही सरकारी नौकरी पर रोक लगेगी और वोट डालने का अधिकार भी समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने लव जिहाद को समाज के लिए 'कैंसर' बताते हुए कहा कि इसका इलाज सिर्फ डॉक्टर से नहीं, बल्कि कड़ी कानूनी कार्रवाई से संभव है। उन्होंने दावा किया कि वह एक भी युवती को लव जिहाद का शिकार नहीं बनने देंगे।

हनुमान चालीसा और बांग्लादेश पर बयान

तोगड़िया ने कहा कि मुजफ्फरनगर के 500 गांवों में हनुमान चालीसा का पाठ होना चाहिए। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में अत्याचार करने वालों को पकड़कर भारत लाने और जेल में डालने की मांग की।

नसबंदी के बाद भी गर्भवती हो गईं 64 महिलाएं

विभाग ने दिया मुआवजा, देर से दावे पर आठ केस निरस्त

अलीगढ़, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 2025 में नसबंदी कराने के बावजूद 64 महिलाएं दोबारा गर्भवती हो गईं। इन मामलों में विभाग ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है, हालांकि नियमों की अनदेखी के कारण आठ महिलाओं के दावे निरस्त भी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नसबंदी के बाद गर्भवती हुई महिलाओं द्वारा अपील किए जाने पर अब तक 62 केसों की मुआवजा राशि विभाग के पास आ गई है। वहीं, छह ब्लॉकों से आए आठ दावों को निरस्त कर दिया गया है। नियमानुसार, गर्भधारण की सूचना 90 दिनों के भीतर विभाग को देनी अनिवार्य है। खारिज किए गए दावों में लोधा और छर्रा के दो-दो केस हैं।

संत निरंकारी मिशन प्रमुख की गाड़ी का एक्सीडेंट

सोनीपत, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में एनएच-44 पर मुरथल फ्लाईओवर से गुजरते समय संत निरंकारी मिशन की प्रमुख माता सुदीक्षा महाराज की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। आरोप है कि एक काली स्कॉर्पियो सवार ने जानबूझकर माता सुदीक्षा की गाड़ी को टक्कर मारी और फरार हो गया। दिल्ली से समालखा, पानीपत जाते समय हुई इस घटना में माता सुदीक्षा की गाड़ी के बाएं हिस्से को नुकसान पहुंचा। मामले की जांच एएसआई युद्धवीर को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान कर जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच अधिकारी का कहना है कि अभी हाईवे पर लगे सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

13 हजार करोड़ का बैंक फ्रॉड

एसएफआईओ चार्जशीट में मेहुल चोकसी और चंदा कोचर सहित कई बड़े नाम

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक को लेकर अब एक कार्रवाई सामने आई है। सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी, उसकी पत्नी प्रीति चोकसी, आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी-सीईओ चंदा कोचर, बैंक के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एनएस कन्नन, पीएनबी के पूर्व अधिकारियों और कई अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। एसएफआईओ ने ये चार्जशीट मुंबई की एक अदालत में पिछले महीने दाखिल की थी। जांच में सामने आया है कि मेहुल चोकसी की कंपनियों ने अलग-अलग बैंकों को कुल 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का चूना लगाया।

इस तरह करोड़ों की ठगी को दिया अंजाम

एसएफआईओ ने अपनी चार्जशीट में पूरा फाइनेंशियल खेल विस्तार से बताया है कि कैसे बैंक अधिकारियों की मदद से कर्ज लिया गया और कैसे शेल कंपनियों के जरिए से पैसा इधर-उधर घुमाया गया और आखिरकार कैसे चोकसी देश छोड़कर भाग निकला। मेहुल चोकसी 2017 में भारत से फरार हो गया था।

इन बैंकों से करोड़ों की ठगी को दिया अंजाम

जांच के मुताबिक, पीएनबी से 6,097 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। साथ ही आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई वाले 28 बैंकों से 5,564 करोड़ रुपये, पीएनबी के नेतृत्व वाले 9 बैंकों से 807 करोड़ रुपये और गिली इंडिया के जरिए 375 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। इस पूरे मामले में पीएनबी के पूर्व अधिकारी गोकुलनाथ शेट्टी, बेचू तिवारी, यशवंत जोशी और प्रफुल सावंत के नाम भी शिकायत में शामिल हैं।

बेल्जियम की जेल में बंद है मेहुल चोकसी

मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम के एंटवर्प शहर की जेल में बंद है। भारत के कहने पर उसकी गिरफ्तारी हुई थी और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अब अंतिम दौर में है। अब तक बेल्जियम की अदालतों से उसे कोई राहत नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक एसएफआईओ अधिकारियों ने इस केस में बैंक अफसरों की भूमिका, फर्जी कंपनियां, विदेशी लिंक और पैसों की हेराफेरी हर एंगल से जांच की गई है। यह केस अब प्रत्यर्पण प्रक्रिया में भी भारत की स्थिति मजबूत कर सकता है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 9 अप्रैल को मुंबई की अदालत में होगी।

हाईकोर्ट ने कहा- आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को सामान्य श्रेणी में नहीं किया जा सकता शिफ्ट

शिमला, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने सहायक अभियंता (विद्युत) भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार ने चयन प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर छूट (रिलैक्स स्टैंडर्ड) लाभ उठाया है तो उसे बाद में सामान्य श्रेणी की सीटों पर समायोजित नहीं किया जा सकता है। न्यायाधीश ज्योत्स्ना रिवाल दुआ की अदालत ने स्पष्ट किया कि यह कानून अब पूरी तरह स्थापित हो चुका है

कि आरक्षित श्रेणी के वे उम्मीदवार जो किसी भी स्तर पर रियायती मानकों जैसे उम्र, अनुभव या कट-ऑफ में छूट का लाभ लेते हैं, वे सामान्य श्रेणी की रिक्तियों के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं रह जाते। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड के मुताबिक याचिकाकर्ता ने स्क्रीनिंग टेस्ट के दौरान ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए निर्धारित कम अंकों की छूट का लाभ उठाया था। चूंकि उन्होंने इस स्तर पर श्रेणीगत छूट का लाभलिया था, इसलिए उन्हें बाद में सामान्य श्रेणी की सीटों पर माइग्रेट नहीं किया जा सकता था। यह मामला हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से वर्ष 2022 में विज्ञापित सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) के 76 पदों से संबंधित है।

याचिकाकर्ता आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी से थी, जिसने चयन प्रक्रिया को चुनौती दी थी। तर्क था कि एक अन्य चयनित उम्मीदवार को सामान्य श्रेणी में शिफ्ट किया जाना चाहिए था, क्योंकि उनके अंक सामान्य श्रेणी के कट-ऑफ से अधिक थे। याचिकाकर्ता का दावा था कि यदि उन्हें सामान्य श्रेणी में डाल दिया जाता तो ईडब्ल्यूएस श्रेणी में एक सीट खाली हो जाती, जिससे उनका चयन सुनिश्चित हो जाता है।

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन, लंबी बीमारी के बाद ली अंतिम सांस

पुणे, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाडी का निधन हो गया है। सोमवार को कलमाड़ी के पारिवारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, सुरेश कलमाडी 81 साल के थे और बीते लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मंगलवार को तड़के सुबह 3:30 बजे पुणे में लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया।

कलमाड़ी ने कौन से पद संभाले?

सुरेश कलमाड़ी महाराष्ट्र के पुणे से पूर्व सांसद थे। वह केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री तथा भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष का पद भी संभाल चुके थे। सुरेश कलमाड़ी एक ऐसा नाम था जिसने भारतीय खेल जगत से लेकर दिल्ली की सत्ता तक अपनी एक अलग पहचान बनाई, आज उस सफर का अंत हो गया है

पायलट से राजनेता तक का सफर

सुरेश कलमाड़ी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि उन्हें 'पुणे का किंगमेकर' माना जाता था। भारतीय वायु सेना में पायलट के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाले कलमाडी बाद में राजनीति में आए। वे कई बार सांसद रहे और केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। पुणे के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है

लंबे समय तक भारतीय खेलों की कमान संभाली

खेलों के प्रति सुरेश कलमाड़ी का जुनून जगजाहिर था। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने लंबे समय तक भारतीय खेलों की कमान संभाली। 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स उनके करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर साबित हुए। हालांकि, इन खेलों से जुड़े विवादों ने उनके राजनीतिक करियर पर साया भी डाला, लेकिन खेलों को बड़े स्तर पर लाने का श्रेय भी उन्हीं को दिया जाता है।

उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं समेत विभिन्न दलों के दिग्गजों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पुणे ने अपना एक कद्दावर नेता खो दिया है।

सोनीपत में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत

सोनीपत, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। जानकारी सामने आई है कि तीन दोस्त स्कूटी पर सवार सोनीपत के मुरथल में ढाबे पर पराठे खाने गए थे। फिलहाल, पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। जानकारी के अनुसार, सोनीपत से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-44 पर नागल खुर्द फ्लाईओवर के ऊपर हादसा हुआ। स्कूटी सवार युवक एक ट्रक से टकराए थे, जिनमें से दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और एक की इलाज के दौरान मौत हुई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के कारण हाईवे पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात को बहाल कराते हुए अपनी कार्रवाई शुरू की। इस दुर्घटना में रहने वालों की पहचान मयंक, दीपक और प्रतीक के रूप में हुई है, जो दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र के कृष्णा विहार के रहने वाले थे।

ओवैसी बोले- मेरे 6 बच्चे हैं, तुम 8 बच्चे पैदा करो

तुम्हें कौन रोक रहा है?, नवनीत राणा के बयान के बाद कसा तंज

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता नवनीत राणा के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है और नवनीत का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा है। ओवैसी ने कहा कि उनके छह बच्चे हैं और उन्होंने सवाल किया कि तुम्हें आठ बच्चे पैदा करने से कौन रोक रहा है। महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली में ओवैसी ने कहा, मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, तुम्हें कौन रोक रहा है? दरअसल इससे पहले नवनीत राणा ने कहा था कि कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं,

जिससे उनकी आबादी बढ़ती रहती है और इसे रोकने के लिए, हिंदुओं को भारत की रक्षा के लिए कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। बीजेपी नेता राणा ने कहा था, मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। ओवैसी ने अपने बयान में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयानों को भी याद दिलाया, जिनकी टीडीपी, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हिस्सा है। बता दें कि तमाम राजनीतिक मंचों से इस तरह के बयान पहले भी दिए जा चुके हैं।

जिसमें एक खास वर्ग के नेता ये कहते हैं कि मुस्लिम समुदाय के लोग ज्यादा बच्चे पैदा करके भारत को पाकिस्तान बनाना चाहते हैं। इसलिए हिंदुओं को भी ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए। जबकि जानकार मानते हैं कि ये एक तरह का प्रोपेगेंडा है। कम बच्चे होने से उन्हें शिक्षा और विकास के अवसर भी ज्यादा मिलेंगे और देश की जनसंख्या वृद्धि की समस्या भी नहीं बढ़ेगी।

अकाल तख्त द्वारा तलब किए गए भगवंत मान को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए: आरपी सिंह

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर कड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय द्वारा मुख्यमंत्री को तलब किया जाना कोई सामान्य या औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सिख पंथ की सर्वोच्च तख्त संस्था और सिख रहत मर्यादा के प्रति बार-बार किए गए कथित अनादर का असाधारण और गंभीर आरोप है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरपी सिंह ने कहा कि भले ही सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो की पुष्टि न हुई हो, लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान के अपने शब्द और आचरण ही सिख समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी कॉमेडी, नशा या घमंड सिख पंथ की सर्वोच्च लौकिक सत्ता के प्रति अनादर को सही नहीं ठहरा सकता।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक ऐसा मुख्यमंत्री जो आस्था का मजाक उड़ाए, सिख संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास करे और सिर्फ संवैधानिक पद की आड़ लेकर जवाबदेही से बचे, वह पंजाब का शासन करने के योग्य नहीं है। उन्होंने इसे सत्ता का दुरुपयोग करार दिया और कहा कि इस तरह का व्यवहार न केवल निंदनीय है बल्कि राज्य की गरिमा के भी खिलाफ है। आरपी सिंह ने आगे कहा कि नैतिक और नैतिकता की वैधता खो चुके मुख्यमंत्री भगवंत मान को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनके अनुसार पंजाब को नेतृत्व में गरिमा और सम्मान चाहिए, न कि अपमान और विवाद। उन्होंने यह भी बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को सुबह 10 बजे सचिवालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

सरबजीत कौर वापस आ पाएगी भारत? डिपोर्ट से पहले पाकिस्तान ने चली गंदी चाल

कपूरथला, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला की सरबजीत कौर को पाकिस्तान से भारत डिपोर्ट किए जाने पर अंतिम क्षणों में रोक लग गई। वह धार्मिक जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी। उसे कुछ दिनों पहले वहां गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसके रिपोर्ट की तैयारी की जा रही थी। हालांकि पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के आदेश के बाद अंतिम समय पर उसकी वतन वापसी पर रोक लगा दी गई है। जिससे अब उसकी वापसी पर सस्पेंस बरकरार है।

सरबजीत कौर धार्मिक जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी। जो अचानक से गायब हो गई थी। उसके बारे में बाद में पता चला था कि उसने एक मुस्लिम शख्स से निकाह कर लिया है। उसकी शादी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था। इसके साथ ये भी पता चला था कि उसने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है। सरबजीत कौर ने अपना नया नाम नूर हुसैन रखा था। पाकिस्तान पुलिस की मानें वह लापता थी। हालांकि कुछ दिन पहले ही खबर सामने आई थी कि उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी के बाद से उसके डिपोर्ट की अटकलें लगाई जा रही थी।

सरबजीत कौर धार्मिक जत्थे के साथ भारत से पाकिस्तान गई थी, वहां जाकर पाकिस्तानी व्यक्ति से निकाह करके और धर्म बदलकर लापता हो गई थी। पंजाब के कपूरथला के रहने वाली सर्बजीत कौर को पाकिस्तान अथॉरिटीज की ओर से सोमवार देर रात तक भारत डिपोर्ट किए जाने की आशंका थी। लेकिन, देर रात इस वापसी को रोक दिया गया है। भारत की सीमा में दाखिल होने से पहले ही पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने सर्बजीत कौर को वापिस भेजने पर रोक लगा दी।

दरअसल इस मामले को लेकर पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई थी। पाकिस्तान की स्थानीय अदालत ने सरबजीत कौर को भारत भेजने के आदेश दिए थे। इसके बाद पाकिस्तानी पुलिस ने उसे ननकाना साहिब से गिरफ्तार कर सोमवार को अटारी-वाघा बॉर्डर पर पहुंचा दिया था। पाकिस्तानी सीमा में इमीग्रेशन और कस्टम से जुड़ी औपचारिकताएं भी लगभग पूरी हो चुकी थी। अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ और इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के अधिकारी भी सर्बजीत कौर को पाकिस्तान से रिसीव करने के लिए तैयार थे। लेकिन, इसी बीच अचानक से पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने इस वापसी पर रोक लगा दी है।

बॉर्डर के पास जाली नोटों का कारोबार

तरनतारन में 7 लाख की जाली नोटों के साथ पकडाया चंडीगढ़ का शख्स

तरनतारन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा पर तैनात बीएसएफ व तरनतारन पुलिस ने छापामारी करके जाली करंसी छाप रहे चंडीगढ़ के गांव धनास निवासी एक आरोपित को काबू किया। आरोपित सीमा से सटे गांव नौशहरा ढाला में किराये के मकान में रहता था। आरोपित को अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया गया है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगाई गई कंटीली तार को हटाकर पहले से अधिक ऊंचाई में लगाया जा रहा है। कंटीली तार लगाने वाली कंपनी के ठेकेदार द्वारा उक्त कार्य के लिए लेबर लगा रखी है। नौशहरा ढाला क्षेत्र में कंटीली तार लगा रहे लेबर के कर्मियों बारे बीएसएफ की 115वीं बटालियन के जवानों को सूचना मिली कि चंडीगढ़ से संबंधित ठेकेदार के कुछ कर्मी गांव में किराये का मकान लेकर जाली करंसी का कारोबार करते हैं। उक्त सूचना के आधार पर बीएसएफ व थाना सराय अमानत खां के प्रभारी बलजिंदर सिंह बाजवा की पुलिस पार्टी ने छापामारी की। मौके पर दलीप कुमार पुत्र महिंदर निवासी गांव धनास (चंडीगढ़) को जाली करंसी छापते काबू किया।

मौके पर सात लाख 13 हजार 400 रुपये की जाली करंसी, एक प्रिंटर बरामद किया गया। बरामद नोट 500 व 200 रुपये वाले हैं। आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करके उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने बताया कि दलीप कुमार के साथ इस धंधे में और कौन लोग जुड़े हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

उत्तर भारत के 15 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। देश के तमाम राज्यों में ठंड का असर दिखाई दे रहा है। यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है और लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। हालात ये हैं कि उत्तर भारत के 15 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। दिल्ली-एनसीआर का तापमान और कम होने की संभावना है। जम्मू, उत्तराखंड और हिमाचल में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा यूपी,हरियाणा और पंजाब में भीषण कोहरा होने की संभावना है। उत्तर भारत में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी और बारिश की वजह से मैदानी इलाकों में लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए उत्तर भारत के कई राज्यों में शीतलहर और कोल्ड डे की चेतावनी जारी की है अगले कुछ दिन शीतलहर का प्रकोप बढ़ेगा। ऐसे में लोगों से बहुत सतर्क रहने को कहा गया है। वहीं पहाड़ के बाद मैदानी इलाकों में भी बारिश हो सकती है। विभाग की मानें तो पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में अगले 4-5 दिनों तक भीषण कोहरा छाने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा बर्फबारी

सबसे ज्यादा बर्फबारी जम्मू-कश्मीर में हो रही है। हाल ऐसा है कि सड़कों और मैदानों में अंतर कर पाना मुश्किल हो गया है। बर्फ हटाने के लिए सड़कों पर स्नो कटर मशीनें चल रही हैं और घाटी भारी बर्फबारी से सफेद हो गई है। जम्मू-कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश तक सड़क, पेड़, टहनियां समेत सब कुछ जम गया है। वादियां बर्फ से ढक गई हैं। जहां तक नजरें जाएंगी सिर्फ और सिर्फ बर्फ दिखाई देगी। चंबा, मनाली, भद्रवाह और गुलमर्ग तक इलाके सफेद चादर से नजर आ रहे हैं और सैलानी इस अद्भुत नजारे का मजा ले रहे हैं।

हिमाचल के साथ-साथ उत्तराखंड में भी बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ में मंदिर परिसर और आसपास के इलाके बर्फ की मोटी चादर से पूरी तरह ढक गए हैं। केदारनाथ धाम में इस सर्दी की दूसरी बर्फबारी हुई है। वहीं देहरादून में शीतलहर और कोहरे का प्रकोप जारी है, जिसे लेकर मौसम विभाग का अलर्ट जारी है। आईएमडी की मानें तो पहाड़ी राज्यों में अभी बर्फबारी का दौर जारी रहेगा।

अब अपराध की जांच कर रहे प्रोफेसर: संभाल रहे साइबर; डीएनए और नारकोटिक्स केस

जम्मू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की जांच व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग के अनुभवी प्रोफेसर की सेवाएं ली जा रही हैं। साइबर अपराध, डीएनए जांच और नशे जैसे संवेदनशील मामलों में इन विशेषज्ञों की तैनाती से फॉरेंसिक जांच और गुणवत्ता में सुधार लाया है। एफएसएल में तकनीकी और अकादमिक विशेषज्ञता के उद्देश्य से गृह विभाग अलग-अलग विभागों से कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर लेता है। अकादमिक के साथ-साथ तकनीकी विशेषज्ञता होने के कारण उच्च शिक्षा विभाग के प्रोफेसर सबसे ज्यादा आवेदन करते हैं।

इसी क्रम में एफएसएल में एक साल की प्रतिनियुक्ति पर पीएचडी डिग्रीधारी प्रोफेसरों को लाया गया। विभाग ने प्रतिनियुक्ति एक साल के लिए और बढ़ा दी है।

बीएमसी चुनाव: संकट में है ठाकरे का गढ़

वरली में बागी करेंगे खेला? बदल गया है राजनीतिक समीकरण

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं में 15 जनवरी को मतदान होना है। इसे लेकर सभी राजनीतिक दल पूरी तैयारी में जुट गए हैं। बीएमसी में भी चुनावी तैयारियां तेज हो गई हैं। हालांकि इस बार बीएमसी चुनाव में सबसे हाई प्रोफाइल एरिया वरली विधानसभा क्षेत्र बना हुआ है। यहां वरली विधानसभा में बीएमसी के कुल 6 वॉर्ड हैं। वरली, शिवसेना (यूबीटी) का परंपरागत गढ़ रहा है। आदित्य ठाकरे यहां से विधायक हैं। इसी क्षेत्र के दो स्थानीय नेताओं को ठाकरे ने एमएलसी बनाया है। यानी ठाकरे सेना के यहां कुल 3 विधायक हैं।

बागी नेताओं ने किया खेला

इसके बावजूद ठाकरे सेना को बीएमसी चुनाव में सबसे बड़ी बगावत का सामना वरली में करना पड़ रहा है। वरली के 6 में से कुल 4 वॉर्ड में ठाकरे के बागी नेताओं ने बतौर निर्दलीय नामांकन दाखिल किया है। बागी नेताओं के पर्चा भरने के पीछे बड़ी वजह यह है कि टिकट बंटवारे में उद्धव ठाकरे ने पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं के बजाय इलाके के रसूखदार सियासी नेताओं के परिजनों को टिकट दिया, जिससे नाराजगी बढ़ गई। आदित्य ठाकरे के लाख मानने के बावजूद भी बागियों ने नामांकन पीछे नहीं लिया।

ठाकरे सेना की बढ़ी मुश्किलें

चारों बागी उम्मीदवारों की यहां इलाके में अच्छी पकड़ है। अब इसी वरली इलाके के एमएनएस के प्रभावशाली नेता संतोष धूरी के बीजेपी में शामिल होने के संकेत के बाद ठाकरे सेना की यहां मुश्किलें और बढ़ने वाली है। गौरतलब है कि 2024 विधानसभा चुनाव में आदित्य ठाकरे वरली विधानसभा सीट महज 8801 वोट से जीत पाए थे। अब निर्दलीय बड़े पैमाने पर ठाकरे को यहां चोट पहुंचा सकते हैं। एमएनएस के साथ गठबंधन की वजह से उद्धव सेना यहां शायद थोड़ा डैमेज कंट्रोल कर लेगी, लेकिन बागी उम्मीदवारों की वजह से इस बार यहां जीत हासिल करना ठाकरे के लिए हर बार की तरह आसान नहीं होगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 7 जनवरी- 2026

ट्रंप की रेयर अर्थ पर गिद्धदृष्टि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिद्धदृष्टि अब ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ पर पड गई है, जो दुनिया की शांति के लिए खतरा बनती जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप नोबल शांति पुरस्कार की आकांक्षा लिए अब तो दुनियाभर में दर्जनों संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेते फिर रहे थे, लेकिन जब उन्हें उससे निराशा मिली तो अब वे खुद ही वैश्विक तनाव को भड़काने में जुट गए हैं। वेनेजुएला के बाद अमेरिका ने ग्रीनलैंड को लेकर जो मेसेज दिया है, वह दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खतरा बनता जा रहा है। उनके इस सनकी जिद से तो अंतरराष्ट्रीय कानून, यूएन चार्टर और देशों की संप्रभुता का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा। दुनिया के कान तब खडे हुए जब ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर की पत्नी केटी मिलर ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में दिखाया गया है। इसके साथ लिखा था जल्द। बता दें कि स्टीफन को ट्रंप के चहेते लोगों में गिना जाता है, जबकि केटी खुद भी ट्रंप के पहले कार्यकाल में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुकी हैं। ऐसे में उनके ट्वीट पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड की तरफ से कडी प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक है। किंगडम ऑफ डेनमार्क के तहत आने वाले ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की महत्वकांक्षा काफी पुरानी है। वह कई मौकों पर खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड किसी भी कीमत पर चाहिए। ऐसे में केटी मिलर की तरफ से आ रहे ऐसे आपत्तिजनक मेसेज उसी का नतीजा माना जा रहा है। बताना जरूरी है कि ट्रंप पूरी दुनिया को एक कारोबारी की नजर से देख रहे हैं। उन्हें तेल लेने के लिए वेनेजुएला की जरूरत थी तो उन्होंने वहां के राष्ट्रपति को ही रातोंरात उठवा लिया। अब उन्हें ग्रीनलैंड इसलिए चाहिए कि वहां रेयर अर्थ का जबर्दस्त खजाना है। यह वही रेयर अर्थ है जिसने चीन के आगे अमेरिका को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया है। पिछले साल जब ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया, तो चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी थी। अंततः थक हारकर अमेरिका को वार्ता की टेबल पर आना ही पड़ा। आज दुनिया की जरूरत का 90% रेयर अर्थ चीन से आता है और अमेरिका की टेक-ऑटो-डिफेंस इंडस्ट्री इसकी मोहताज बनी हुई है। ट्रंप इसे लेकर चीन का दबदबा कम करना चाहते हैं, लेकिन चोट अपने साथियों को पहुंचा रहे हैं। दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने पड़ोसी कनाडा को अमेरिका का एक राज्य बनाने की इच्छा जाहिर की थी। फिर यूरोप को लेकर नीतियां बदली। जिस डेनमार्क को लेकर उनका स्टाफ आक्रामकता दिखा रहा है, वह खुद नैटो का सदस्य है और अमेरिका की जिम्मेदारी है उसकी सुरक्षा करना। इस तरह के मेसेज केवल बातों तक सीमित नहीं रहते, उनका गहरा कूटनीतिक असर भी पड़ता है। अमेरिका वह नैतिकता खोता जा रहा है, जिससे रूस को यूक्रेन में और चीन को ताइवान के विलय से रोके। यदि वह यही सब करता रहा तो किस हैसियत से रूस और चीन की विस्तारवादी नीति की आलोचना कर सकेगा।

जानलेवा चाइनीज मांझे पर कब लगेगा पूर्ण बैन

अशोक भाटिया

जानलेवा चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई इलाकों में पिछले 24 घंटे में मांझे की वजह से कई हादसे हुए हैं। सबसे पहले बात महाराष्ट्र के वाशिम जिले की। जहां चाइनीज मांझे की वजह से 57 साल के एक व्यक्ति का गला कट गया। दरअसल वो बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खंडोबा मंदिर के पास सड़क पर लटक रहे मांझे की चपेट में आने से उनके गले पर गंभीर चोट आई हैं। जैसे ही शख्स को चोट लगी, उन्होंने तुरंत बाइक रोक दी। उनकी इसी समझदारी की वजह से जान बच गई और एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

राजस्थान के बांसवाडा में भी कुछ ऐसा ही हुआ। रविवार को मोहन कॉलोनी से निकलते हुए एक बुजुर्ग का पैर चाइनीज मांझे में उलझ गया, जिसकी वजह से वो लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिर गए।चाइनीज मांझे की चपेट में आने की वजह से उन्हें गहरी चोट आई। राहगीरों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने बताया कि पैर की एड़ी में मांझा अंदर तक चला गया जिसकी वजह से घाव ज्यादा गहरा है। वहीं उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद में भी चाइनीज मांझे ने एक बाइक सवार को अपना शिकार बनाया। रविवार को बाइक से घर लौट रहे युवक की चाइनीज मांझे की वजह से गर्दन कट गई। गनीमत ये रही कि बाइक की स्पीड कम थी, जिससे युवक ज्यादा जख्मी नहीं हुआ। हादसे के तुरंत बाद उसने तुरंत अस्पताल जाकर इलाज करवाया।

पोलिस खुद इन हादसों से बची हुई नहीं है । पिछले साल ही घर आने-जाने के दौरान महाराष्ट्र के मुंबई के डिंडोशी पुलिस में तैनात एक पुलिसकर्मी का गला मांझे से कट गया, जिससे उसकी मौत हो गई इन शिकायतो के बाद ही पिछले दिनों में शहर के कम से कम पांच पुलिस स्टेशनों ने चीनी मांझा बेचते, स्टॉक करते या उपयोग करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। गौरतलब हो कि इसके पहले को खेरवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी चली गई थी जब वकोला फ्लाईओवर से लटके चीनी मांझे से उनका गला कट गया। तब खेरवाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 304-ए के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने चीनी मांझा की बिक्री और खरीद में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं।

ऐसा नहीं है इस तरह की ये पहली घटनाए है। कई सालों से इस तरह की कई दर्दनाक घटनाएं हो चुकी है। पिछले वर्ष भी बाइक पर सवार एक व्यक्ति चीनी मांझा से उस समय घायल हो गया जब वह फ्लाईओवर से गुजर रहा था। बाइक चलाते समय मांझा उसके गले में लिपट गया। मांझा की चपेट में आने से उसके गले में करीब 2 इंच गहरा घाव हो गया। इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। चाइनीज मांझा से हुआ यह पहला हादसा नहीं था । चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं।

आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है। अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक क्यों है और एक पतला धागा लोगों की जान कैसे ले सकता है? इसका कारण यह है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य मांझा कपास का बना होता है, लेकिन चीनी मांझा नायलॉन और अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। यह मांजा कांच, लोहे के पाउडर और कई अन्य रसायनों के साथ लेपित है। इस वजह से मांझा और भी तीखा और जानलेवा हो जाता है। चाइनीज मांझा साधारण मांझा की जगह स्ट्रेचेबल होता है यानी टूटने की बजाय खिंचता रहता है। इतना ही नहीं चीनी मांझा में धातु के चूर्ण के प्रयोग से यह विद्युत का सुचालक होता है, अर्थात इसमें से करंट प्रवाहित हो सकता है और इसलिए बिजली के झटके का खतरा रहता है, लेकिन इसके खतरों से वाकिफ होने के बावजूद आज बाजार में इसकी काफी मांग है, क्योंकि जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो चाहते हैं कि उनकी पतंग न कट जाए और वे दूसरों की ज्यादा से ज्यादा पतंगें काट सकें।

साल 2017 में एनजीटी यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इस मांझा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पर्यावरण विभाग के तहत 10 जनवरी 2017 को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार पतंगबाजी के लिए नायलॉन, प्लास्टिक और किसी भी तरह की सिंथेटिक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा कांच, धातु या अन्य नुकीली चीजों से बने धागों पर भी पतंग उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। नियम के मुताबिक, सूती धागे से बने धागों से पतंग उड़ाई जा सकती है, लेकिन इनमें भी किसी न किसी तरह का धागा होता है, तेज वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन कड़ी सजा के साथ दंडनीय है। अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक के जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है।

इतने सख्त नियम होने के बावजूद आज देश भर में में चीनी मांझा का कारोबार फलफूल रहा है। व्यवसायी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और इन घातक मांझा को लोगों को बेच रहे हैं, और खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। मांझा के व्यापारी पुलिस को चकमा देने के लिए हाईटेक तरीके अपना रहे हैं और इसके लिए फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह मांजा इतना खतरनाक होता है कि अगर तेज रफ्तार से चलने वाला व्यक्ति इसकी चपेट में आ जाए तो यह न केवल त्वचा या नसों को बल्कि उसकी मांसपेशियों को भी काटकर हड्डियों तक पहुंच सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद चीनी मांझे के पीड़ितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

कई राज्यों में राज्य सरकारों ने चाइनीज मांझे पर बैन लगा चुकी है और प्रशासन को कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। हर साल पतंग के सीजन के दौरान चाइनीज मांझे का जिक्र होता है पर बाद में लोग व शासन इसे भूल जाता है । कई लोगों का मानना है कि यह मांझा चीन से आता है और अब चीनी सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है, इसलिए इस पर बैन लगाया गया है।

डिजिटल आत्मनिर्भरता के बीच ग्रोक की नग्नता पर मौन

स्नेहा सिंह

भारत में पिछले कई दिनों से एक्स (X) पर कई यूजर्स द्वारा ग्रोक एआई के दुरुपयोग की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। एआई की मदद से किसी भी यूजर की तस्वीरों से कपड़े हटाने जैसी अश्लील हरकतें की जा रही हैं। इस मामले को लेकर सरकार के सामने भी शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। विरोध बढ़ने और मामला राजनीतिक रूप से तूल पकड़ने के बाद सरकार ने अचानक एक्स को नोटिस जारी कर आपत्तिजनक कंटेंट हटाने के आदेश दिए हैं। सरकार के निर्देश के बाद कंपनी ने क्या कार्रवाई की और कौन-कौन से कदम उठाए, इसकी भी समीक्षा की जाएगी। कंपनी को 72 घंटे के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को भी सख्त रूप से कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि देश-दुनिया में एआई के जरिए अश्लील गतिविधियों के मामलों में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। खासकर भारत में डीपफेक और अन्य एआई माध्यमों से अपराध बढ़े हैं। एआई का उपयोग कर मशहूर हस्तियों, सेलेब्रिटीज़ और आम लोगों के चेहरे लगाकर फर्जी वीडियो बनाकर ठगी की जा रही है। इसके अलावा महिलाओं के डीपफेक बनाकर उन्हें बदनाम करने और उनके अश्लील वीडियो फैलाने का भी धंधा चल रहा है।

कुछ समय पहले ही रश्मिका मंदाना, आलिया भट्ट जैसी बालीवुड अभिनेत्रियों के डीपफेक वीडियो वायरल हुए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 से अब तक भारत में डीपफेक और एआई से जुड़े साइबर अपराधों में 550 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष के अंत में एक्स पर एक ट्रेंड बेहद वायरल हुआ था। किसी भी महिला की तस्वीर एक्स पर पोस्ट होते ही उसके जवाब या कमेंट में एआई की मदद से बनाई गई नग्न, बिकिनी या बेहद आपत्तिजनक तस्वीरें डाली जाने लगीं। खासतौर पर एक्स के ही एआई ग्रोक का इस्तेमाल 'रिमूव क्लोथ्स' जैसे प्राम्प्ट के जरिए अश्लील इमेज थ्रेड बनाने में किया गया। देखते-देखते महिलाओं की लाखों तस्वीरें इस तरह पोस्ट होने लगीं।

यहां तक कि कुछ मामलों में नाबालिग लड़कियों की तस्वीरें भी पोस्ट की गईं। 28 दिसंबर को ऐसी दो लड़कियों की नग्न और अश्लील तस्वीरें सामने आने के बाद ग्रोक का बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि ग्रोक को सार्वजनिक पोस्ट कर माफी मांगनी पड़ी। हैरानी की बात यह है कि कंपनी ने विभिन्न फीचर्स और सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया और विवाद के बाद सिर्फ माफी मांगकर मामला निपटाने की नीति अपनाई। एक्स एआई ने कहा कि ग्रोक की मिनिमल सेंसरशिप पालिसी के कारण यह समस्या पैदा हुई। अब इमेज जेनरेशन में सख्त सेफगार्ड्स लागू किए गए हैं। बिना सहमति वाले, यौन, नग्न या किसी भी प्रकार के नुकसानदेह कंटेंट को सीधे ब्लाक किया जाएगा। एलन मस्क ने भी सार्वजनिक रूप से इस गलती को स्वीकार करते हुए कहा कि 'अनफिल्टर्ड ट्रुथ' के नाम पर एआई को पूरी तरह खुला छोड़ना गलत था, इससे असंतुलन पैदा होता है। अब कंपनी सुरक्षा के मामले में ज्यादा सतर्कता बरत रही है। मूल सवाल यह है कि एआई का इतना बेतहाशा दुरुपयोग हो रहा है, लेकिन इसके लिए कोई ठोस कानून नहीं हैं या फिर ञइस मामले में भी लीपापोती की नीति अपनाई जा रही है। दुनिया के अन्य देशों में इस मुद्दे पर क्या स्थिति है, यह समझना जरूरी है।

जानकारों का मानना है कि दुनिया के कई देशों में तकनीक के दुरुपयोग पर कड़े कानून हैं और इसे गंभीर अपराध मानकर सख्त सजा दी जाती है। खासकर महिलाओं से जुड़े अपराधों में दंड और भी कड़ा है। अमेरिका में 'टेक इट डाउन एक्ट' के तहत किसी की सहमति के बिना यौन या अंतरंग इमेज, नग्न या डीपफेक इमेज/वीडियो बनाना और फैलाना गंभीर अपराध है। दोष सिद्ध होने पर भारी जुर्माना और जेल की सजा होती है। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को शिकायत मिलने के 48 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री हटाने का आदेश है। यदि प्लेटफार्म ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई और जुर्माना लगाया जाता है। अमेरिका के कई राज्यों में चुनाव से जुड़े डीपफेक वीडियो और तस्वीरें फैलाने पर भी इसी तरह की सजा का प्रावधान है।

यूरोपीय यूनियन में भी एआई और डीपफेक को लेकर सख्त कानून बनाए गए हैं। इन कानूनों के तहत एआई या डीपफेक से तैयार किसी भी कंटेंट पर लेबल लगाना अनिवार्य है। बिना सहमति किसी का वीडियो या तस्वीर बनाना, खासकर यौन, भ्रामक या गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कंटेंट, कानून का उल्लंघन माना जाता है। ऐसी स्थिति में एआई प्लेटफार्म पर उसके टर्नओवर के छह प्रतिशत तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। व्यक्तिगत रूप से ऐसा करने वालों को भी भारी जुर्माना और सजा दी जाती है। प्लेटफार्म की जिम्मेदारी तय की गई है और सामग्री तुरंत हटानी होती है, अन्यथा सजा का प्रावधान है।

चीन पहले से ही ऐसे कंटेंट को लेकर सख्त कानूनों वाला देश है। वहां एआई से बने हर कंटेंट पर लेबलिंग अनिवार्य है। बिना लेबल के एआई या डीपफेक कंटेंट फैलाने पर क्रिएटर और प्लेटफार्म दोनों के खिलाफ कार्रवाई होती है। यदि डीपफेक से किसी की छवि या गरिमा को नुकसान पहुंचाया जाता है तो इसे गंभीर अपराध माना जाता है, जिसमें भारी जुर्माना, सोशल मीडिया प्रतिबंध और गंभीर मामलों में जेल की सजा भी होती है।

ब्रिटेन में भी किसी की सहमति के बिना डीपफेक तस्वीर या वीडियो बनाना यौन अपराध की श्रेणी में आता है। बिना सहमति अंतरंग डीपफेक कंटेंट बनाना और साझा करना गंभीर अपराध है, जिसमें जेल और जुर्माना दोनों का प्रावधान है। आस्ट्रेलिया, फ्रांस और डेनमार्क में भी इसी तरह के कड़े कानून हैं, जहां महिलाओं की गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाले डीपफेक कंटेंट पर सख्त सजा दी जाती है।

भारत में फिलहाल साइबर अपराधों के लिए कुछ कानून मौजूद हैं, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक से जुड़े अपराधों के लिए कोई स्पष्ट और विशेष कानून नहीं हैं। वर्तमान में आईटी एक्ट के तहत ही मामले दर्ज किए जाते हैं। धारा 66D के तहत कंप्यूटर के दुरुपयोग, 67, 67A, 67B के तहत अश्लील सामग्री फैलाने, आईपीसी की धारा 499-500 के तहत मानहानि, धारा 509 के तहत महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और धारा 469 के तहत धोखाधड़ी के आरोप लगाए जाते हैं।

जानकारों का कहना है कि डीपफेक और एआई की स्पष्ट परिभाषा न होने के कारण भारत में इस दिशा में कानून अभी पर्याप्त नहीं हैं। फिलहाल साइबर क्राइम पोर्टल और हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज की जाती है। 2024 तक करीब 14 करोड़ शिकायतें इस पोर्टल पर दर्ज हो चुकी हैं। डीपफेक विश्लेषण के लिए एक यूनिट भी बनाई गई है, जहां संदिग्ध वीडियो और आडियो की जांच की जाती है।

मूल बात यह है कि भारत में जिस स्तर पर साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, उसके मुकाबले न तो ठोस कानून हैं और न ही सख्त सजा का प्रावधान। लोग जो पैसा गंवाते हैं, उसका दस प्रतिशत भी वापस नहीं पा पाते। इससे भी गंभीर बात यह है कि महिलाओं की नग्न तस्वीरें खुलेआम पोस्ट की जा रही हैं और सरकार केवल प्लेटफार्म्स को कंटेंट हटाने का आदेश दे रही है। ऐसे अपराध करने वालों को पकड़कर सख्त सजा देने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। डीपफेक, डिजिटल अरेस्ट या ग्रोक एआई की नग्नता, सबको आईटी एक्ट की एक ही लाठी से हांका जा रहा है। डिजिटल आत्मनिर्भरता की बात करने वाली सरकार को ग्रोक की नग्नता की गंभीरता नजर नहीं आ रही है।

आस्था के साए में अपराध पैरोल ने फिर जगाए विवाद

आरके जैन

क्या न्याय सचमुच अंधा है, या वह अब प्रभाव, संख्या और आस्था को पहचानने लगा है। यह प्रश्न तब और तीखा हो उठा, जब डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर (15वीं बार) 40 दिनों की पैरोल (फरलो) पर जेल से बाहर आने की अनुमति दी गई। यह केवल एक सजायाफ्ता व्यक्ति की अस्थायी रिहाई नहीं, बल्कि कानून की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक नैतिकता पर सीधा प्रहार था। जब गंभीर अपराधों में दोष सिद्ध होने के बावजूद बार-बार राहत दी जाती है, तो समाज के भीतर यह संदेह गहराना स्वाभाविक है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है। यही बेचैन करने वाली शंका पूरे घटनाक्रम के केंद्र में खड़ी होकर नागरिक चेतना को भीतर तक झकझोर देती है।

राम रहीम का नाम वर्षों से अपराध, आस्था और प्रभाव के विचित्र संगम का प्रतीक बन चुका है। महिलाओं के साथ हुए जघन्य अपराधों और एक निर्भीक पत्रकार की हत्या ने देश को भीतर तक हिला दिया था। न्यायालय द्वारा दी गई कठोर सजाओं से यह आशा जगी थी कि धर्म की आड़ में छिपे अपराधों पर अब कोई समझौता नहीं होगा। परंतु समय बीतने के साथ बार-बार मिली पैरोल ने उस भरोसे को कमजोर किया। स्वयं को आध्यात्मिक मार्गदर्शक बताने वाला व्यक्ति जब लगातार जेल से बाहर आता है, तो धर्म और अपराध के बीच खींची गई रेखा धुंधली पड़ने लगती है।

पैरोल का सिद्धांत मानवीयता और सुधार से जुड़ा होता है। इसका उद्देश्य कैदी को समाज से जोड़े रखना और उसे आत्ममंथन का अवसर देना है। लेकिन राम रहीम के मामले में पैरोल एक अपवाद नहीं, बल्कि नियमित प्रक्रिया जैसी प्रतीत होने लगी है। सजा के सीमित वर्षों में कई बार बाहर आना और लंबा समय जेल से बाहर बिताना सामान्य कैदियों की स्थिति से बिल्कुल अलग है। यह प्रश्न उठता है कि नियमों की व्याख्या इतनी उदार क्यों है। जब राहत बार-बार और समय विशेष पर मिलती दिखे, तो कानून की मंशा पर संदेह होना स्वाभाविक है।

न्याय की कसौटी पर यह स्थिति अत्यंत विचलित करने वाली है। एक ओर ऐसे लोग हैं, जिन पर आरोप अभी सिद्ध भी नहीं हुए, फिर भी वे वर्षों से कारावास झेल रहे हैं। दूसरी ओर सिद्ध अपराध के बावजूद बार-बार पैरोल दी जा रही है। यह विरोधाभास व्यवस्था के दोहरे मापदंड को साफ उजागर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमों की अस्पष्टता और प्रशासनिक विवेक की अत्यधिक छूट ने इस असमानता को जन्म दिया है। जब निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रहती, तब न्याय कागज़ों तक सिमट जाता है और जनता का भरोसा धीरे-धीरे दरकने लगता है। इस पूरे घटनाक्रम में सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। बड़े अनुयायी समूह अपने आप में शक्ति बन जाते हैं। यही शक्ति कई बार निर्णयों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव का कारण बनती है। धर्मस्थलों और धार्मिक व्यक्तित्वों का सामाजिक प्रभाव नई बात नहीं है, लेकिन जब इसका उपयोग कानून को नरम करने के लिए होने लगे, तो खतरा बढ़ जाता है। आस्था जब संगठित समर्थन में बदल जाती है, तो न्याय कमजोर पड़ने लगता है। यह प्रवृत्ति केवल एक मामले तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक चुनौती का संकेत है।

धार्मिक पहलू इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना देता है। जब आस्था विवेक पर भारी पड़ती है, तब प्रश्न पूछने की क्षमता क्षीण हो जाती है और अंधभक्ति हावी होने लगती है।

पैरोल के दौरान होने वाली गतिविधियां अनुयायियों में उत्साह और भरोसा भरती हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए वही क्षण गहरी पीड़ा का कारण बनते हैं। उनके लिए हर रिहाई न्याय के पुराने घावों को फिर से हरा कर देती है। धर्म का उद्देश्य नैतिक उत्थान और करुणा है, न कि अपराधों के लिए ढाल बनना। जब आस्था का उपयोग संरक्षण के लिए होता है, तो समाज में गलत संदेश जाता है।

न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पर इसका प्रभाव अत्यंत गहरा और दूरगामी है। जब आम नागरिक यह देखता है कि प्रभावशाली नामों के लिए कानून के द्वार सहजता से खुल जाते हैं, तो न्याय के प्रति सम्मान स्वतः कमजोर पड़ने लगता है। सार्वजनिक विमर्श में दिखाई देने वाला आक्रोश केवल क्षणिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि भीतर तक जमी निराशा की अभिव्यक्ति है। लोग इसे सुविधा और प्रभाव से संचालित न्याय कहने लगे हैं। जब निर्णयों पर स्पष्ट, पारदर्शी और ठोस उत्तर नहीं मिलते, तब यह मौन अविश्वास को जन्म देता है। यदि समय रहते विश्वास बहाल नहीं किया गया, तो यह दरार स्थायी बनकर न्याय व्यवस्था की नींव को ही कमजोर कर देगी।सबसे गहरी पीड़ा पीड़ितों की है, जिनकी आवाज अक्सर भीड़ और शोर में दबकर रह जाती है। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न केवल कानून तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की नैतिक चेतना की भी परीक्षा हैं। जब दोष सिद्ध होने के बाद भी कठोरता नहीं दिखाई जाती, तो यह संदेश जाता है कि शक्ति ढाल बन सकती है। ऐसी सोच समाज को भीतर से कमजोर करती है, क्योंकि इससे अपराध सामान्य और न्याय सापेक्ष हो जाता है। कोई भी व्यवस्था तब तक मानवीय नहीं कही जा सकती, जब तक वह सबसे कमजोर के साथ समान और संवेदनशील व्यवहार न करे।

भारत में रेबीज एक गंभीर चुनौती

अम्बिका कुशवाहा अम्बी

भारत में रेबीज वायरस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है। हर साल लाखों एनिमल बाइट्स (ज्यादातर कुत्तों के काटने) के मामले दर्ज होते हैं और इससे हजारों मौतें होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हुईं, लेकिन पिछले दशकों की तुलना में यह संख्या कम रही है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

भारत में रेबीज मुख्य रूप से आवारा कुत्तों के काटने या खरोंचने से फैलती है। वायरस संक्रमित जानवर की लार या थूक के माध्यम से मनुष्य में प्रवेश करता है। भारत में रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से ही जुड़े होते हैं, हालांकि रेबीज वायरस कुत्ते के अलावा बिल्ली, बंदर और अन्य जानवरों से भी फैल सकता है। जागरूकता की कमी ने भारत में आवारा कुत्तों के प्रति नफरत और डर को काफी बढ़ा दिया है, खासकर 2025-2026 के दौरान जब कुत्तों के काटने के मामले और रेबीज से मौतों की खबरें तेजी से फैलीं।

सभी आवारा कुत्ते भी रेबीज से संक्रमित नहीं होते। ज्यादातर काटने की घटना भूख, डर, या क्षेत्र की रक्षा के कारण होते हैं। देश में कुत्तों की 6 करोड़ से अधिक संख्या, अपर्याप्त नसबंदी एवं टीकाकरण साथ ही नियमित भोजन न मिलने से भी आक्रामकता बढ़ती है। रेबीज वायरस किसी भी कुत्ते के शरीर में जन्मजात पैदा नहीं होता या माँ से बच्चे में जन्म से नहीं मिलता। रेबीज एक संक्रामक वायरस है जो संक्रमित जानवर से दूसरे में फैलता है। प्राकृतिक में रेबीज वायरस का सबसे पुराना और मूल रिजर्वॉयर या चमगादड़ हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लगभग सभी लिसावायरस चमगादड़ों से शुरू हुए, और समय के साथ यह वायरस अन्य जानवरों में फैला। भारत आवारा कुत्ते ही सबसे बड़ा स्रोत हैं। ज्यादातर कुत्ते दूसरे संक्रमित कुत्ते के काटने से रेबीज ग्रस्त होते हैं, और फिर वे और कुत्तों या मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। वायरस कुत्तों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) को प्रभावित करती है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग पूरी तरह से जानलेवा होती है। इंसानों में भी वायरस संक्रमण मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। यह मुख्य रूप से संक्रमित जानवर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या लार के संपर्क से फैलता है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग शत प्रतिशत जानलेवा होता है, लेकिन संपर्क के तुरंत बाद घाव की सफाई, एंटी-रेबीज वैक्सीन और पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रेबीज वायरस को रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, यदि समय पर सही कदम उठाए जाए तो वायरस को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। चूंकि भारत में रेबीज का मुख्य स्रोत आवारा कुत्ते हैं, और पिछले कुछ वर्षों में सरकार, विश्व स्वास्थ संगठन, और विभिन्न संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। 2030 तक भारत को डॉग-मीडिएटेड ह्यूमन रेबीज से मुक्त करने का लक्ष्य है। रेबीज रोकथाम के मुख्य उपायःघाव की तुरंत सफाई - कुत्ते, बिल्ली या किसी जानवर के काटने या खरोंचने पर तुरंत 15-20 मिनट तक साबुन और बहते पानी से घाव धोएं।

यह वायरस को काफी हद तक निष्क्रिय कर देता है। पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस -घाव की सफाई के बाद एंटी-रेबीज वैक्सीन का पूरा कोर्स और गंभीर मामलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन लगवाना जरूरी है। लक्षण आने के बाद इलाज असंभव है, इसलिए देर न करें। कुत्तों का टीकाकरण और नसबंदी - आवारा कुत्तों में अधिक से अधिक टीकाकरण कवरेज से रेबीज का चेन टूट सकता है। भारत में पशु जन्म नियंत्रण अधिनियम 2023 के तहत कैप्चर- स्टेरिलाइज़ -वैक्सिनेट -रिलीज़ मॉडल अपनाया जा रहा है। जागरूकता की कमी के कारण कई लोग इलाज में देरी करते हैं या कुत्तों के प्रति अनावश्यक नफरत बढ़ाते हैं। कुछ सरल जागरूकता उपायः स्कूलों और समुदाय में अभियान -बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। स्कूलों में पोस्टर, ड्रॉइंग प्रतियोगिता और जागरूकता सत्र आयोजित करें। मिथकों को तोड़ें - सभी आवारा कुत्ते रेबीज से संक्रमित नहीं होते।

स्वच्छ शहर का घंटा

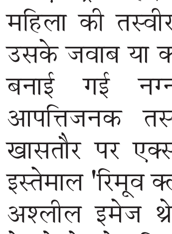

डॉ. सुरेश कुमार

इंदौर के बीचोंबीच खड़ी घड़ी मीनार पर लटका वह घंटा-जो कभी ब्रिटिश साहबों के ज़माने में बजता था तो अफ़सरों के पेट में हलचल मच जाती थी-आजकल बजता है तो जनता के कानों में बस घंटा ही गूंजता है। शहर साफ़-सुथरा है, स्मार्ट है, नंबर वन है-यह नारे रोज़ लगते हैं, मगर गलियों में गंदगी, भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण देखकर लगता है, सबका जवाब एक ही है-"घंटा!" नगर निगम की योजनाएँ घंटा हैं, पुलिस की कार्रवाई घंटा है, नेताओं के वादे घंटा हैं। जनता पूछे तो अफ़सर हँसते हुए कहें-"घंटा चिंता करो!" यह घंटा अब लोकोक्ति नहीं, मुहावरा नहीं, बल्कि शहर का संविधान बन चुका है। हर समस्या का समाधान-"घंटा करो!" हर आश्वासन-"घंटा होगा!" और हर न्याय-"घंटा मिलेगा!" परसाई जी कहते तो यों-"यह घंटा बजता है तो लगता है, समाज का पेट फटने वाला है, मगर फटता कुछ नहीं, बस गैस निकलती है। पिछले हफ्ते नगर निगम ने डंके की चोट पर ऐलान किया-"अवैध कब्ज़े हटेंगे!" ड्रामा शुरू-बुलडोज़र लाए गए, कैमरे चले, नेता चिल्लाए-"इंदौर बदलेगा!" अगले दिन? वही कब्ज़े, वही दीवारें, बस नई पुताई। पत्रकार ने अफ़सर से पूछा-"क्या हुआ?" जवाब मिला-"घंटा हुआ भाई, घंटा!" यहाँ "घंटा" सिर्फ़ शब्द नहीं, प्रतीक है-खोखले वादों का, नकली कार्रवाई का, भ्रष्टाचार के पेट का। पुलिस आए तो बोली-"घंटा डरना! कोर्ट गए तो फैसला-"घंटा मिलेगा!" नेता चुनाव लड़ें तो वादा-"घंटा भूल जाओ!" जनता हँसती है, क्योंकि जानती है-यह घंटा हर जगह बज रहा है। स्कूलों में-"पढ़ाई घंटा है!" अस्पतालों में-दवा घंटा है!" सड़कों पर-"ट्रैफिक नियम घंटा हैं!" इंदौर का घंटा बजता है जैसे भ्रष्ट नेता का पेट-भरपूर आवाज़, अंदर. से खाली! और जनता? वह अब घंटे की धुन पर थिरक रही है-क्योंकि विकल्प ही क्या बचा है? घंटा बजाओ, ताली बजाओ! फिर आया वह दिन-मीनार का घंटा चोरी हो गया। खबर-"इंदौर का घंटा गायब!" अख़बार चीखे-"न्याय की आवाज़ चुप!" पुलिस ने केस दर्ज किया-"जल्द पकड़ेंगे।" जनता बोली-"घंटा पकड़ोगे साहब!" हफ्ते भर जांच चली, बयानबाज़ी हुई, फिर केस ठंडा। क्यों? क्योंकि चोर ने सही पहचाना-यह घंटा तो पहले ही मरा हुआ था। अब शहर में नया खेल शुरू-"घंटा चोरी का षड्यंत्र!" कुछ ने कहा-"विपक्ष ने चुराया!" कुछ बोले-"अफ़सरों ने बेच दिया!" सच्चाई? कोई नहीं जानता, क्योंकि सच्चाई भी घंटा है। मीमों में लिखा गया-"घंटा चोरी नहीं हुआ, बस असली चोर ने पहचान लिया कि यह शहर का सबसे मूल्यवान प्रतीक है-खोखला लेकिन चमकदार।" चोरी का सबसे बड़ा अपराध यह है कि चोर ने घंटे को ही चुरा लिया, जो पहले से समाज का घंटा था!" जनता अब घंटे के बिना और भी खाली—क्योंकि अब कोई बहाना भी नहीं बचा।

भक्ति और बुद्धि का अनोखा संगम हनुमानजी केवल बलवान ही नहीं थे, वे अत्यंत बुद्धिमान भी थे. हर परिस्थिति में उन्होंने विवेक से काम लिया और अहंकार से दूर रहे. यही गुण उन्हें देवताओं में भी विशेष बनाता है और आज भी करोड़ों लोग उन्हें आदर्श मानते हैं.

भगवान राम से क्यों लड़ने पहुंच गए थे हनुमान जी?

इन रहस्यों में उनका जन्म, उनके गुरु, उनके रिश्ते और यहां तक कि श्रीराम से जुड़ा एक अनोखा युद्ध भी शामिल है. ये बातें सिर्फ धार्मिक कथा नहीं हैं, बल्कि हनुमानजी के व्यक्तित्व की गहराई को समझने का जरिया भी हैं. इस आर्टिकल में हम आपको पवनपुत्र से जुड़े ऐसे ही सात रोचक पहलुओं के बारे में बताएंगे, जो न केवल आपको चौंकाएंगे बल्कि हनुमानजी के प्रति आपकी आस्था को और मजबूत करेंगे।

1. हनुमानजी के बिना अधूरी मानी जाती है रामायण यह माना जाता है कि हनुमानजी के बिना रामायण पूरी नहीं होती. राम और रावण के युद्ध में वे अकेले ऐसे योद्धा थे जिन्हें कोई भी घायल नहीं कर सका. उन्होंने कभी अपने बल का घमंड नहीं किया और हर कार्य श्रीराम के नाम से किया. यही वजह है कि वे अजेय माने जाते हैं।

2. ये थे हनुमानजी के गुरु और यहीं हुआ था उनका जन्म हनुमानजी ने सूर्य देव और नारद मुनि से शिक्षा ली थी, लेकिन इसके अलावा उन्होंने ऋषि मातंग से भी ज्ञान प्राप्त किया था. मान्यता है कि उनका जन्म भी ऋषि मातंग के आश्रम में ही हुआ था. इसी आश्रम में देवी मातंगी का जन्म भी हुआ, जिन्हें दस महाविद्याओं में गिना जाता है।

3. जब हनुमानजी अपने आराध्य श्रीराम से लड़ने चले यह बात सुनकर कई लोग चौंक जाते हैं कि एक बार हनुमानजी और श्रीराम आमने-सामने आए थे. राजा ययाति की रक्षा का वचन देकर हनुमानजी ने श्रीराम के सामने खड़े होकर सिर्फ राम नाम का जप किया. श्रीराम के सारे बाण निष्फल हो गए और अंत में युद्ध रोक दिया गया।

4. हनुमानजी और भीम थे भाई हनुमानजी और महाभारत के भीम के बीच हजारों वर्षों का अंतर था, फिर भी दोनों भाई माने जाते हैं. वजह यह है कि दोनों को पवनदेव का पुत्र माना गया है. इसी कारण दोनों अपार

शक्ति के स्वामी थे और युद्ध में अजेय माने जाते थे।

5. मां जगदंबा के अनन्य भक्त थे पवनपुत्र हनुमानजी सिर्फ श्रीराम के ही नहीं, बल्कि मां जगदंबा के भी बड़े भक्त थे. मान्यता है कि जहां माता का मंदिर होता है, वहां हनुमानजी की उपस्थिति भी जरूर होती है. कई जगह उनकी कथा माता वैष्णो देवी से भी जुड़ी मानी जाती है।

6. लंका के यज्ञ से जुड़ा चौंकाने वाला रहस्य राम-रावण युद्ध से पहले रावण ने देवी को प्रसन्न करने के लिए एक बड़ा यज्ञ कराया. हनुमानजी ने साधु का रूप लेकर वहां ब्राह्मणों की सेवा की और मंत्रों में एक शब्द बदलवा दिया. इसी कारण देवी रुष्ट हुईं और रावण को हार का सामना करना पड़ा।

7. भक्ति और बुद्धि का अनोखा संगम हनुमानजी केवल बलवान ही नहीं थे, वे अत्यंत बुद्धिमान भी थे. हर परिस्थिति में उन्होंने विवेक से काम लिया और अहंकार से दूर रहे. यही गुण उन्हें देवताओं में भी विशेष बनाता है और आज भी करोड़ों लोग उन्हें आदर्श मानते हैं।

जिस दिन हुई थी शिवलिंग की पहली पूजा उसी तिथि पर स्थापित होगा सबसे बड़ा शिवलिंग

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में इन दिनों आस्था की बयार बह रही है. चकिया-केसरिया मार्ग पर स्थित विराट रामायण मंदिर परिसर में दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की भव्य तैयारी चल रही है. यह विशाल शिवलिंग तमिलनाडु के महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण लाया गया है. इस शिवलिंग की स्थापना 17 जनवरी 2026 को विधि-विधान के साथ की जाएगी।

पूर्वी चंपारण के रामायण मंदिर परिसर में शिवलिंग की स्थापना के अवसर पर हरिद्वार, प्रयागराज, गंगोत्री, कैलाश मानसरोवर और सोनपुर सहित पांच पवित्र स्थलों के जल से शिवलिंग का महाभिषेक किया जाएगा. इसके साथ ही हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी होगी।

माघ कृष्ण चतुर्दशी तिथि क्यों है खास?

17 जनवरी को माघ कृष्ण चतुर्दशी तिथि है, जिसे धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवलिंग उत्पत्ति का दिन माना जाता है. इसी दिन भगवान शिव की पहली बार शिवलिंग रूप में पूजा हुई थी. पटना स्थित महावीर मंदिर न्यास के अनुसार, यह शिवलिंग सहस्त्र शिवलिंग के रूप में स्थापित किया जा रहा है और पिछले एक हजार वर्षों में इस प्रकार की सहस्त्र शिवलिंग की स्थापना कहीं नहीं हुई है. यही कारण है कि इस आयोजन को अत्यंत दुर्लभ और ऐतिहासिक माना जा रहा है।

पंडित भवनाथ झा की देखरेख में होगी शिवलिंग की स्थापना

विराट रामायण मंदिर परिसर में सहस्त्र शिवलिंग की पीठ-स्थापना और पूजा की जिम्मेदारी प्रसिद्ध विद्वान पंडित भवनाथ झा की देखरेख में की जाएगी. उन्होंने बताया कि पीठ-स्थापना माघ कृष्ण चतुर्दशी, जिसे नरक निवारण चतुर्दशी भी कहा जाता है, इस दिन की जाएगी. शास्त्रों के अनुसार यह तिथि शिवरात्रि के समान ही शिव पूजा के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है।

ईशान संहिता में उल्लेख है कि इसी महानिशा में भगवान शिव शिवलिंग रूप में प्रकट हुए थे. इस पवित्र अवसर पर परंपरागत रूप से व्रत भी रखा जाता है. इसी कारण सहस्त्र शिवलिंग की पीठ-स्थापना इसी दिन की जा रही है. पूजा पूरी तरह शास्त्रीय विधि से होगी, जिसके अंतर्गत एक भव्य यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा. इस यज्ञ में चारों वेदों और आगम शास्त्रों के विद्वान भाग लेंगे।

भगवान शिव के सहस्त्र स्वरूप स्थापित होंगे

पंडित भवनाथ झा ने बताया कि शिव लिंग की स्थापना प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरती जा रही है, क्योंकि यह सदियों बाद हो रहा है. विभिन्न पवित्र नदियों और संगम स्थलों से जल, बालू और मिट्टी मंगाई जा रही है. ग्रंथों के अनुसार विधि तैयार की गई है, जिसके तहत अष्टकमल यंत्र पर शिव के आठ स्वरूपों की स्थापना होगी. आठों दिशाओं में देवताओं का आवाहन किया जाएगा और मध्य में पार्वती सहित भगवान शिव के सहस्त्र स्वरूप स्थापित होंगे, जो युगों तक श्रद्धालुओं का कल्याण करेंगे।

स्थापना के दिन सुबह 8:30 बजे से पूजा शुरू होगी और दोपहर में शिवलिंग की स्थापना की जाएगी. पूजा के बाद प्रसाद और भोजन का वितरण होगा. महावीर मंदिर से सात पंडित विशेष रूप से पूजन के लिए आएंगे. शिवलिंग की स्थापना के बाद अलग से नंदी का निर्माण भी किया जाएगा, जिसे ब्लैक ग्रेनाइट स्टोन से तैयार किया जाएगा।

नए साल में खरीदनी है नई कार या बाइक, तो जान लें कब है शुभ दिन

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026: नए साल 2026 के 12 महीने जनवरी से लेकर दिसंबर तक गाड़ी खरीदने के कई शुभ मुहूर्त हैं. पंचांग के अनुसार, जनवरी में 10, फरवरी में 5, मार्च में 10, अप्रैल में 9, मई में 5, जून में 4, जुलाई में 9, अगस्त में 10, सितंबर में 8, अक्टूबर में 5, नवंबर में भी 5 और दिसंबर में 8 वाहन खरीद मुहूर्त हैं. इस प्रकार से नए साल 2026 में गाड़ी खरीदने के कुल 88 शुभ मुहूर्त हैं. वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 जनवरी: अगर आपको जनवरी में वाहन खरीदना है तो आप 1, 2, 4, 5, 11, 12, 14, 21, 28 और 29 तारीख को खरीद सकते हैं.

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 फरवरी: फरवरी में कार, बाइक या अन्य गाड़ी खरीदनी है तो आप 1, 6, 11, 26 और 27 तारीखें शुभ हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 मार्च: जिसे मार्च में नई गाड़ी खरीदनी है तो वो 1, 5, 6, 8, 9, 15, 16, 23, 25 और 27 तारीख में से किसी भी शुभ दिन खरीद सकते हैं.

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 अप्रैल: इस माह में वाहन खरीदने की शुभ तारीखें 1, 2, 3, 6, 12, 13, 20, 24 और 29 हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 मई: अगर आपको मई में नई कार, बाइक या दूसरी कोई गाड़ी खरीदनी है तो शुभ तारीखें 1, 4, 10, 11 और 14 हैं.

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 जून: इस महीने में नई गाड़ी खरीदने का शुभ दिन 17, 22, 24 और 25 तरीख को है।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 जुलाई: आपको जुलाई में गाड़ी खरीदना है तो शुभ तारीखें 2, 3, 5, 8, 12, 19, 24, 29 और 30 हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 अगस्त: अगस्त में 7, 9, 10, 16, 17, 20, 26, 27, 28, और 31 तारीखों में नई गाड़ी खरीद सकते हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 सितंबर: इस महीन में गाड़ी खरीदने का शुभ दिन 4, 6, 7, 13, 14, 16, 17 और 24 तारीख को हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 अक्टूबर: इस माह में नई कार, मोटरसाइकिल या अन्य कोई गाड़ी खरीदनी है तो आप 21, 22, 25, 18 और 30 तारीख में खरीद सकते हैं।

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 नवंबर: इस माह में नई गाड़ी खरीदने की शुभ तारीखें 1, 6, 25, 26 और 29 हैं.

वाहन खरीदने का शुभ मुहूर्त 2026 दिसंबर: साल के अंतिम माह दिसंबर में नई गाड़ी खरीदने के शुभ दिन 3, 4, 6, 13, 14, 23, 30 और 31 तारीखों में हैं।

अगर घर में परेशानियां हैं तो अपनाएं ये वास्तु उपाय

1. दहलीज क्यों होती है इतनी खास?

वास्तु शास्त्र में दहलीज को एनर्जी लाइन कहा जाता है. मान्यता है कि यह पॉजिटिव एनर्जी को घर के भीतर रोककर रखती है और नेगेटिव एनर्जी को एंट्री नहीं करने देती, अगर दहलीज गंदी, टूटी या सूनी हो तो उसका असर पूरे घर के माहौल पर पड़ता है. इसलिए शुरुआत दहलीज से करना सबसे आसान और प्रभावी माना जाता है।

2. दहलीज पर गंदगी और जूते-चप्पल भूलकर भी न रखें

दहलीज पर जूते, धूल या कबाड़ रखने से नेगेटिव एनर्जी बढ़ने लगती है. इस वजह से घर में बेवजह तनाव बढ़ता है और लोगों का मन किसी काम में नहीं लगता, अगर आप वास्तु दोष हटाना चाहती हैं, तो सबसे पहले दहलीज साफ-सुथरी रखें और वहां अव्यवस्था न होने दें. जितना क्लीन माहौल होगा, उतनी ही पॉजिटिव एनर्जी एक्टिव रहेगी.

खाली दहलीज से सुख-समृद्धि घर छोड़कर चली जाती है

वास्तु में कहा गया है कि सूनी या खाली दहलीज घर की बरकत को बाहर भेजती है. इसी वजह से इसे एनर्जी वाले पॉइंट से सजाने या सिंपल तरीके से एक्टिव रखने की सलाह दी जाती है. आप दहलीज पर हल्दी का गोल्डन टीका, सिंदूर का छोटा सा स्वस्तिक या छोटा सा शंख का निशान भी बना सकती हैं, ताकि घर में एनर्जी का फ्लो बना रहे।

नमक की पोटली वाला उपाय कैसे करें?

खुशहाली के लिए दहलीज पर करें वास्तु उपाय

घर में बिना बदलाव किए वास्तु दोष कम करने के लिए एक आसान उपाय अपनाएं.एक लाल कपड़ा लें, -उसमें 1 चम्मच नमक भरें। लाल धागे से बांधकर पोटली बना लें - **इस पोटली को दहलीज के एक कोने या मेन डोर के ऊपर लटका दें**

नमक नेगेटिव एनर्जी को सोखता है और लाल कपड़ा पॉजिटिव एनर्जी को अंदर खींचता है. दोनों के मेल से घर के आसपास एक सुरक्षा कवच बनता है।

इस उपाय के फायदे क्या मिलते हैं?

-घर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ता है
-मानसिक शांति आती है
-झगड़े और तनाव कम होने लगते हैं
-पैसों की रुकावट धीरे-धीरे कम होती है
-बिजनेस या करियर में सुधार दिख सकता है
-रिश्तों में मिठास बढ़ती है

कई लोग बताते हैं कि इस उपाय से कई महीनों से चली आ रही रुकावटें भी धीरे-धीरे खत्म होने लगीं।

किस दिन करें यह उपाय ताकि जल्दी असर दिखे?

अगर इसे शुक्रवार, शनिवार, रविवार, अमावस्या या पूर्णिमा के दिन करें तो ज्यादा असरकारी माना जाता है. आप इसे दिवाली, धनतेरस या किसी शुभ तिथि पर भी शुरू कर सकती हैं।

अतिरिक्त सावधानियां और छोटे नियम

-दहलीज पर लहसुन, प्याज, शराब या मांस के पैकेट ना रखें
-घर का मेन डोर खोलते ही दिखने वाली जगह रोशन रखें
-रात भर झाड़ू बाहर ना रखें
-टूटा हुआ नाम-प्लेट बदल दें
-दहलीज पर शाम को दीपक जलाना शुभ माना जाता है

इन छोटी-छोटी चीजों से घर का ऊर्जा बैलेंस बना रहता है और वास्तु का असर धीरे-धीरे सुधारने लगता है।

विकास के भाग्योदय में अड़चन बना नवे घर का शनि

सकारात्मक प्रभाव

-धैर्य और मजबूत इरादे

शनि यहां इंसान को बहुत मजबूत बनाता है. मुश्किल हालात में भी ये व्यक्ति जल्दी हार नहीं मानता, चाहे सफर लंबा हो पर मंज़िल साफ होती है।

-आध्यात्मिक जागरूकता

समय के साथ व्यक्ति में आध्यात्मिक समझ पैदा होती है. किसी भी चीज़ को अंधविश्वास की जगह तर्क और अनुभव से समझने की आदत बनती है।

-कर्म पर भरोसा

नौवें भाव में शनि इंसान को कर्म प्रधान बनाता है. लोग इस स्थिति वाले इंसान की मेहनत, व्यवहार और ईमानदारी की सराहना करते हैं।

पितृ और गुरु का आशीर्वाद

अगर कुंडली में शनि शुभ स्थिति में है तो पिता, गुरु, शिक्षक और सीनियर्स से फायदा मिलता है. उनकी मदद से ज़िंदगी में आगे बढ़ने के मौके पैदा होते हैं.

-विदेश या लंबी यात्राओं से लाभ

जीवन के किसी पड़ाव में विदेश, दूर स्थान या लंबी यात्राओं से फायदा मिलता है.

नकारात्मक प्रभाव

-भाग्य देर से खुलना

शुरुआती उम्र में संघर्ष, मेहनत और परिणाम का असंतुलन

देखने को मिलता है. लोग सोचते हैं कि भाग्य साथ क्यों नहीं दे रहा।

-पिता से मतभेद या दूरी

शनि की स्थिति खराब हो तो पिता या पिता समान किसी शख्स से रिश्तों में तनाव, दूरी या गलतफहमी हो सकती है।

-अंतर्मुखी और शक करने की आदत

कई बार इंसान हर बात पर शक करता है, फैसले लेने में समय लगाता है और लोग इसे गलत समझते हैं।

-यात्राओं में रुकावट

कई बार यात्राएं अचानक रुक जाती हैं, प्लान बिगड़ जाते हैं या यात्रा से उम्मीद के मुताबिक फायदा नहीं होता.

-धार्मिक भ्रम या गलत दिशा में भटकाव

अगर इंसान गलत विचारधारा में चला जाए तो अति धार्मिकता, कट्टर सोच या अंधविश्वास जैसी चीजें परेशानी बन सकती हैं।

उपाय- शनिवार के दिन हल्का तेल शनि मंदिर में चढ़ाएं.
-गरीब, वृद्ध और जरूरतमंद को भोजन और कपड़े दान करें.
-पिता, गुरु या सीनियर्स का सम्मान करें, उनकी सलाह को नज़रअंदाज़ न करें।
-शनिवार को शराब, नशा और किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें।
-पीपल के पेड़ को शनिवारी दिन जल दें और काले तिल दान करें।
-मेहनत और कर्म पर भरोसा रखें, शॉर्टकट से बचें

शनि नौवें भाव में हो तो जीवन की दिशा बदलने की ताकत रखता है. शुरुआत में भले की चीजें मुश्किल लगें, लेकिन शनि इंसान को मजबूत, कर्मयोगी और अनुभवी बनाकर सफलता दिलाता है. शर्त सिर्फ इतनी है कि ईमानदारी, मेहनत और समय की कद्र करने वाले बनें. शनि किसी का दुश्मन नहीं, बस एक सख्त शिक्षक है, जो इंसान को उसकी असली क्षमता दिखाता है।

ऑस्कर में भारत की उम्मीदें बरकरार, अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर में पहुंची 'होमबाउंड'

ऑस्कर के लिए भारत की ओर से भेजी गई ऑफिशियल फिल्म 'होमबाउंड' भारत की उम्मीदों को बनाए हुए है। क्योंकि फिल्म अकादमी पुरस्कारों में अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर के मतदान में पहुंच गई है। ऑस्कर की ओर से घोषणा की गई कि अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में दुनिया भर की पंद्रह फिल्में वोटिंग के अगले दौर में पहुंच गई हैं। इनमें भारत की 'होमबाउंड' के अलावा अर्जेंटीना, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, जॉर्डन, नॉर्वे, फिलिस्तीन, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ताइवान और ट्यूनीशिया की फिल्में शामिल हैं।

ये फिल्में भी हुईं चयनित

'होमबाउंड' के अलावा चयनित हुई फिल्मों में 'बेलेन' (अर्जेंटीना), 'द सीक्रेट एजेंट' (ब्राजील), 'इट वाज जस्ट एन एक्सीडेंट' (फ्रांस), 'साउंड ऑफ फॉलिंग' (जर्मनी), 'द प्रेसिडेंट्स केक' (इराक), 'कोकुहो' (जापान), 'ऑल दैट्स लेफ्ट ऑफ यू' (जॉर्डन), 'सेंटीमेंटल वैल्यू' (नॉर्वे), 'पैलेस्टाइन 36' (फिलिस्तीन), 'नो अदर चॉइस' (दक्षिण कोरिया), 'सिरात' (स्पेन), 'लेट शिफ्ट' (स्विट्जरलैंड), 'लेफ्ट-हैंडेड गर्ल' (ताइवान) और 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' (ट्यूनीशिया) शामिल हैं। इस बारे में

अकादमी अवॉर्ड्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जानकारी साझा की। अकादमी पुरस्कारों के लिए आखिरी नामांकन की घोषणा गुरुवार 22 जनवरी को की जाएगी।

98 साल के इतिहास में भारत की पांचवीं फिल्म

हाल ही में ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट होने के साथ 'होमबाउंड' ने एक उपलब्धि हासिल कर ली है। यह अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट होने वाली भारतीय सिनेमा की पांचवीं फिल्म बन गई है। ईशान खट्टर और विशाल जेठवा स्टारर 'होमबाउंड' को ऑस्कर 2026 के अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में आखिरी नामांकन के लिए 15 फिल्मों में चुना गया है।

नीरज घेवान ने किया है फिल्म का निर्देशन

नीरज घेवान द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'होमबाउंड' बचपन के दोस्तों शोएब (ईशान खट्टर) और चंदन (विशाल जेठवा) की कहानी है। जिनका पुलिस बल में शामिल होने का सपना उनके जीवन को आकार देता है। जाह्नवी कपूर ने दोस्ती, कर्तव्य और युवा भारत के सामने आने वाले दबावों पर आधारित इस कहानी में अहम भूमिका निभाई है।

करूर भगदड़ मामले में थलपति विजय को नोटिस सीबीआई ने 12 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

इन दिनों थलपति विजय अपनी अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज हो सकती है। लेकिन इससे पहले ही अभिनेता की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें करूर भगदड़ मामले में पूछताछ के लिए सीबीआई ने नोटिस जारी किया है।

12 जनवरी को अभिनेता से होगी पूछताछ

12 जनवरी को थलापति विजय को दिल्ली स्थिति सीबीआई हेडक्वार्टर में पेश होना है। उनसे करूर भगदड़ मामले को लेकर पूछताछ की जाएगी। बताते चलें कि 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर में विजय की पार्टी टीवीके की एक जनसभा हुई थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी।

करूर भगदड़ में मारे गए कई लोग

विजय की पार्टी टीवीके की जनसभा में जो भगदड़ हुई, उसमें कई लोग मारे गए, कई लोग घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की जान गई और 110 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

अभिनेता ने लोगों से माफी मांगी

करूर भगदड़ मामले के अगले दिन विजय ने सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी थी। उन्होंने एक एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा था, 'करूर में जो कुछ हुआ, वह कल्पना से परे है। उसके बारे में सोचते ही मेरा दिल और दिमाग गहरे बोझ से दब जाता है। मेरे पास अपने हृदय की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी आंखें और मन शोक से ढंके हुए हैं'। आगे विजय ने लिखा था, 'आप सबके चेहरे, जिनसे मैं मिला हूं बार-बार मेरी यादों में उभर रहे हैं। जैसे-जैसे मैं उन प्रियजनों के बारे में सोचता हूं, मेरा दिल और भी अस्थिर हो जाता है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हैं और इलाज करा रहे हैं, वे शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर लौटें। मैं यह भी आश्वासन देता हूं कि हमारी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) इलाज करा रहे सभी प्रियजनों को दृढ़ता से आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी'। इस ट्विट से पहले कई लोगों ने विजय की जमकर आलोचना की थी, करूर भगदड़ का उन्हें ही जिम्मेदार माना था। अब इस मामले में आगे विजय से पूछताछ होने वाली है।

क्या श्रीलीला के बाद कार्तिक आर्यन की जिंदगी में आई नई मिस्ट्री गर्ल? वेकेशन की तस्वीर ने खींचा फैंस का ध्यान

कार्तिक आर्यन का नाम पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ जोड़ा जा रहा है। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हुईं, जिसके बाद यह अटकलें तेज हो गईं कि कार्तिक आर्यन की जिंदगी में नई मिस्ट्री गर्ल की एंट्री हो चुकी है।

कार्तिक आर्यन की वेकेशन ट्रिप से मिला हिंट

कार्तिक आर्यन इन दिनों गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। उन्होंने सोमवार को कुछ तस्वीरें अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट कीं, जिसमें वह बीच (समंदर) किनारे आराम फरमा रहे हैं। सामने एक बीचबॉल गेम का नेट लगा है। बिल्कुल इसी तरह की लोकेशन की फोटो करीना नाम की एक लड़की ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। वह भी गोवा में छुट्टियां मना रही हैं।

कौन है मिस्ट्री गर्ल करीना?

जिस लड़की करीना से कार्तिक आर्यन का नाम जोड़ा जा रहा है, वह ग्रीस की रहने वाली हैं और यूके में पढ़ाई कर रही हैं। पहले कार्तिक आर्यन इंस्टाग्राम पर उसे फॉलो भी कर रहे थे लेकिन लिंकअप की खबरों के बीच अनफॉलो भी कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस लड़की की उम्र 18 साल है, जबकि कार्तिक आर्यन की उम्र 35 साल है। इस रूमर्ड कपल के बीच एज गैप काफी ज्यादा है। इस बात की भी चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है।

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को रिलीज हुए 12 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई है। इसने सोमवार को सिर्फ 30 लाख रुपये कमाए हैं। जबकि वीकएंड पर तो सिर्फ 7 लाख रुपये इसके खाते में जमा हुए। कार्तिक आर्यन की फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 32.30 करोड़ रुपये हुआ है। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' तो बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं। लेकिन इस साल उनके पास दो फिल्में हैं। एक फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की 'नागजिला' है। वहीं अनुराग बासु की एक अनाम फिल्म भी वह कर रहे हैं।

फिल्मों में जबरदस्त वापसी की तैयारी में कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत फिल्मों में जबरदस्त वापसी करने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से राजनीतिक जिम्मेदारियों और फिल्मों के बीच संतुलन बनाती नजर आ रहीं कंगना ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की और फिल्म के सेट से कुछ झलकियां भी साझा कीं, जिसे देखकर उनके प्रशंसकों में उत्साह साफ नजर आया।

कंगना ने वीडियो को किया साझा

कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी प्रोडक्शन कंपनी की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट किया। इस वीडियो में वह फिल्म के सेट पर पहुंचती दिखती हैं और निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ गंभीर चर्चा में नजर आती हैं। हाथ में स्क्रिप्ट, चेहरे पर फोकस और काम के प्रति वही पुराना

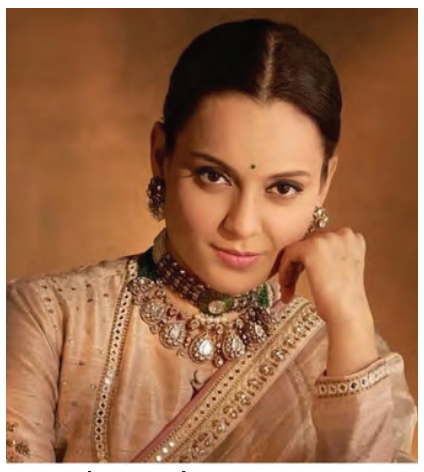

जुनून- ये सबकुछ देखकर साफ नजर आ रहा है कि कंगना एक बार फिर पूरी तैयारी के साथ फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो चुकी हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि शूटिंग सेट पर वापस आकर अच्छा लग रहा है।

2024 में हुई थी 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जब इस प्रोजेक्ट की घोषणा 2024 में हुई थी, तब यह बताया गया था कि फिल्म आम लोगों की असाधारण कहानियों पर आधारित होगी। कंगना इसमें केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं और फिल्म का मकसद उन किरदारों को सामने लाना है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव की मिसाल बनते हैं।

पिछली बार 'इमरजेंसी' में नजर आई थीं कंगना

कंगना की पिछली फिल्म 'इमरजेंसी' काफी चर्चा में रही थी। इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी और फिल्म का निर्देशन भी खुद किया था। हालांकि विषय दमदार होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बावजूद कंगना अपने बेबाक अंदाज और जोखिम लेने की प्रवृत्ति के लिए जानी जाती हैं।

हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कंगना

इसी बीच कंगना के करियर से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। वह जल्द ही हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली हॉरर ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द ईविल' में वह अहम भूमिका निभाएंगी।

इस फिल्म में उनके साथ हॉलीवुड अभिनेता टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र कर रहे हैं और इसकी कहानी एक ऐसे दंपती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो निजी त्रासदी के बाद एक रहस्यमयी फार्महाउस में नई जिंदगी शुरू करने की कोशिश करते हैं।

अगस्त्य नंदा बोले-बच्चन-कपूर खानदान की लीगेसी बढ़ाना मेरी जिम्मेदारी नहीं

कहा– मेरा सरनेम नंदा है, मैं अपने पिता का बेटा पहले हूं

फिल्म इक्कीस से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले अमिताभ बच्चन के नाती अग्सत्या नंदा ने हाल ही में परिवार की लीगेसी पर बात की है। उनका कहना है कि बच्चन और कपूर खानदान की लीगेसी आगे ले जाना उनका काम नहीं है। उनके लिए ये समय की बर्बादी है, क्योंकि वो मानते हैं कि वो कभी उनके मुकाम तक नहीं पहुंच सकेंगे।

हाल ही में फिल्म इक्कीस से अगस्त्या नंदा, लीड एक्ट्रेस सिमर भाटिया और डायरेक्टर श्रीराम राघवन के क्वेश्चन-आंसर राउंड का एक वीडियो जारी किया गया है। बातचीत में डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने अगस्त्या नंदा से पूछा, 'क्योंकि आपके परिवार के दोनों पक्ष सिनेमा से जुड़े रहे हैं और वे दिग्गज माने जाते हैं, तो क्या इससे आप पर काफी दबाव रहता है या आप इसे सहजता से लेते हैं?'

जवाब में अगस्त्य नंदा ने कहा, 'मैं इस दबाव को जरा भी महसूस नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरी विरासत नहीं है जिसे मुझे ढोना पड़े। मेरा सरनेम नंदा है, क्योंकि सबसे पहले मैं अपने पिता का बेटा हूं। मेरा पूरा ध्यान उन्हें गर्व महसूस कराने पर है और यही वह विरासत है, जिसे मैं अपने साथ पूरी जिम्मेदारी से लेकर चलता हूं।'

आगे अगस्त्या नंदा ने कहा, 'मेरे परिवार के अन्य सदस्य जो अभिनेता हैं, मैं उनके काम की सराहना करता हूं, उनके काम से प्यार करता हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं कभी उनकी तरह बन सकता हूं। इसलिए इस बारे में सोचने में वक्त गंवाने का कोई मतलब ही नहीं है।'

बता दें कि अगस्त्या नंदा, हिंदी सिनेमा के दो दिग्गज बच्चन और कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। उनकी मां श्वेता नंदा, अमिताभ बच्चन की बेटी हैं, जबकि उनके पिता निखिल नंदा, राज कपूर के नाती हैं।

बैटल ऑफ गलवान के बाद एक्शन कॉमेडी फिल्म करेंगे सलमान?

फेमस मेकर्स जोड़ी राज-डीके की फिल्म में दिख सकता है एक्टर का अलग अंदाज

सलमान खान बैटल ऑफ गलवान के बाद एक्शन कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। एक्टर और द फैमिली मैन सीरीज की मशहूर फिल्ममेकर जोड़ी राज और डीके की इस सिलसिले में बातचीत हुई है।

सलमान ने दोनों के साथ इस प्रोजेक्ट में काफी दिलचस्पी दिखाई है। इस फिल्म में एक्टर को एक अलग अंदाज में पेश किया जाएगा। ये एक्शन कॉमेडी फिल्म सलमान खान के ऑनस्क्रीन और ऑफ स्क्रीन व्यक्तित्व के साथ अच्छी तरह से मैच करती होगी, जिसे राज और डीके अपने स्टाइल में पेश करेंगे।

हालांकि, ये प्रोजेक्ट अभी शुरुआती बातचीत के दौर में है। सलमान ने इस प्रोजेक्ट के लिए अब तक हामी नहीं भरी है। अगर मेकर्स और एक्टर के बीच सबकुछ ठीक रहा और बात बनी तो फिल्म की शूटिंग इस साल की आखिरी में शुरू हो सकती है। फिलहाल मेकर्स का ध्यान स्क्रिप्ट और क्रिएटिव तरीकों पर है। वहीं, एक्टर की अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान की बात करें तो ये 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई खतरनाक झड़प पर आधारित है। जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। ये जंग 15,000 फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई थी। इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं।

इसमें सलमान के अपोजिट अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। साथ ही फिल्म में कई नए चेहरे भी दिखेंगे। फिल्म में सलमान कर्नल बी.संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे। ये फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है।

'मैं खुद को शाबाशी दे रही हूं' प्रियंका चोपड़ा ने 2026 को बताया भविष्य

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अमेरिका में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। उन्होंने फैमिली के साथ नए साल का स्वागत किया। अब एक्ट्रेस छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने 2026 को अपना भविष्य बताते हुए खुद को भाग्यशाली बताया है। साथ ही उन्होंने अपनी इस जिंदगी के लिए भी ईश्वर का आभार जताया है। जानिए एक्ट्रेस ने 2026 के लिए अपने क्या विचार साझा किए

2026 में मेरे पहले कुछ कदम

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरीज पर कुछ वीडियोज साझा किए हैं। इन वीडियोज में प्रियंका बीच पर नजर आ रही हैं। वीडियोज को बनाते हुए एक्ट्रेस ने 2026 का स्वागत किया और ईश्वर का धन्यवाद जताया। कैप्शन में विचार लिखते हुए एक्ट्रेस वीडियो में कहती हैं, 'मैंने खुद से कहा था कि मैं इसमें बेहतर हो जाऊंगी, यानी कैमरे से बात करने में। 2026 में मेरे पहले कुछ कदम। यह भविष्य जैसा लगता है। मैं अपने प्रशंसकों से कहती रही हूं कि 2026 भविष्य जैसा लगता है। यह कैसे संभव है? लेकिन हम यहां हैं, अपने परिवार को देख रही हूं, अपने खूबसूरत कदमों को देख रही हूं और खुद को भाग्यशाली मानकर आभारी हूं। इतने लंबे समय तक इतनी तेज गति से दौड़ने के बाद, आप खुद को शाबाशी देना भूल जाते हैं कि आप बच गए। तो मैं खुद को शाबाशी दे रही हूं।'

इस जीवन को जीने के लिए आभारी हूं

प्रियंका ने स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। दूसरे वीडियो में अपनी बात को जारी रखते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि खुद के प्रति दयालु रहना और इस जीवन को जीने का मौका मिलने के लिए वास्तव में मैं आभारी हूं। हर मुश्किल के बाद उम्मीद की किरण जरूर होती है। बस आगे बढ़ते रहो। अब मैं अपने घर की ओर पीछे की ओर चल रही हूं।

'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा हाल ही में कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पहले एपिसोड में नजर आई थीं। इसके अलावा वो अब एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में दिखाई देंगी। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होनी है।

'द राजा साब' के 2 सीन्स की सीबीएफसी ने की छंटाई 189 मिनट लंबी फिल्म को मिला 16+ सर्टिफिकेट

प्रभास, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी स्टारर 'द राजा साब' को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दे दिया है और इसके दो सीन्स पर कैंची भी चलाई है।

'द राजा साब' के बारे में

'बाहुबली', 'सालार' और 'कल्कि 2898 एडी' की सफलता के बाद अब प्रभास अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म ' द राजा साब ' की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। 9 जनवरी को आने वाली पैन इंडिया फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी और इसमें बोमन ईरान-जरीना वहाब जैसे कलाकार भी दिखाई देंगे। हालांकि मारुति की डायरेक्शन में बनी इस मूवी पर सेंसर बोर्ड की कैंची भी चली है। उन्होंने दो बड़े कट्स लगाए हैं।

पांच भाषाओं में थिएटर्स में रिलीज होने वाली 'द राजा साब' को लेकर सभी एक्साइटेड हैं। 'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मूवी में सभी डायलॉग्स और रोमांटिक सीन्स के साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है। उनको वैसे ही रखा गया है। सीबीएफसी ने कोई कटौती नहीं की है। हालांकि जिन दो सीन्स में खून खराबा और हिंसा है, उस पर कैंची जरूर चलाई है।

'द राजा साब' के दो सीन पर कैंची चली

रिपोर्ट में बताया गया है कि फर्श पर खून धोने वाले सीन को हटाने या फिर उसे मॉडिफाई करने के लिए कहा गया था। जिसके बाद मेकर्स ने इसे सीन को मोनोक्रोम में तब्दील कर दिया। यानी इसे कलर्ड के बजाय ब्लैक एंड व्हाइट में दिखा दिया। इसके अलावा, दूसरे सीन में एक किरदार का सिर कलम किया जाता है, उसे भी 4 सेकेंड छोटा कर दिया। और उसे फ्लैश विजुअल्स में कन्वर्ट कर दिया गया।

'द राजा साब' को मिला सर्टिफिकेट

अब इन बदलावों के बाद सेंसर बोर्ड ने 'द राजा साब' को U/A 16+ सर्टिफिकेट दे दिया है। फिल्म की अंतिम लंबाई 189.00 मिनट है, जो लगभग 3 घंटे और 9 मिनट के बराबर है। हालांकि इन सबके बावजूद भी मेकर्स को राहत नहीं है क्योंकि इसका क्लैश थलपति विजय की आखिरी मूवी 'जन नायकन' जो हिंदी में 'जन नेता' से रिलीज हो रही है, उससे होगा। वह भी 3 घंटे 3 मिनट लंबी है। और लोगों के बीच उसका काफी बज देखने को मिल रहा है।

रिश्ते में रखें ध्यान तो ननद-भाभी बन जाएंगी सहेलियां

भारतीय परिवारों में ननद और भाभी का रिश्ता खास महत्व रखता है। अगर ननद-भाभी का रिश्ता मधुर है तो परिवार में भी खुशहाली बनी रहती है। लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां और अहम की भावना इस रिश्ते में दूरी ले आती हैं।

ननद और भाभी का रिश्ता अगर प्यार और विश्वास से भरा हो तो यह न सिर्फ परिवार को जोड़कर रखता है, बल्कि घर में खुशियों का माहौल भी बनाता है।

ननद-भाभी का रिश्ता सास-बहू के रिश्ते की तरह न होकर दो सहेलियों जैसा भी हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। इस रिश्ते में दोस्ताना व्यवहार अपनाएं और एक-दूसरे की ताकत बनें। इस लेख में जानिए

ननद-भाभी के रिश्ते को मजबूत और दोस्ताना बनाने के टिप्स।

एक-दूसरे को समझें

ननद और भाभी दोनों को ही एक-दूसरे को खुले मन से अपनाना चाहिए। नई दुल्हन के लिए ससुराल में सामंजस्य बैठाना कठिन हो सकता है, इसलिए ननद को चाहिए कि वह भाभी को परिवार में सहज महसूस कराएं। भाभी को भी चाहिए कि ननद को बहन की तरह समझें और उसका सम्मान करें।

संवाद करें और साथ में समय बिताएं

ननद और भाभी के बीच संवाद की कमी रिश्ते में दरार ला सकती है। किसी भी गलतफहमी को पनपने न दें और तुरंत स्पष्ट करें। छोटी-छोटी बातों को शेयर करने से रिश्ता मजबूत होता है और दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं।

ननद-भाभी के बीच दोस्ताना रिश्ता बनाने के लिए साथ में समय बिताना जरूरी है। कभी शॉपिंग पर जाएं, कभी मूवी देखें या घर पर बैठकर बात करें। इससे आपसी समझ बढ़ती है। परिवार के किसी फंक्शन या पूजा में मिलकर तैयारी करें, इससे रिश्ते और भी मधुर बनते हैं।

पसंद का सम्मान करें

ननद-भाभी की सोच या पसंद-नापसंद अलग हो सकती है। इस बात को समझते हुए दोनों को एक-दूसरे की पसंद का सम्मान करना चाहिए। ननद को अगर भाभी किसी चीज में सलाह दे, तो उसे नकारने के बजाय सोच-समझकर उसका सम्मान करें और भाभी को भी ननद की सलाह को महत्व देना चाहिए।

रिश्ते में स्वतंत्रता दें

ननद को भाभी की निजी जिंदगी में जरूरत से ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। ननद को भाभी को बार-बार अपने घर के मुताबिक बदलने या ढलने के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिए, बल्कि भाभी को ससुराल में घर जैसा माहौल देना चाहिए। भाभी को भी ननद की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान करना चाहिए और सीमाएं समझनी चाहिए।

सास-ससुर के बीच न आएं

ननद और भाभी दोनों को चाहिए कि वे सास-ससुर के मामलों में एक-दूसरे की बुराई करने से बचें। यह रिश्ता तभी मजबूत होगा जब दोनों एक-दूसरे की पीठ पीछे भी एक-दूसरे की तारीफ करें।

ये आदतें एक अच्छे खासे आदमी पर लगा देती हैं बुरे पति का टैग

किसी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि हर शादी फिल्मों की तरह रोमांटिक नहीं होती। आम जिंदगी में प्यार के साथ-साथ तकरार भी लगी ही रहती है। अगर समय रहते इसे संभाला न जाए, तो कभी-कभार यह रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि शादीशुदा रिश्ता खट्टे-मीठे पलों का मिश्रण है, जिसे पति-पत्नी मिलकर सहेजते हैं। हर रिश्ते की तरह इस बंधन में भी न केवल खूब सारा प्यार है बल्कि छोटी-मोटी तकरार भी है। हां, वो बात अलग है कि अगर एक बार मन में खटास आ जाए, तो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसलिए कहा भी गया है कि अपने रिश्ते में हमेशा खुशहाली बनाए रखने के लिए पति और पत्नी दोनों को ही बराबर कोशिशें करनी चाहिए। अगर एक ने भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया, तो उस रिश्ते का टूटना तय है।

हालांकि, अपने रिश्ते को कैसे चलाना है, यह पूरी तरह पति-पत्नी पर निर्भर करता है। लेकिन बहुत बार देखा गया है कि कुछ कपल्स ऐसे गुणों की ओर आकर्षित होते हैं, जो उनके विवाह को कमजोर करते हैं। एक तरफ जहां महिलाएं खुद को घर-परिवार में ढाल लेती हैं, तो वहीं पुरुष इन लक्षणों के साथ सहज होते जाते हैं, जिसके कारण वह चाहकर भी अच्छे पति नहीं बन पाते। ऐसे में हम आपको पुरुषों की उन आदतों के बारे में जिनकी वजह से वे अच्छे पति नहीं बन पाते हैं।

पत्नी की बातों पर ध्यान न देना

इस बात से आप भी इनकार नहीं कर सकते कि हर रिश्ते की नींव स्ट्रांग कम्युनिकेशन है। आपका रिश्ता कैसा है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक-दूसरे से कितनी बात करते हैं। एक-दूसरे की बातों को कितना समझते हैं। लेकिन शादीशुदा रिश्तों में ऐसा कम ही हो पाता है। बहुत सी पत्नियों की शिकायत होती है कि उनके पति उनकी बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। जब पति आपके लिए वक्त ही ना निकाले, तो नो डाउट किसी को भी परेशानी महसूस हो सकती है।

बात करने का गलत लहजा

पति-पत्नी एक गाड़ी के दो पहिए होते हैं। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। दोनों का एक-दूसरे के बगैर रहना मुश्किल है। लेकिन बहुत बार देखा गया है कि पति काम के तनाव के कारण अपनी पत्नी पर गुस्सा जाहिर कर देते हैं या उनसे ठीक तरीके से बात नहीं करते हैं, जोकि बहुत गलत है। आपको पता होना चाहिए कि आपकी पत्नी सारा दिन आपका इंतजार करती है। ऐसे में उनसे बात करते समय विनम्र होने की जरूरत है ताकी वो भी आपसे अपने मन का कुछ हाल बयां कर सकें।

बाहर रिश्ता बनाना

एक शादीशुदा रिश्ता उस समय कमजोर पड़ जाता है, जब पति अपनी पत्नी को छोड़ किसी दूसरी महिला के प्यार में पड़ता है। आपके पति की इस तरह की हरकतें, इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि अब उनकी शादी ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके क्वालिटी टाइम में अब कोई तीसरा आ गया है। जब हम अपनी पत्नियों से मिलने वाली अंतरंगता कहीं और तलाश करना शुरू कर देते हैं या अपनी पत्नियों की तुलना किसी अन्य महिला से करते हैं, तो हम चाहकर भी कभी अच्छा पति नहीं बन सकते।

पत्नी का सम्मान न करना

ऐसे बहुत से आदमी हैं, जो अपने पत्नी को किसी के सामने कुछ भी कह देते हैं। ऐसा करना जरा भी सही नहीं है। अपनी पत्नी के लिए अपशब्दों का उपयोग करना उसका अपमान करना होता है। इतना ही नहीं, अगर आपका यही व्यवहार दूसरों के सामने भी रहता है, तो समझ लीजिए कि आप अपने पार्टनर का जरा भी सम्मान नहीं करते हैं। अपने रिश्ते में प्यार और विश्वास बनाए रखने के लिए पार्टनर का सम्मान करना जरूरी है।

मकर संक्रांति के लिए तैयार करें तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का सेवन सर्दियों में लाभकारी होता है। तिल और गुड़ शरीर को गर्म रखते हैं, जिससे ठंड के मौसम में शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और ठंड से बचाव करता है। तिल में कैल्शियम, आयरन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। गुड़ पाचन को दुरुस्त करता है और शरीर में खून की कमी को पूरा करता है।

मकर संक्रांति पर तिल-गुड़ के लड्डू बनाना और खाना धार्मिक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत शुभ

है। ऐसे में अगर आप मकर संक्रांति के मौके पर तिल और गुड़ के लड्डू का दान और सेवन करना चाहते हैं तो घर पर आसानी से तिल-गुड़ का लड्डू बनाएं। यहां तिल और गुड़ के लड्डू बनाने की विधि बताई जा रही है।

तिल-गुड़ के लड्डू के लिए सामग्री

एक कप सफेद तिल, 3/4 कप गुड़ (कद्दूकस किया हुआ), एक बड़ा चम्मच घी, आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2-3 बड़े चम्मच पानी।

तिल-गुड़ के लड्डू बनाने की विधि

स्टेप 1- एक कढ़ाई में तिल डालें और धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। जब तिल फूलने लगे और उसमें से खुशबू आने लगे तो गैस बंद करके एक प्लेट में तिल निकाल लें।

स्टेप 2- उसी कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालें। दो से तीन चम्मच पानी डालकर गुड़ को धीमा आंच पर पिघलने दें।

स्टेप 3- गुड़ को लगातार चलाते रहें जब तक वह गाढ़ा न हो जाए।

स्टेप 4- अब पिघले हुए गुड़ में भुने हुए तिल और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर गैस बंद कर दें और मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें ताकि लड्डू आसानी से बन सकें।

स्टेप 5- हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर इस मिश्रण से छोटे-छोटे लड्डू बना लें। लड्डू बनने के बाद इन्हें ठंडा होने दें और फिर एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

तिल का लड्डू बनाते समय ध्यान रखें कि तिल को धीमी आंच पर ही भूनें ताकि तिल जलने न पाए।

गुड़ की चाशनी को ज्यादा न पकाएं वरना लड्डू सख्त हो सकते हैं। चाहें तो इसमें कटा हुआ काजू, बादाम या मूंगफली भी डाल सकते हैं।

कठिन समय में भी दिमाग होगा शांत और खुश बस इस तरह से अपने माइंड को दें राहत

खुशी और गम जीवन का एक अहम हिस्सा है। यह तय है कि अच्छा समय आया है तो बुरा समय भी आएगा। इसलिए दोनों ही परिस्थितियों के लिए अपने मन और दिमाग को पहले से तैयार और स्थिर रखना जरूरी है। यहां आप जान सकते हैं ये कैसे किया जा सकता है।

ज्यादातर लोग खुशी को बाहरी चीजों में खोजते हैं। जबकि यह अंदरूनी होती है। यह समझना जरूरी है कि खुशी केवल परिस्थितियों या किसी व्यक्ति द्वारा निर्मित नहीं है, बल्कि हमारे विचारों और कार्यों के माध्यम से महारत हासिल करने वाली एक कला है।

लेकिन चिंता, तनाव और जरूरतें अक्सर इस प्रक्रिया को कठिन बना देती है, जिसके कारण जीवन में खुश रहना बहुत मुश्किल लगने लगता है। इसलिए आज हम यहां आपके साथ कुछ ऐसे ट्रिक शेयर कर रहे हैं, जिसकी मदद से आप खुद कठिन समय में भी शांत और खुश रख सकेंगे।

फिजिकल एक्टिविटी करें

फिजिकल एक्टिविटी नेचुरल तरीके से आपके मूड को सुधारने का काम करती है। इसलिए हमेशा 10 मिनट का एक्सरसाइज जरूर करें। इसमें आप तेज चलना, जंपिंग जैक, स्ट्रेचिंग जैसे एक्टिविटी शामिल कर सकते हैं। साथ ही क्वालिटी स्लीपिंग भी आपके मानसिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए हर रोज सात घंटे की नींद जरूर लें। खासतौर पर जब आप ज्यादा परेशान हैं, तो प्रॉपर नींद लें।

हरियाली जगहों पर समय बिताएं

परेशान मन को शांत करने का सबसे सस्ता और कारगर नुस्खा है कि हरे-भरे वातावरण में सैर करें।

इसके लिए आपको जंगल में जाने की जरूरत नहीं है, एक छोटे से पार्क, बगीचा, में चलना भी बहुत फायदेमंद साबित होता है। हरा रंग आपके माइंड को रिलैक्स करता है। जिससे खुशी की भावनाओं बढ़ती है और तनाव-चिंता कम होती है।

खुद को आईने में देखकर मुस्कुराएं

समय कितना भी खराब या कठिन क्यों ना हो हमेशा खुद को शीशे में देखते हुए मुस्कुराने का समय जरूर निकालें। यह एक ऐसी ट्रिक है जिसकी आदत आपको बुरे समय में भी तनाव और चिंता का शिकार नहीं होने देगी।

परेशानी के हल पर विचार करें

यदि आप किसी कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो हर समय इसके बारे में सोचने के बजाय इसके हल या समाधान के बारे में सोचें। ऐसा करके एक तो आप खुद को डिप्रेशन से बचाते हैं दूसरा आपका माइंड बेहतर तरीके से परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार होता है।

डाइट प्लान से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, हर उम्र के व्यक्ति में इसका खतरा देखा जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी में डायबिटीज का निदान हो रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसे सिर्फ कंट्रोल रखा जा सकता है। जिन लोगों में डायबिटीज की समस्या का निदान किया गया है उन्हें दवाइयों के साथ आहार और लाइफस्टाइल में ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिससे ब्लड शुगर को बढ़ने से रोका जा सके। ब्लड शुगर का लगातार बढ़ा हुआ स्तर जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाला हो सकता है। ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी है कि आप स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन करें। आहार में उन चीजों की मात्रा बढ़ाएं जो प्राकृतिक तौर पर शुगर को बढ़ने से रोकने में मददगार हो सकती हैं।

डाइटिशियन बताते हैं, अगर आहार पर ध्यान दे दिया जाए तो शुगर को कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। आइए जानते हैं कि

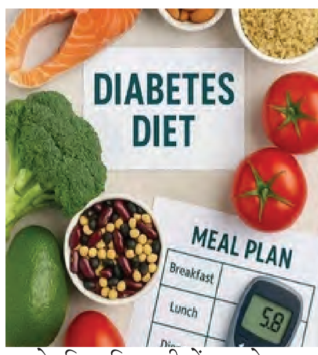

इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना जरूरी हो जाता है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, शुगर को कंट्रोल रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भोजन में पौष्टिक चीजों की ठीक मात्रा सुनिश्चित करें। सबसे पहले सलाद/सब्जियां खाएं, उसके बाद प्रोटीन और वसा वाली चीजों का भी सेवन करें। कार्ब्स और शुगर वाली चीजों का सेवन कम करें। डायबिटीज की स्थिति शरीर को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है इसलिए सिर्फ शुगर कंट्रोल करने के लिए ही नहीं शरीर को बेहतर पोषण और ताकत के लिए भी आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है।

कुछ स्वस्थ बदलाव जरूरी

आहार में कुछ प्रकार के बदलाव ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस का सेवन किया जा सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है और भोजन के बाद रक्त शर्करा नहीं बढ़ता।

बाजरा/ज्वार के आटे का सेवन करें।

राजमा और काली बीन्स जैसी दालें और फलियों को आहार में शामिल करें। ये रक्त शर्करा को कंट्रोल में रखती हैं।

पालक और केल जैसे पत्तेदार साग, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर जामुन खाने से रक्त शर्करा का स्तर कंट्रोल में रहता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछलियों, नट्स की सेवन करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां और साग जरूरी

पत्तेदार साग जैसे पालक के साथ ब्रोकली जैसी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सब्जियां रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखने की बढ़िया विकल्प हैं। एवोकाडो जैसे स्वस्थ वसा और फाइबर से भरपूर फलों से डायबिटीज के कारण होने वाली कई प्रकार की जटिलताओं को कम करने में लाभ मिल सकता है। खाने के लिए सही तेल के सेवन जरूरी है। ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट रक्त शर्करा को बढ़ाए बिना दिल को स्वस्थ रखने में भी सहायक है।

ओमेगा-3 और प्रोटीन वाली चीजें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ प्रकार की मछलियों विशेषकर फैटी फिश में ओमेगा-3 की मात्रा होती है, ये प्रोटीन भी प्रदान करती हैं। इससे शरीर को पोषण तो मिलता ही है साथ ही शुगर भी कंट्रोल रहता है। इसके अलावा अंडे भी प्रोटीन का बेहतर विकल्प हैं, ये रक्त शर्करा को नहीं बढ़ने देते हैं। आहार में नट्स को शामिल करना भी जरूरी है, अखरोट, बादाम और पिस्ता जैसे नट्स रक्त शर्करा में वृद्धि किए बिना स्वस्थ वसा और प्रोटीन प्रदान करते हैं।

शादी के बाद माता-पिता से अलग रहने के हैं फायदे, दूरी क्यों होती है जरूरी

करियर के चलते परिवार से दूर रहना या फिर शादी के बाद निजता की वजह से परिवार से अलग रहना कई युवाओं की पसंद हो सकती है तो कइयों की मजबूरी। ऐसे में असल वजह को जानने की जरूरत है। राहुल और रीमा कई वर्षों से दोस्त हैं। ये दोस्ती अब बहुत आगे बढ़ चुकी है और एक रिश्ते में बदलने वाली है, जो कि है शादी।

दोनों के माता-पिता भी इसके लिए सहमत हैं, लेकिन राहुल थोड़ा तनाव में है। वह अपने मन की बात रीमा को बताना चाहता है, मगर हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। इसका कारण है रीमा का शादी के बाद राहुल के माता-पिता से अलग रहने का प्लान!

उधर, कपिल और कविता की शादी को बमुश्किल साल भर भी नहीं हुआ है कि रिश्ता टूटने के कगार पर है। कविता और उसकी सास में बन नहीं रही और रोज-रोज कलह होती है।

हालांकि कविता ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि कपिल के माता-पिता के साथ उसका रिश्ता अच्छा रहे और घर में सब मिल-जुलकर रहें, लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बाद भी ऐसा नहीं हो सका। कपिल बीच में फंसा महसूस करता है। अब स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि कविता ने कपिल को अल्टीमेटम दे दिया है कि उसे अलग रहना है। हालांकि दोनों मामले अलग हैं और दोष किसी का भी नहीं है, लेकिन यह

अधिकतर परिवारों की कहानी हो सकती है। कहीं यह परिस्थितिवश पैदा हो जाती है और कहीं ऐसी परिस्थितियां पैदा की जाती हैं।

परिवार और करियर पर पश्चिमी और भारतीय कॉन्सेप्ट

पश्चिम की तरफ देखें तो वहां घर-परिवार तथा करियर का कॉन्सेप्ट अलग है और हमारे यहां की अवधारणा एवं संस्कार अलग। पश्चिम में युवा करियर के साथ ही अपने माता-पिता से अलग होकर उसी शहर में या दूर रहते हैं। माता-पिता को भी कोई आपत्ति या परेशानी नहीं होती है। युवाओं में भी एक धारणा होती है कि एक ही घर में, एक ही छत के नीचे रहेंगे तो उन्हें वह निजता और आजादी नहीं मिल सकेगी, जो उन्हें अलग घर में रहने पर मिलेगी। उलट है।

मजबूरी में नहीं हंसी-खुशी लें अलग रहने का फैसला

महानगरों में कई माता-पिता बच्चों को अपनी ही सोसाइटी या आस-पास ही अलग घर दिला देते हैं, ताकि बच्चे मनमर्जी से रह सकें और उन पर कोई बंदिश या निजता की समस्या न हो। माता-पिता भी खुश और बच्चे भी खुश! लेकिन ऐसा बहुत कम है, अधिकतर मामलों में तो पारिवारिक अनबन, निजता, आजादी, घर के खर्चे और सामाजिकता आदि मुद्दे ही आधार होते हैं। दरअसल, माता-पिता से अलग रहने का फैसला कहीं हंसी-खुशी से होता है तो कहीं मजबूरीवश।

परिवार में अपने लिए स्पेस बनाएं

आजकल डिजिटल मीडिया ने दूरियों को समेटकर डिवाइस तक सीमित कर दिया है। फिर अगर उसी शहर या सोसाइटी में बच्चे हंसी-खुशी से रहते हैं तो नुकसान किस बात का? एक तरह से यह व्यक्तिगत सोच और जरूरत का मुद्दा है और इसी नजरिये से इस पर सोचने की जरूरत है।

सबसे पहले उनसे मदद मांगे

कंसल्टेंट साइकोलॉजिस्ट साक्षी गुप्ता कहती हैं, शादी या करियर के लिए माता-पिता से दूर रहने का मतलब उनके प्रति लगाव कम होना नहीं है। दूर रहकर भी पारिवारिक रिश्ते मजबूत बने रह सकते हैं। युवा करियर के साथ ही पारिवारिक संबंधों को फोन कॉल, वीडियो चैट या संभव हो तो मुलाकात के माध्यम से मजबूत बनाए रख सकते हैं। माता-पिता और अपनी प्राथमिकताओं में संतुलन बनाएं। जब भी जरूरत पड़े, सबसे पहले माता-पिता से सलाह मांगें। कॅरिअर या निजी जीवन से संबंधित उपलब्धियों को साझा करें।

हर रिश्ते में सही संतुलन

समाजशास्त्री डॉ. सृष्टि की कहती हैं, एक ही शहर में माता-पिता से अलग रहना कोई बुरी बात नहीं है। इससे बच्चों को अपना स्पेस मिलता है और स्वतंत्रता भी, जो अंततः संबंधों में विषाक्तता से मुक्त स्वस्थ सामाजिक संबंधों के निर्माण के लिए आज की आवश्यकता है।

बुढ़ापा जीवन का एक संवेदनशील चरण है, जो भावनात्मक और शारीरिक रूप से माता-पिता में अपनेपन की भावना पैदा करता है।

लेकिन दोनों पक्ष आपसी सहमति से अलग रहना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं। याद रखें, करियर की सफलता और पारिवारिक संबंध एक रह सकते हैं। यह युवाओं पर निर्भर है कि वे ऐसा संतुलन-समाधान ढूंढें, जो उनके लिए सही हो।

अडानी एंटरप्राइजेज के एनसीडी पर टूटे निवेशक

45 मिनट में हो गया फुली सब्सक्राइब

नई दिल्ली,6 जनवरी (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के एनसीडी को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। कंपनी के 1,000 करोड़ रुपये के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर का पब्लिक इश्यू मंगलवार को खुलने के महज 45 मिनट के अंदर ही पूरी तरह से बिक गया। कंपनी ने यह जानकारी दी। शुरुआती 500 करोड़ रुपये का बेस इश्यू तो सिर्फ 10 मिनट में ही खत्म हो गया। इससे पता चलता है कि 2026 की शुरुआत में निवेशक हाई-रेटेड कॉर्पोरेट डेट में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि 6 जनवरी को सुबह 10:21 बजे इश्यू खुलने के तुरंत बाद ही इसके सिक्योर्ड एनसीडी ऑफर के लिए बिड्स आने लगे। एक घंटे से भी कम समय में कुल सब्सक्रिप्शन 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह इश्यू 19 जनवरी तक खुला रहने वाला था और अलॉटमेंट 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होना था, लेकिन इतनी जल्दी बिक जाने से यह साफ है कि निवेशकों ने इसे हाथों-हाथ लिया।

सब्सक्रिप्शन डेटा

कंपनी द्वारा जारी सब्सक्रिप्शन डेटा के अनुसार, मिड-मॉर्निंग तक गैर-संस्थागत निवेशकों ने सबसे ज्यादा बोली लगाई। उन्होंने 651.45 करोड़ रुपये की बिड्स कीं। हाई नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स ने 71.90 करोड़ रुपये का सब्सक्रिप्शन लिया, जबकि रिटेल निवेशकों ने 87.15 करोड़ रुपये की बिड्स लगाईं। इस समय तक संस्थागत निवेशकों ने कोई बिड नहीं की थी। जब यह डेटा लिया गया, तब कुल बिड्स 810.50 करोड़ रुपये थीं, लेकिन कुछ ही मिनटों में इश्यू पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। अडानी एंटरप्राइजेज ने इस पब्लिक इश्यू के जरिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई थी। अगर मांग ज्यादा रहती तो अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का ग्रीनशू ऑप्शन भी था। ये बॉन्ड दो, तीन और पांच साल की मैच्योरिटी के साथ पेश किए गए हैं, जिन पर 8.9% तक का सालाना कूपन (ब्याज दर) मिलेगा। सालाना भुगतान विकल्प के तहत, दो साल के नोट पर 8.60% कूपन, तीन साल के नोट पर 8.75% और पांच साल के नोट पर 8.90% कूपन की पेशकश की गई है। निवेशकों के पास तिमाही ब्याज भुगतान या एकमुश्त संरचना का विकल्प भी था। इस इश्यू को केयर एए-(स्थिर) और आईसीआरए एए-(स्थिर) की रेटिंग मिली है।

बॉन्ड सेल

यह अडानी एंटरप्राइजेज का तीसरा पब्लिक बॉन्ड सेल है। इससे पहले सितंबर 2024 और जुलाई 2025 में भी ऐसे इश्यू आए थे। लगता है कि बड़े भारतीय समूह साल की शुरुआत में ही घरेलू डेट मार्केट का फायदा उठाकर फंड जुटा रहे हैं। इस इश्यू के अरेंजर नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट, ट्रस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स, और टिप्सन्स कंसल्टेंसी सर्विसेज हैं।

नेस्ले ने 'जहरीले पदार्थ' की आशंका के बाद वापस मंगाए शिशु उत्पादों के बैच

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व की सबसे बड़ी खाद्य और पेय उत्पादक कंपनी नेस्ले ने ब्रिटेन और आयरलैंड में खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आने के बाद अपने शिशु आहार उत्पादों के विशिष्ट बैचों को बाजार से वापस मंगाने की घोषणा की है। कंपनी ने यह कदम अपने 'एसएमए शिशु फार्मूला' में एक संभावित जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की आशंका के चलते उठाया है। सोमवार देर रात जारी एक बयान में नेस्ले ने पुष्टि की है कि वह ब्रिटेन और आयरलैंड के बाजारों से अपने एसएमए शिशु फार्मूला और फॉलो-ऑन फार्मूला के कुछ चुनिंदा बैच वापस मंगा रही है। कंपनी और ब्रिटेन की खाद्य मानक एजेंसी (एफएसए) ने संयुक्त रूप से उन उत्पादों के बैच नंबरों की सूची सार्वजनिक की है, जिनका सेवन शिशुओं के लिए सुरक्षित नहीं माना गया है। इस रिकॉल का मुख्य कारण इन उत्पादों में 'सेरेउलाइड' नामक विषैले पदार्थ की संभावित उपस्थिति है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टॉक्सिन शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। इसके सेवन से मतली, उल्टी और पेट में तेज ऐंठन जैसे लक्षण उभर सकते हैं। खाद्य मानक एजेंसी (एफएसए) ने अपनी चेतावनी में स्पष्ट किया है कि सेरेउलाइड की सबसे खतरनाक बात इसकी 'ताप-स्थिरता' है। एजेंसी ने कहा, सेरेउलाइड अत्यधिक ऊष्मा प्रतिरोधी होता है। इसका अर्थ है कि शिशु का दूध तैयार करते समय इस्तेमाल किए जाने वाले उबलते पानी या पकाने की प्रक्रिया से भी यह निष्क्रिय या नष्ट नहीं होता है।

चांदी 2.45 लाख के ऑल टाइम हाई पर : आज 7,725 महंगी हुई

सोना 741 बढ़कर 1.37 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)।चांदी आज यानी 6 जनवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 7,725 रुपए बढ़कर 2,44,788 रुपए हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,37,063 रुपए किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 741 रुपए बढ़कर 1,36,909 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,36,168 रुपए पर था। सोना 29 दिसंबर 2025 को 1,38,161 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 376 अंक टूटा, निफ्टी 26200 के नीचे

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में भारी बिकवाली और भारत के खिलाफ टैरिफ में और वृद्धि करने की अमेरिका की नई चेतावनी की चिंताओं के कारण शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन यानी मंगलावर को गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 376.28 अंक या 0.44 प्रतिशत गिरकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 539.52 अंक या 0.63 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,900.10 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 71.60 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 26,178.70 पर बंद हुआ।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 90.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, टाटा समूह की रिटेल कंपनी के दिसंबर तिमाही में राजस्व वृद्धि से निवेशकों में उत्साह की कमी आने के बाद ट्रेंट के शेयरों में 8.62 प्रतिशत की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4.42 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और एचडीएफसी बैंक भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को लाभ हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता था कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से मैं खुश नहीं था और वाशिंगटन नई दिल्ली पर बहुत जल्द टैरिफ बढ़ा सकता है। ट्रंप ने ये टिप्पणियां रविवार को फ्लोरिडा से वाशिंगटन डीसी जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कीं। इस बीच, मंगलवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, दिसंबर में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में कमी आई, क्योंकि नए काम और उत्पादन में विस्तार की दर 11 महीनों में सबसे धीमी हो गई और कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती से परहेज किया। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 59.8 से गिरकर दिसंबर में 58.0 हो गया, जो जनवरी के बाद से विस्तार की सबसे धीमी दर को दर्शाता है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की शब्दावली में, 50 से ऊपर का स्कोर विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, कंपनियां विकास की संभावनाओं को लेकर आशावादी बनी रहीं, लेकिन समग्र भावना लगभग साढ़े तीन वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	धनु	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीने	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
धनु.....	06-16	बजे
मकर....	07-22	बजे
कुंभ....	09-13	बजे
मीन....	10-50	बजे
मेष....	12-26	बजे
वृष....	14-11	बजे
मिथुन..	16-12	बजे
कर्क....	18-24	बजे
सिंह----	20-36	बजे
कन्या--	22-43	बजे
तुला---	00-48	बजे
वृश्चिक..	02-58	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-51

भोग्य कलि वर्ष - 426874 सूर्यास्त. 17-52

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि प्रारंभ संवत्- 1955885126

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकलें

मास - माघ कृष्ण पक्ष बुधवार 07 January 2026

तिथि - चतुर्थी 06-52 तक उपरान्त पंचमी

नक्षत्र - मघा 11-56 तक उप. पूर्वाफाल्गुनी

योग - आयुष्मान 18-31 तक उप. सौभाग्य

करण - बालव 06-52 तक उप. कौलव

गण्ड मूल 11-56 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-22 13-46

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			
लाभ	06-51	08-13	शुभ
अमृत	08-13	09-36	शुभ
काल	09-36	10-59	अशुभ
शुभ	10-59	12-22	शुभ
रोग	12-22	13-46	अशुभ
उत्पात	13-46	15-09	अशुभ
चंचल	15-09	16-32	शुभ
लाभ	16-28	17-52	शुभ

रात का चौघडिया			
उत्पात	17-52	19-32	अशुभ
शुभ.	19-32	21-09	शुभ
अमृत	21-09	22-46	शुभ
चंचल	22-46	00-23	शुभ
रोग	00-23	01-59	अशुभ
काल	01-59	03-36	अशुभ
लाभ	03-36	05-13	शुभ
उत्पात	05-13	06-51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

स्टील की कीमत तय करने के लिए टॉप कंपनियों ने की थी साठगांठ? सीसीआई जांच में खुलासा

नई दिल्ली,6 जनवरी (एजेंसियां)। प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, सरकारी कंपनी सेल (SAIL) और 25 अन्य कंपनियों पर स्टील की बिक्री की कीमतों पर मिलीभगत करके प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस खुलासे से इन कंपनियों और उनके शीर्ष अधिकारियों पर भारी जुर्माना लगने का खतरा मंडरा रहा है। रॉयटर्स ने एक गोपनीय दस्तावेज का हवाला करते हुए यह दावा किया है।

सीसीआई ने जेएसडब्ल्यू के अरबपति एमडी सज्जन जिंदल, टाटा स्टील के सीईओ टी.वी. नरेंद्रन और सेल के चार पूर्व प्रेजिडेंट्स सहित 56 शीर्ष अधिकारियों को भी 2015 से 2023 के बीच अलग-अलग समय पर कीमतों में हेरफेर करने का दोषी पाया है। यह जानकारी 6 अक्टूबर के एक सीसीआई आदेश में है, जिसे अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और पहली बार यह बात सामने आई है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जबकि टाटा स्टील, सेल और संबंधित अधिकारियों ने रॉयटर्स की पूछताछ का कोई जवाब नहीं दिया। सीसीआई ने भी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कब शुरू हुई थी जांच

यह जांच 2021 में शुरू हुई थी। कुछ बिल्डरों ने अदालत में आपराधिक मामला दायर कर आरोप लगाया था कि नौ कंपनियां मिलकर स्टील की आपूर्ति को सीमित कर रही थीं और कीमतें बढ़ा रही थीं। सीसीआई ने इस जांच के तहत कुछ छोटी स्टील कंपनियों पर छापे मारे थे। सीसीआई के अक्टूबर के आदेश के अनुसा जांच का दायरा बढ़ाकर 31 कंपनियों और उद्योग समूहों तक कर दिया गया था। साथ ही दर्जनों अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया गया था। सीसीआई के नियमों के तहत, कार्टेल जैसी गतिविधियों से जुड़े मामलों का विवरण तब तक सार्वजनिक नहीं किया जाता जब तक कि वे अंतिम रूप से तय न हो जाएं। आदेश में कहा गया है कि सीसीआई की जांच में पक्षों के आचरण को भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के उल्लंघन में पाया गया है और कुछ व्यक्तियों को भी उत्तरदायी ठहराया गया है। यह निष्कर्ष किसी भी प्रतिस्पर्धा कानून मामले का एक महत्वपूर्ण चरण होता है। इन निष्कर्षों की समीक्षा सीसीआई के शीर्ष अधिकारी करेंगे। कंपनियों और अधिकारियों को भी अपनी आपत्तियां या टिप्पणियां प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जांच के बड़े पैमाने को देखते हुए, इस प्रक्रिया में कई महीने लगने की संभावना है। इसके बाद सीसीआई अपना अंतिम आदेश जारी करेगा, जो सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा।

स्टील की मांग

भारत दुनिया में कच्चे स्टील का दूसरा बड़ा उत्पादक है। देश में बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ने के कारण स्टील की मांग लगातार बढ़ रही है। कमोडिटी कंसल्टेंसी बिगमिंट के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय बाजार में जेएसडब्ल्यू स्टील की हिस्सेदारी 17.5% है, टाटा स्टील की 13.3% और सेल की 10% है। मार्च 2025 में समाप्त हुए पिछले वित्त वर्ष में जेएसडब्ल्यू स्टील ने 14.2 बिलियन डॉलर का स्टैंडअलोन राजस्व दर्ज किया, जबकि टाटा स्टील का राजस्व 14.7 बिलियन डॉलर था।

क्रिप्टोकरेंसी पर वेनेजुएला का असर

बिटकॉइन 94000 डॉलर के पार, रिपल 11% चढ़ी

नई दिल्ली,6 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला संकट का असर क्रिप्टोकरेंसी पर भी दिखाई दे रहा है। दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन समेत लगभग सभी बड़ी क्रिप्टो में मंगलवार को भी तेजी रही। बिटकॉइन की कीमत 94 हजार डॉलर के पार पहुंच गई थी।

करीब एक महीने बाद यह इस स्तर पर पहुंची। हालांकि बाद में इसमें कुछ गिरावट भी देखने को मिली। मंगलवार दोपहर 3 बजे यह 93,504 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। बिटकॉइन में पिछले 24 घंटे में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। वहीं इथेरियम में 2 फीसदी, रिपल में करीब 10 फीसदी और सोलाना में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। हाल ही में 7 दिनों में करीब 50 फीसदी रिटर्न देने वाली क्रिप्टो कैंटन में बड़ी गिरावट आई है। 24 घंटे में यह 4 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। क्रिप्टो मार्केट कैप में भी डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इस तेजी के साथ यह 3.20 ट्रिलियन डॉलर हो गया है।

क्रिप्टो में तेजी के कई कारण

डेल्टा एक्सचेंज की रिसर्च एनालिस्ट रिया सहगल का कहना है कि ट्रेडर्स इस तेजी का श्रेय साल की शुरुआत में होने वाली पोजीशनिंग और अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई सैन्य कार्रवाई के बाद आई उम्मीद को दे रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इससे वैश्विक ऊर्जा लागत कम हो सकती है और बिटकॉइन माइनिंग की अर्थव्यवस्था को फायदा हो सकता है। सहगल ने यह भी कहा कि बाजार का माहौल अभी भी सकारात्मक है। संस्थागत निवेशकों की भागीदारी, नियामकीय प्रगति और बाजार में जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण क्रिप्टो एसेट्स जनवरी के मध्य तक और भी बढ़ सकते हैं।

एक हफ्ते में कितनी तेजी?

पिछले एक हफ्ते में ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में तेजी आई है। बिटकॉइन में 6 फीसदी से ज्यादा, इथेरियम में 8 फीसदी से ज्यादा, रिपल में 25 फीसदी से ज्यादा, बाइनेंस में करीब 7 फीसदी, सोलाना में 11 फीसदी से ज्यादा और डॉगकॉइन में 20 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। कुछ क्रिप्टो ऐसी भी हैं जो 7 दिन में करीब 50 फीसदी से इससे ज्यादा उछल चुकी हैं। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार 7 दिनों में पेपे कॉइन में करीब 65 फीसदी की तेजी आई है। रेंडर में 80 फीसदी से ज्यादा उछाल आया है। बोंक में करीब 53 फीसदी का उछाल आया है। वर्चुअल्स प्रोटोकॉल में 60 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इनके अलावा स्टैक्स और फ्लोकि में भी करीब 50 फीसदी की तेजी आई है।

क्या वित्त मंत्री सीतारमण चावल निर्यातकों को बजट में देंगी राहत?

आईआरईएफ ने रखी ये मांगें

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय चावल निर्यातकों के संघ (आईआरईएफ) ने आने वाले केंद्रीय बजट 2026 में चावल निर्यात को मजबूत करने के लिए सरकार से कई अहम राहतों की मांग की है। फेडरेशन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दिए अपने सुझावों में कहा है कि अगर निर्यातकों को टैक्स में छूट, सस्ता कर्ज और ढुलाई (लॉजिस्टिक्स) में मदद मिले, तो भारतीय चावल दुनिया के बाजार में और ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन सकता है। आईआरईएफ ने मांग की है कि चावल निर्यात के लिए लिए जाने वाले कर्ज पर 4 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी दी जाए। इसके अलावा, चावल को खेतों और मिलों से बंदरगाह या आईसीडी तक पहुंचाने में आने वाली लागत को कम करने के लिए सड़क और रेल भाड़े पर 3 प्रतिशत तक सरकारी मदद मिले। फेडरेशन ने यह भी कहा है कि निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट योजना के तहत निर्यातकों को जो टैक्स वापसी मिलनी होती है, उसका भुगतान समय पर किया जाना चाहिए।फेडरेशन के अनुसार, भारत दुनिया के कुल चावल व्यापार का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। साल 2024-25 में भारत ने 170 से ज्यादा देशों को लगभग 2.01 करोड़ टन चावल का निर्यात किया। आईआरईएफ का कहना है कि चावल निर्यात से किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं, गांवों में रोजगार बनता है और देश को बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा मिलती है। यही वजह है कि यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है। हालांकि, फेडरेशन ने यह भी बताया कि चावल उत्पादन और निर्यात के सामने कई समस्याएं हैं। कई प्रमुख धान उत्पादक इलाकों में भूजल तेजी से घट रहा है। साथ ही, सरकारी खरीद, भंडारण और परिवहन की लागत लगातार बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी निर्यातकों और किसानों दोनों को नुकसान उठाना पड़ता है। इन समस्याओं से निपटने के लिए आईआरईएफ ने टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की मांग की है। फेडरेशन का सुझाव है कि जो किसान और कंपनियां कम पानी में धान उगाने वाली तकनीकें अपनाएं जैसे वैकल्पिक गीलापन और सुखाने (एडब्ल्यूडी), सीधे बोए गए चावल (डीएसआर), लेजर लेवलिंग और ऊर्जा बचाने वाली मिलिंग। उन्हें टैक्स और निवेश में खास छूट दी जाए। इससे पानी की बचत होगी और खेती पर्यावरण के लिए भी बेहतर बनेगी। इसके अलावा, आईआरएफ ने कहा है कि सामान्य किस्मों की बजाय प्रीमियम बासमती, जीआई, ऑर्गेनिक और खास गैर-बासमती चावल की खेती और निर्यात को बढ़ावा देना चाहिए। इससे किसानों को ज्यादा कीमत मिलेगी और सरकार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत खरीद का दबाव भी कम होगा। फेडरेशन की एक बड़ी मांग उन पुराने विवादों से जुड़ी है, जो कुछ किस्मों पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाए जाने के बाद खड़े हुए। आईआरईएफ का कहना है कि शुल्क की गणना को लेकर अलग-अलग व्याख्याओं के कारण कई निर्यातकों पर पिछली तारीख से भारी टैक्स मांगें बन गईं। फेडरेशन ने सरकार से आग्रह किया है कि ऐसे मामलों में एक बार की माफी दी जाए, ताकि निर्यातकों को राहत मिले और अनावश्यक कानूनी विवाद खत्म हों। इसके साथ ही, आईआरईएफ ने निर्यात से जुड़ी जांच, गुणवत्ता नियंत्रण, ट्रेसेबिलिटी और फाइनेंस गारंटी जैसी सुविधाओं को मजबूत करने की भी मांग की है। फेडरेशन का कहना है कि इससे प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय चावल की साख बनी रहेगी और लंबे समय में निर्यात और किसानों दोनों को फायदा होगा।

बदल जाएगा जीडीपी का नाम!

अर्थव्यवस्था मापने के तरीके में बदलाव की तैयारी, क्या होगा नया पैमाना?

नई दिल्ली,6 जनवरी (एजेंसियां)। भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मापने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाने की सोच रहा है। अब तक हम सकल घरेलू उत्पाद (ग्रोस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी) को ही अर्थव्यवस्था का मुख्य पैमाना मानते आए हैं। लेकिन अब सरकार शुद्ध घरेलू उत्पाद (नेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी एनडीपी) को ज्यादा अहमियत देने पर विचार कर रही है। यह बदलाव संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रीय खातों की प्रणाली 2025 के तहत किया जाएगा। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार एसएनए 2025 के अनुसार एनडीपी को जीडीपी जैसे सकल मापों से 'वैचारिक रूप से बेहतर' बताया गया है। इसका मतलब है कि एनडीपी उत्पादन की असली लागत को ज्यादा अच्छे से बताता है। यह जीडीपी की तुलना में संपत्ति के मूल्य में होने वाली कमी (डेप्रिसिएशन) और प्राकृतिक संसाधनों के खत्म होने (डिप्लीशन) को भी ध्यान में रखता है। अभी भारत समेत दुनिया भर में जीडीपी ही अर्थव्यवस्था की सेहत बताने वाला सबसे बड़ा आंकड़ा है। भारत फिलहाल जीडीपी के साथ-साथ एनडीपी के सालाना अनुमान भी जारी करता है, लेकिन तिमाही एनडीपी के आंकड़े नहीं देता। हाल ही में 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.2% रही, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे ज्यादा है। 2024-25 के लिए जीडीपी और एनडीपी दोनों में पिछले साल की तुलना में 6.5% की वृद्धि हुई। एनडीपी की गणना जीडीपी में से फिक्स्ड एसेट्स (स्थायी संपत्तियों) के डेप्रिसिएशन और प्राकृतिक संसाधनों के डिप्लीशन को घटाकर की जाती है।

भूपेश बोले-मेरा बस चलता तो बेटा जेल ही नहीं जाता

कवासी लखमा से मिलने सेंट्रल जेल पहुंचे पूर्व सीएम, कहा- लंबे समय तक रखने की साजिश

रायपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में भूपेश बघेल ने जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए।

पूर्व सीएम का आरोप है कि जांच एजेंसियों पर राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। बेटे चैतन्य की रिहाई को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा कि लोग यह कह रहे हैं कि मैंने अपने बेटे को छुड़वा लिया। जबकि सच्चाई यह है कि उसे कोर्ट से जमानत मिली है।

भूपेश बघेल ने कहा कि मेरा बस चलता तो मेरा बेटा जेल ही नहीं जाता। कोर्ट ने जांच एजेंसियों को फटकार लगाई है, तब जाकर जमानत मिली।

लंबे समय तक जेल में रखने की साजिश

उन्होंने कहा कि कवासी लखमा को ज्यादा से ज्यादा समय तक जेल में रखने की साजिश की जा रही है। इसी वजह से जांच एजेंसियां सुप्रीम कोर्ट में समय पर

जवाब पेश नहीं कर रही हैं। अगर ईडी कवासी लखमा का जवाब सुप्रीम कोर्ट में समय पर पेश कर देती, तो 17 दिसंबर को ही फैसला आ जाता।

लेकिन जानबूझकर जवाब रोका गया, ताकि लखमा को लंबे समय तक जेल में रखा जा सके। भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके मुंह से गलती से सच निकल गया है। उन्होंने कहा कि एक साल से निर्दोष कवासी लखमा जेल में बंद हैं।

अगर उन्हें निर्दोष माना जा रहा है, तो फिर ईओडब्ल्यू और ईडी की कार्रवाई क्यों जारी है। उन्होंने भाजपा नेताओं से "घड़ियाली आंसू" न बहाने की नसीहत दी और कहा कि पहले यह सुनिश्चित करें कि जांच एजेंसियां कोर्ट में जवाब पेश करें।

कवासी लखमा बस्तर क्षेत्र से कांग्रेस के सबसे मजबूत आदिवासी नेताओं में गिने जाते हैं। वे सुकमा जिले की कोंटा विधानसभा सीट से छह बार विधायक रह चुके हैं। 2013 के दरभा घाटी नक्सली हमले में वे जीवित बचे नेताओं में शामिल थे।

2018 में कांग्रेस सरकार बनने पर उन्हें आबकारी मंत्री बनाया गया। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार के 13 मंत्रियों में से केवल चार ने अपनी सीट बचाई, जिनमें कवासी लखमा भी शामिल थे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें करीब 3,200 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले का दावा किया गया है।

एफआईआर में राजनेताओं, आबकारी विभाग के अधिकारियों और कारोबारियों के नाम शामिल हैं।

ईडी के मुताबिक, तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के कथित सिंडिकेट के जरिए यह घोटाला अंजाम दिया गया।

दुर्ग में स्कूल नेशनल-कबड्डी प्रतियोगिता, खाने में दिखी अव्यवस्थाएं

खिलाड़ी बोले- पेट तक नहीं भरा, इससे अच्छा बाहर खा लेते, संयोजक बोले- लाइन तो लगानी पड़ेगी

दुर्ग-भिलाई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में 69वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के पहले ही दिन व्यवस्थाओं को लेकर दूसरे राज्यों के खिलाड़ी और ऑफिशियल नाराज दिखे। प्रतियोगिता में भाग लेने आए दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों और ऑफिशियल्स ने खाने की व्यवस्था पर नाराजगी जताई है।

खिलाड़ियों का आरोप है कि भोजन की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था इतनी खराब थी कि पेट तक नहीं भरा। वहीं ऑफिशियल की ओर से वीडियो भी बनाया गया है, इसमें खिलाड़ी साफ कहते नजर आ रहे हैं कि इससे अच्छा तो वे बाहर से ही खा लेते।

दरअसल, दुर्ग में राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता (आयु वर्ग 14 वर्ष बालक) का आयोजन 6 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है। यह खेल भिलाई नायर समाजम हायर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर-1 स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में खेले जा रहे हैं। देशभर के 29 राज्यों से

आए 329 खिलाड़ी और 87 ऑफिशियल्स इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

बताया जा रहा है कि, सुबह उद्घाटन समारोह से पहले जब खिलाड़ी और ऑफिशियल नाश्ता करने सेक्टर-6 स्थित गुरुनानक स्कूल पहुंचे तो एक ही काउंटर था। सुबह के नाश्ते में दूध और ब्रेड दिए जाने थे, लेकिन अधिकांश खिलाड़ियों को दूध ही नहीं मिला।

खिलाड़ियों को 15 से 20 मिनट तक लंबी लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। नाश्ते के लिए केवल एक ही काउंटर था। जिससे अव्यवस्था की स्थिति बन गई। खिलाड़ियों का कहना है कि इतनी खराब व्यवस्था थी कि इससे अच्छा तो बाहर खाना खा लेते। नाराजगी सिर्फ खाने तक सीमित नहीं रही। ऑफिशियल ने यह भी बताया कि, आवास की भी व्यवस्था बेहतर नहीं है। वहीं बैठकर खाने के भी कोई इंतजाम नहीं हैं। नेशनल स्तर के खिलाड़ी नीचे दरी पर बैठकर खाना खाते नजर आए।

दूसरे राज्यों से आए ऑफिशियल्स ने भी खाने से लेकर रहने तक की व्यवस्थाओं पर असंतोष जताया है। हालांकि उद्घाटन समारोह के बाद दोपहर के भोजन की व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए। स्टाफ के लिए अलग काउंटर बनाया गया और उनके लिए बैठने की भी व्यवस्था की गई।

इन सब आरोपों के जवाब में दुर्ग संभाग की सहायक संचालक (खेल) कल्पना स्वामी ने कहा कि, खाने के मीनू में चार ब्रेड की स्लाइस, जेम, दूध और केला हमने दिया है। हमने पोहा भी रखा है। आज पहला दिन था तो एक काउंटर लगाया था। इसलिए उनको लाइन से लेना था ऑफिशियल को भी, तो सबको लगता है कि हम लाइन से क्यों ले, आगे जाकर लें।

जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

गरियाबंद में सामान छोड़कर भागे माओवादी, सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी

गरियाबंद, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के थाना शोभा अंतर्गत जंगल क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। यह इलाका जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित है। यह कार्रवाई नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत की गई। पुलिस को स्थानीय खुफिया जानकारी मिली थी कि प्रतिबंधित माओवादी संगठन धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के करीब 8 से 10 नक्सली शोभा थाना क्षेत्र के जंगलों में मौजूद हैं।

इस सूचना के आधार पर जिला पुलिस गरियाबंद की ई-30 टीम, 207 कोबरा बटालियन और 65 व 211 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया। 5 जनवरी की शाम जब सुरक्षाबल शोभा क्षेत्र के जंगल में सर्चिंग कर रहे थे, तभी घात लगाए बैठे नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

नक्सलियों की मंशा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने और उनके हथियार लूटने की थी। हालांकि, सुरक्षाबलों ने पूरी मुस्तैदी के साथ जवाबी कार्रवाई की और मोर्चा संभाल लिया। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई और दबाव को देखते हुए नक्सली ज्यादा देर टिक नहीं पाए। वे अपने रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान मौके पर छोड़कर घने जंगल और पहाड़ी इलाके का फायदा उठाते हुए अंधेरे में भाग निकले।

मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके और आसपास के जंगल में सघन सर्च अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान घटनास्थल से नक्सलियों द्वारा छोड़ी गई बड़ी मात्रा में दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

फिलहाल पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी है और सुरक्षाबल अलर्ट मोड पर हैं, ताकि नक्सलियों की किसी भी गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। गरियाबंद पुलिस ने जिले में सक्रिय सभी माओवादियों से अपील की है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करें और समाज की मुख्यधारा में लौटें। पुलिस ने कहा है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए शासन की पुनर्वास नीति के तहत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

19 साल की शादी, 10 छोरियों के बाद पैदा हुआ लड़का

खुशी के मारे सभी बच्चों का नाम भी नहीं बता पाए पापा

जींद, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद जिले में एक अनोखी घटना सामने आई है। जिले के उचाना में एक परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब एक महिला ने 11वीं बार मां बनकर बेटे को जन्म दिया। यह महिला पहले 10 बेटियों की मां थी और बेटे की चाहत अब जाकर पूरी हुई है। इस खुशी में पूरे अस्पताल को सजाया गया। यह डिलीवरी नॉर्मल तरीके से हुई। हालांकि महिला में खून की कमी के कारण थोड़ा जोखिम था।

महिला की 11वीं बार डिलीवरी

जानकारी के मुताबिक, एक महिला ने 11वीं बार बच्चे को जन्म दिया और इस बार उसे बेटा हुआ। इससे पहले उसके घर में 10 बेटियां थीं। परिवार इस पल से बहुत खुश है और उन्होंने पूरे अस्पताल को गुब्बारों से सजाकर अपनी खुशी जाहिर की। महिला

के पति ने बताया कि उनकी शादी को 19 साल हो गए हैं। उनकी सबसे बड़ी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ती है। एक महिला पत्रकार ने अस्पताल में परिवार से बात की और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। जब पिता से उनकी 10 बेटियों के नाम पूछे गए, तो वे दो बेटियों के नाम भूल गए।

नॉर्मल तरीके से हुई डिलीवरी

उचाना के एक प्राइवेट अस्पताल की डॉक्टर ने बताया कि डिलीवरी सामान्य हुई। पिता ने कहा कि वे अपनी 10 बेटियों का पालन-पोषण कर रहे हैं और रविवार को उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि खुशी के मारे उनकी आंखों में आंसू आ गए। पिता ने यह भी बताया कि जब वे अपनी पत्नी को डिलीवरी के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, तो उनका दिल बहुत तेजी से धड़क रहा था। वे भूना से आए हैं।

पिता ने बताया कि उनकी बेटियों ने उनसे कहा था कि भइया लेकर आना। पड़ोसियों ने भी डीजे बजाने का वादा किया था। पिता इतने भावुक हो गए कि उन्हें अपनी कुछ बेटियों के नाम भी याद नहीं रहे। 11वीं बार मां बनने वाली महिला ने कहा कि बेटे की चाहत पूरी हो गई है। डिलीवरी से पहले उन्हें काफी घबराहट हो रही थी। घर वालों ने कुछ नहीं कहा और अब जो मालिक की मर्जी थी, वही हुआ। वे अपनी सभी बेटियों का पालन-पोषण कर रहे हैं।

धान खरीदी केंद्र में 6.55 करोड़ की गड़बड़ी

जशपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जशपुर के कोनपारा धान खरीदी उपकेंद्र में खरीफ विपणन साल 2024-25 के दौरान बड़ी अनियमितता सामने आई है। जहां करीब 6 करोड़ 55 लाख रुपए की आर्थिक गड़बड़ी पाई गई है। जब अपेक्स बैंक के नोडल अधिकारी ने मौके का निरीक्षण किया तो मामले का खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोनपारा (पंजीयन क्रमांक 128) के अंतर्गत संचालित धान खरीदी उपकेंद्र में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से धान खरीदी और परिदान के रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई। प्राथमिक जांच और संयुक्त जांच दल की ओर से किए गए भौतिक सत्यापन में बड़े पैमाने पर धान की कमी पाई गई।

कानपुर-वाराणसी फेल कमिश्नरी सिस्टम रायपुर में होगा लागू

एक ही जिले में 2 तरह की पुलिस व्यवस्था, गृह विभाग तैयार कर रहा ब्लू प्रिंट

रायपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पहली बार रायपुर में पुलिस कमिश्नरी सिस्टम 23 जनवरी से लागू होने वाला है। इसे लेकर गृह विभाग खाका तैयार कर रहा है। मंत्री परिषद की बैठक के बाद जो रिपोर्ट सामने आई है, उसके अनुसार नगरीय निकाय क्षेत्र (22 शहरी थाने) में पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू किया जाएगा।

गांव के इलाकों (15 थानों) में अलग से ग्रामीण एसपी बिठाया जाएगा। यही सिस्टम उत्तर प्रदेश के कानपुर और वाराणसी (बनारस) में लागू किया गया था। एक ही जिले में 2 तरह की पुलिस व्यवस्था से कई व्यावहारिक दिक्कतें और समन्वय की कमी सामने आई थी।

इससे अपराध भी बढ़ने लगे थे। इसे देखते हुए यूपी सरकार ने एक साल बाद ही इसे वापस ले लिया और पूरे जिले में कमिश्नरी

सिस्टम लागू कर दिया। अब इसी फेल सिस्टम को रायपुर में लागू करने की तैयारी है। चर्चा है कि मध्य प्रदेश में भी इस पर विचार किया जा रहा है, क्योंकि इसमें कई व्यावहारिक दिक्कतें हैं।

अगर सिर्फ शहरी क्षेत्र में कमिश्नरी लागू की जाती है, तो इससे पुलिसिंग में दिक्कत आएगी। वीआईपी मूवमेंट के दौरान पुराने शहर से नवा रायपुर तक दो तरह की व्यवस्था लगानी पड़ेगी। निगम सीमा तक कमिश्नरी पुलिस के जवानों की ड्यूटी रहेगी। इसके आगे देहात पुलिस के अधिकारी अपने कारकेड में वीआईपी को ले जाएंगे।

रायपुर में लागू होने वाले कमिश्नरी सिस्टम से एयरपोर्ट ग्रामीण एसपी के इलाके में आएगा। इसी तरह सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास, लोकभवन (राजभवन) और मंत्री बंगलों की सुरक्षा पुलिस कमिश्नर की जिम्मेदारी होगी। जबकि नवा रायपुर के मुख्यमंत्री निवास, मंत्री बंगले, लोकभवन, विधानसभा, मंत्रालय, सचिवालय की सुरक्षा ग्रामीण एसपी देखेंगे।

हत्या, लूट, चोरी व डकैती जैसी वारदातों में सीमा विवाद की स्थिति निर्मित होगी। अगर घटना नगरीय निकाय और देहात की सीमा पर होती है, तो जांच को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है। पड़ताल में भी दिक्कत आएगी। देहात के इलाके में जांच के लिए अनुमति लेनी होगी।

ड्यूटी, ट्रांसफर-पोस्टिंग, क्वार्टर के आवंटन समेत कई काम शासन स्तर पर होंगे। इन पर कमिश्नर या एसपी स्तर पर फैसला नहीं हो पाएगा।

टेंपो पलटा, एक युवती की मौत

गुमला, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले के डुमरी थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में एक युवती की मौत हो गई। चिड़रा नदी के पास हुए इस हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब कुछ लोग बेहराटोली गांव में आयोजित एक शादी समारोह से टेंपो से मंद्रियाटोली गांव लौट रहे थे। चिड़रा नदी चढ़न के पास टेंपो अचानक पीछे खिसकने लगा। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिससे टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में बड़ा कटरा निवासी प्रियंजली मिंज (23) टेंपो के नीचे दब गईं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डुमरी ले जाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अलबेल केरकेट्टा ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

इंडिकैश एटीएम को काटकर ले गए चोर

एटीएम में थे 68 हजार रुपए, सीसीटीवी पर किया काले रंग का स्प्रे, शटर उखाड़ अंदर घुसे थे चोर

गुमला, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र में खुदी चौक के पास स्थित इंडिकैश एटीएम को चोर सोमवार रात काटकर ले गए। एटीएम में लगभग 68 हजार रुपए थे। चोरों ने एटीएम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे पर काले रंग का स्प्रे कर उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया। बैंक कर्मियों से मिली जानकारी के अनुसार, चोरों ने पहले शटर को उखाड़ा। इसके बाद उन्होंने एटीएम मशीन को उठाकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बसिया पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और मामले की जांच में जुट गया।

एसडीपीओ नाजिर अख्तर ने बताया कि पुलिस गहनता से अनुसंधान कर रही है। उन्होंने इसे

शातिर बदमाशों का काम बताया और जल्द ही रिकवरी होने की उम्मीद जताई। गौरतलब है कि सितंबर 2024 में भी बसिया प्रखंड के कोनबीर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से 25 लाख रुपए की चोरी हुई थी। उस घटना में चोरों ने गैस कटर से एटीएम मशीन को काटकर वारदात को अंजाम दिया था और फिर उसमें आग लगा दी थी। उस समय चोरों ने बसिया प्रखंड निवासी संजय चौधरी के मालवाहक ट्रक की चोरी की थी। उसी ट्रक का इस्तेमाल कर वे कोनबीर एटीएम पहुंचे, 25 लाख रुपए चुराए और मशीन में आग लगा दी। बाद में चोरी किया गया ट्रक कामडारा प्रखंड के बाकूटोली मोड़ के पास शॉर्ट सर्किट के

भाजपा का नगर निकाय चुनाव में देरी पर प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

गिरिडीह, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को नगर निकाय चुनाव में हो रही देरी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला समाहरणालय तक पैदल मार्च निकाला और उपायुक्त कार्यालय के सामने धरना दिया। इस दौरान राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र चुनाव कराने की मांग की गई।

प्रदर्शन में पूर्व सांसद रविंदर राय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, निवर्तमान महापौर सुनील पासवान, भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, विनय सिंह और नगर अध्यक्ष हरविंदर सिंह बग्गा सहित कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी शामिल हुए। सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का झंडा लेकर सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे।

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर जानबूझकर नगर निकाय चुनाव में देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है।

नेताओं के अनुसार, लंबे समय से नगर निकाय संस्थाएं भंग पड़ी हैं, जिसका सीधा असर शहरी क्षेत्रों के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के अधिकारों की अनदेखी कर रही है और चुनाव से बचने का प्रयास कर रही है।

भाजपा नेताओं ने मांग की कि नगर निकाय चुनाव अविलंब कराए जाएं और इन्हें पार्टी आधारित प्रणाली से संपन्न कराया जाए।

इसके अतिरिक्त, मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ईवीएम का उपयोग कर चुनाव कराने की भी मांग की गई। नेताओं का तर्क था कि पार्टी आधारित चुनाव से जनता को अपने प्रतिनिधि चुनने में आसानी होगी और उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

प्रदर्शन के दौरान डीसी के माध्यम से राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपा गया। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही नगर निकाय चुनाव की घोषणा नहीं की गई, तो पार्टी अपने आंदोलन को और तेज करेगी।

ब्रश करते समय फटी गले की नस

गाय के दिल की झिल्ली से किया रिपेयर, मेकाहारा के डॉक्टरों ने बचाई जान, दुनिया में सिर्फ 10 केस

रायपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सुबह के 8-9 बजे थे। रायपुर के भनपुरी में रहने वाले राहुल जांगड़े (40) सुबह की डेली रूटीन फॉलो कर रहे थे। पत्नी ने चाय-नाश्ते के लिए पूछा, तो जवाब दिया कि ब्रश करके आता हूं। इसके बाद पल-पल दिल के पास...गाना गुनगुनाते हुए वॉशरूम के अंदर गए। पूरी फुर्ती के साथ ब्रश में टूथ पेस्ट लगाया और दांत साफ करने। इसी बीच अचानक उनके गले में बहुत तेज दर्द उठा। गले से बमुश्किल आवाज निकल पा रही थी, वो किसी तरह किचन तक पहुंचे और वहीं गिर पड़े। पत्नी ने देखा कि राहुल की गर्दन किसी गुब्बारे की तरह फूल रही है। उनका शरीर अकड़ा जा रहा है, बिना देरी किए पत्नी-बेटे राहुल को मेकाहारा अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच में पता चला कि उनके गर्दन की मुख्य धमनी (कैरोटिड ऑर्टरी) फट गई है। डॉक्टर्स भी ये केस देखकर हैरान थे, पहली बार किसी व्यक्ति कि धमनी ब्रश करते हुए फटी थी। प्रारंभिक जांच के बाद युवक को अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग में ट्रांसफर किया गया। यहां सभी तरह की जांच के बाद उसकी स्पॉन्टेनियस कैरोटिड आर्टरी रप्चर की सर्जरी की गई। डॉक्टर्स के अनुसार गाय के दिल की झिल्ली से पैच बनाकर धमनी को रिपेयर किया गया। 5 घंटे की कठिन सर्जरी के बाद मरीज को नई जिंदगी मिली। राहुल अभी सुरक्षित हैं और खतरे से बाहर हैं। बिना किसी प्री मेडिकल हिस्ट्री के इस तरह गले की धमनी फट जाने का पहला केस 1982 के आस-पास दर्ज किया गया था।

कोडरमा के जलाशयों में साइबेरियन डक का आगमन

हजारों मील की यात्रा कर पहुंचे प्रवासी पक्षी, पंचखेरो और तिलैया डैम हुआ गुलजार

कोडरमा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के विभिन्न जलाशय इन दिनों विदेशी मेहमान साइबेरियन डक से गुलजार हैं। नवंबर-दिसंबर से मार्च तक हजारों मील की लंबी यात्रा तय कर ये प्रवासी पक्षी यहां पहुंचते हैं। जिले के डैम, तालाब और अन्य जलाशयों में इनका आगमन लगातार जारी है।

इन जलाशयों के नीले पानी में सुनहरे रंगों वाले पक्षियों के झुंड अठखेलियां करते और विचरण करते दिखाई पड़ रहे हैं। इनकी उड़ान और पानी में गतिविधियों का विहंगम दृश्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित कर रहा है। इनकी चहचहाट से पूरी वादियां जीवंत हो उठती हैं।

कोडरमा के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक तिलैया डैम इन विदेशी मेहमानों के आगमन से और भी आकर्षक हो गया है। वहीं, मरकच्चो प्रखंड स्थित पंचखेरो डैम भी इन प्रवासी पक्षियों से भरा पड़ा है। पंचखेरो जलाशय अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, लेकिन सर्दियों में ये प्रवासी मेहमान इसकी असली पहचान बन जाते हैं।

ये प्रवासी पक्षी हर साल साइबेरिया, रूस और मध्य एशिया के अन्य बर्फीले देशों में पड़ने वाली अत्यधिक ठंड से बचने के लिए भारत की ओर प्रवास करते हैं। हजारों मील की लंबी यात्रा तय कर ये पक्षी यहां मार्च तक ठहरते हैं।

जब तक ये प्रवासी पक्षी क्षेत्र के जलाशयों और डैम में प्रवास करते हैं, तब तक यह स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होता।

डेनमार्क पीएम बोलीं- ग्रीनलैंड पर हमला किया तो नाटो खत्म

कहा- फिर कुछ भी नहीं बचेगा, ट्रम्प ने कब्जा करने की धमकी दी थी

कोपेनहेगन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने कहा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश की तो यह सैन्य गठबंधन नाटो का अंत होगा।

एक टीवी इंटरव्यू में फ्रेडरिकसन ने कहा कि अगर अमेरिका किसी नाटो सदस्य देश पर सैन्य कार्रवाई करता है, तो नाटो की पूरी व्यवस्था ही खत्म हो जाएगी। कुछ भी नहीं बचेगा।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने रविवार को दिए एक बयान में ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही थी। वे वेनेजुएला पर किए हमले को लेकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान ट्रम्प ने कहा था कि वह 20 दिन में ग्रीनलैंड पर बात करेंगे।

इससे पहले भी वह कई बार ग्रीनलैंड को अमेरिका के कंट्रोल में लाने की बात कर चुके हैं। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है, जो नाटो का हिस्सा भी है। ट्रम्प ने सैन्य

कार्रवाई की संभावना से भी इनकार नहीं किया है।

डेनमार्क और अमेरिका दोनों ही नाटो मेंबर

डेनमार्क और ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा हैं। डेनमार्क साम्राज्य और अमेरिका दोनों ही नाटो के सदस्य देश हैं। इन देशों की संप्रभुता और सुरक्षा की गारंटी नाटो की है।

इसके तहत किसी एक सदस्य देश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को पूरे गठबंधन के देशों पर हमला माना जाता है।

अमेरिका का डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ करीबी रिश्ता रहा है। डेनमार्क नाटो का संस्थापक सदस्य है। 1951 के रक्षा समझौते से अमेरिका को ग्रीनलैंड में मिलिट्री बेस रखने की अनुमति है। दोनों देश सुरक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और व्यापार में सहयोग करते हैं।

ग्रीनलैंड पीएम बोले- हमारा देश बिकने वाला नहीं

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रीनलैंड को वेनेजुएला से जोड़कर सैन्य हस्तक्षेप की बात करते हैं, तो यह न केवल गलत है बल्कि हमारे लोगों के प्रति अनादर है।

नीलसन ने 4 जनवरी को बयान जारी कर कहा- मैं शुरू से ही शांत और स्पष्ट रूप से यह कहना चाहता हूं कि घबराहट या चिंता का कोई कारण नहीं है। केटी मिलर के पोस्ट से, जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में लिपटा हुआ दिखाया गया है, इससे कुछ भी नहीं बदलता।

अमेरिकी अधिकारी की पत्नी के पोस्ट से भड़का विवाद

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के ठीक बाद व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी स्टीफन मिलर की पत्नी कैटी मिलर ने सोशल मीडिया पर ग्रीनलैंड का नक्शा अमेरिकी झंडे के रंग में रंगा हुआ पोस्ट किया। इससे यह विवाद और बढ़ गया।

वेनेजुएला में अमेरीकी एक्शन की चीनी सोशल मीडिया पर तारीफ

बोले- यूएस मादुरो को पकड़ सकता है तो ताइवान पर चीन कब्जा क्यों नहीं कर सकता

बीजिंग, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना की डेल्टा फोर्स के एलीट कमांडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति को अगवा करने की आखिरी तैयारी कर रहे थे। ठीक उसी वक्त राष्ट्रपति निकोलस मादुरो चीन के लैटिन अमेरिका मामलों के अधिकारी किउ शियाओची के साथ फोटो खिंचवा रहे थे।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक निकोलस मादुरो ने चीनी अधिकारी से कहा कि शी जिनपिंग उनके लिए एक बड़े भाई की तरह हैं। इस घटना के कुछ ही घंटे बाद अमेरिकी सेना मादुरो को उनके बेडरूम से खींचकर अपने देश लेकर चले गए।

इस घटना के बाद चीन भले ही चिंतित और नाराज है लेकिन वहां की सोशल मीडिया पर ऑपरेशन वेनेजुएला की तारीफ हो रही है। कई यूजर्स इसे ताइवान पर चीनी सैन्य कब्जे के लिए एक मॉडल के रूप में देख रहे हैं।

चीन ने मादुरो की गिरफ्तारी की तुरंत निंदा की और वॉशिंगटन पर

'दुनिया का पुलिसवाला' बनने का आरोप लगाया। चीन ने अमेरिकी छापे को गलत बताया और मादुरो व उनकी पत्नी की तुरंत रिहाई की मांग की। सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान अमेरिका पर इशारों-इशारों में हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका का एकतरफा दबाव और धमकी देने वाला रवैया पूरी दुनिया की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। शी जिनपिंग ने कहा कि हर देश को यह हक होना चाहिए कि वह अपने विकास का रास्ता खुद चुने। उन्होंने यह भी कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का पालन करना चाहिए। खासकर बड़ी ताकतों को दूसरों के लिए मिसाल बनना चाहिए। चीन के सोशल मीडिया पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर जबरदस्त हलचल और चर्चा देखने को मिली। कई लोग सवाल कर रहे हैं कि अगर अमेरिका अपने (बैकयार्ड) इलाके के किसी देश के नेता को पकड़ सकता है, तो चीन ऐसा क्यों नहीं कर सकता? चीनी सोशल मीडिया पर कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अमेरिका के ऑपरेशन और ताइवान के मामले में तुलना करना गलत है। वेनेजुएला का मामला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, जबकि ताइवान चीन का आंतरिक मामला है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान को अपना हिस्सा मानती है।

चीन ने साफ कहा है कि वह ताइवान को अपने में मिलाएगा, जरूरत पड़ी तो इसके लिए ताकत का इस्तेमाल भी करेगा। पिछले कुछ साल में बीजिंग ने ताइवान पर सैन्य दबाव लगातार बढ़ाया है, यहां तक कि उसकी नाकेबंदी का अभ्यास भी किया है।

सऊदी ने तुर्की संग मिलकर यूएई के खिलाफ खोला मोर्चा

पाकिस्तान को भी अल्टीमेटम, बुरे फंसे मुनीर

लंदन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में रहने वाले पाकिस्तानी सेना के पूर्व मेजर आदिल राजा ने कई बड़े दावे किए हैं। उन्होंने बताया है कि सऊदी अरब पूरे पश्चिम एशिया में एक बड़ा और मजबूत गठबंधन बना रहा है। इसमें उसके सामने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की चुनौती है। यूएई को इजरायल से मदद मिल रही है। वहीं पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश किसी एक पक्ष को चुनने पर फैसला नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे में वह सऊदी अरब के दबाव का सामना कर रहे हैं। राजा ने एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर ये दावा किया है। उनका कहना है कि पाकिस्तानी आर्मी के सीडीएफ असीम मुनीर सबसे बुरे फंसे हुए हैं।

आदिल राजा ने सोमवार को अपने वीडियो में बताया है कि उनके हाथ लगी खुफिया रिपोर्ट कहती है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पर्दे के पीछे से यूएई के खिलाफ तगड़ी जंग छेड़ रखी है। पर्दे के पीछे ही नहीं बल्कि अब यह सामने भी दिखने लगी है। सऊदी ने अपने हालिया फैसले में गाजा में सीधे मदद भेजने की बात कही है। अभी तक यूएई ही गाजा में मदद भेज रहा था। सऊदी अरब का गाजा में मदद भेजने का फैसला दिखाता है कि यूएई से उसका तनाव बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में खुद को मजबूत करने और यूएई को साइडलाइन करने के लिए सऊदी अरब ने तुर्की और कतर से गठबंधन किया है। इस गठजोड़ में कई दूसरे देशों को जोड़ा जा रहा है। ये गठबंधन सोमालिया, सूडान, लीबिया और सूडान में सरकार विरोधी गुटों को कमजोर करने में लगा है, जिनको यूएई की मदद है।

अमेरिका की यात्रा करना बना सिरदर्द

एयरपोर्ट पर विदेशी यात्रियों से घंटों पूछताछ, भारतीय जान लें नये नियम

वॉशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की यात्रा करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसका असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ा है। यात्रियों का कहना है कि अमेरिका के एयरपोर्ट पर काफी लंबी पूछताछ की जा रही है, उन्हें बार बार जांच से गुजरना होता है, उनकी एक बार नहीं कई बार स्क्रीनिंग की जाती है। कई यात्रियों को एयरपोर्ट पर कई कई घंटे रोककर रखा जाता है, उन्हें कई घंटे बिताकर उन्हें देश में घुसने से मना कर दिया जाता है और इन घटनाओं ने लोगों के लिए अमेरिका की यात्रा करना सिरदर्द बना दिया है।

इसके अलाला अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी एक नई योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत इमिग्रेशन से जुड़े सभी विदेशी यात्रियों के लिए बायोमेट्रिक जांच को और सख्त किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के मुताबिक अब

सिर्फ फिंगरप्रिंट और फोटो ही नहीं, बल्कि वॉयसप्रिंट, आईरिस स्कैन, डीएनए, चेहरे की तस्वीरें और अन्य संवेदनशील डेटा भी इकट्ठा किया जाएगा। यानि एयरपोर्ट पर कई घंटे और लगेंगे।

नये नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय छात्र, विदेशी कामगार और पर्यटक, हर किसी को अमेरिका में आते समय और जाते समय फोटो खिंचवाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और इमिग्रेशन सिस्टम में धोखाधड़ी रोकने के लिए उठाया जा रहा है। इस सख्ती का असर जमीनी स्तर पर काफी ज्यादा बड़ा है।

ज्यादातर यात्री बार-बार अतिरिक्त जांच के लिए भेजे जा रहे हैं, भले ही उनके पास वैध वीजा और दस्तावेज मौजूद हों। कुछ मामलों में यात्रियों को बोर्डिंग से रोका गया है। डीएचएस का कहना है कि अतिरिक्त स्क्रीनिंग हमेशा कानून प्रवर्तन डेटाबेस से जुड़ी नहीं होती, बल्कि कई बार यात्रा के पैटर्न, रैंडम सिलेक्शन या अन्य परिस्थितियों की वजह से भी हो सकता है। लेकिन यात्रियों में अमेरिका जाने को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

हालांकि ऐसे यात्रियों के लिए डीएचएस ने यात्रा निवारण पूछताछ कार्यक्रम (डीएचएस ट्रिप) को एक समाधान के तौर पर पेश किया है। यह उन लोगों के लिए एक सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट है, जिन्हें लगता है कि उन्हें गलत तरीके से रोका गया है, या उनकी जांच में देरी हो रही है या फिर अतिरिक्त जांच के लिए उन्हें बिठाया गया है।

बार-बार सेकेंडरी स्क्रीनिंग झेलने वाले यात्री डीएचएस ट्रिप के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और डीएचएस सिस्टम में मौजूद गलत जानकारी को सुधारने का अनुरोध कर सकते हैं।

ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, 3 की मौत

झीरम घाटी में ब्रेक फेल होने से हादसा, 4 की हालत गंभीर बाजार जा रहे थे ग्रामीण

जगदलपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में ट्रक और पिकअप की टक्कर हो गई है। हादसे में 3 ग्रामीणों की मौत हो गई है। 4 गंभीर रूप से घायल है। जबकि ट्रक चालक ट्रक की केबिन में फंस गया। पुलिस टीम रेस्क्यू में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। मामला दरभा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 11 बजे 7 ग्रामीण पिकअप वाहन में सवार होकर जगदलपुर से पखनार बाजार की ओर जा रहे थे। उसी दौरान सुकमा की तरफ से आ रहा एक ट्रक भी पिकअप के पीछे चल रहा था।

झीरम घाटी के पास पहुंचते ही ट्रक के ब्रेक फेल हो गए, जिससे ट्रक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और तेज रफ्तार में पिकअप से जा टकराया।

सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मिले पुष्प कमल दहल प्रचंड

नेपाल चुनाव में क्या होने जा रहा?

काठमांडू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में जेन जेड तख्तापलट के बाद जल्द ही नया चुनाव होने जा रहा है। इस चुनाव से ठीक पहले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने अपनी बेटी के साथ भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की है। नेपाली मीडिया के मुताबिक डोभाल से प्रचंड की यह मुलाकात रविवार 4 जनवरी को हुई। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान 5 मार्च को होने जा रहे आम चुनाव के जरिए देश के लोकतंत्र की रक्षा करने पर फोकस किया गया। डोभाल ने प्रचंड के लिए दिल्ली के एक होटल में डिनर का आयोजन किया। माना जा रहा है कि इस उच्च स्तरीय बैठक में नेपाल के वर्तमान राजनीतिक हालात और रणनीतिक जरूरत पर चर्चा हुई।

प्रचंड और डोभाल के बीच

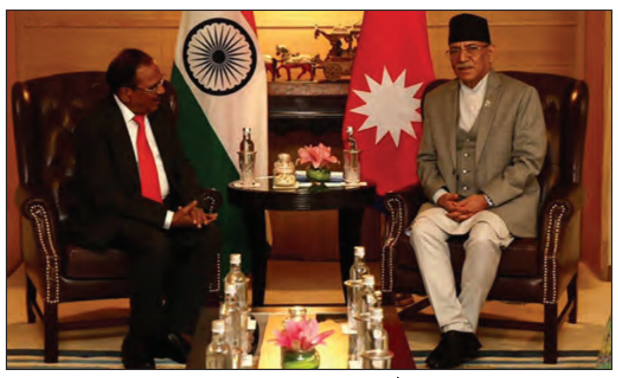

बातचीत में मुख्य फोकस इस बात पर था कि आम चुनाव होना ही देश के राजनीतिक संक्रमण का मूलभूत हल है। यह बैठक बेहद संवेदनशील समय में हो रही है जब जेन जेड प्रदर्शन के बाद केपी शर्मा ओली की सरकार गिर चुकी है। वहीं सुशील कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाल रखा है। सूत्रों का कहना है कि यह चर्चा तब हुई है जब नेपाल में चुनाव का ऐलान हो चुका है। उन्होंने कहा कि अजीत डोभाल ने सुझाव दिया कि वर्तमान राजनीतिक संकट को खत्म करने के लिए नेपाल को तत्काल चुनाव की ओर बढ़ना चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में डोभाल ने भारत का रुख साफ कर दिया कि ये चुनाव न केवल प्रक्रियागत जरूरत है, बल्कि राष्ट्रीय स्थिरता के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत नेपाल के लोकतांत्रिक ढांचे के संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। डोभाल ने कथित रूप से प्रचंड से यह भी कहा कि चुनाव ही राजनीतिक सिस्टम को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। भारत अपने पड़ोस में राजनीतिक स्थिरता चाहता है। उन्होंने कहा कि चुनाव के जरिए लोकतांत्रिक बहुमत हासिल करना लोकतंत्र को बचाए रखने का सबसे अच्छा वकिल्प है।

भारत के नेपाल में चुनाव पर जोर दिए जाने पर प्रचंड ने आश्वासन दिया कि देश में इसको लेकर आंतरिक सहमति है। प्रचंड ने डोभाल से कहा कि राजनीतिक दल चुनाव का विरोध नहीं कर रहे हैं। बता दें कि प्रचंड ने भारत आने से पहले नेपाल के अंदर केपी शर्मा ओली के साथ उच्च स्तरीय विचार वमिर्श किया था।

अमेरिकी ऑपरेशन में जख्मी हुईं मादुरो की पत्नी

आंखों में जख्म, पसलियों में फ्रैक्चर, सैनिकों ने बेडरूम से खींचकर निकाला था

न्यूयॉर्क, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना के वेनेजुएला ऑपरेशन में अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी सिलिया फ्लोरेस को काफी चोटें आई हैं।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 69 साल की फ्लोरेस जब सोमवार को न्यूयॉर्क कोर्ट में पेश हुईं तब उनके चेहरे पर दो पट्टियां लगी थीं। एक पट्टी आंख के ऊपर और दूसरी माथे पर थी।

उनकी दाहिनी आंख पर चोट का नीला निशान साफ दिखाई दे रहा थी। फ्लोरेस के वकील मार्क डोनेली ने कोर्ट को बताया कि ये चोटें उस वक्त लगीं, जब अमेरिकी सेना ने उन्हें पकड़ा था।

वकील ने कहा कि फ्लोरेस की पसलियों में भी फ्रैक्चर है। उन्हें इलाज की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने अदालत से मांग की कि फ्लोरेस का पूरा एक्स-रे कराया जाए, ताकि यह पता किया जा सके कि हिरासत में उनकी सेहत

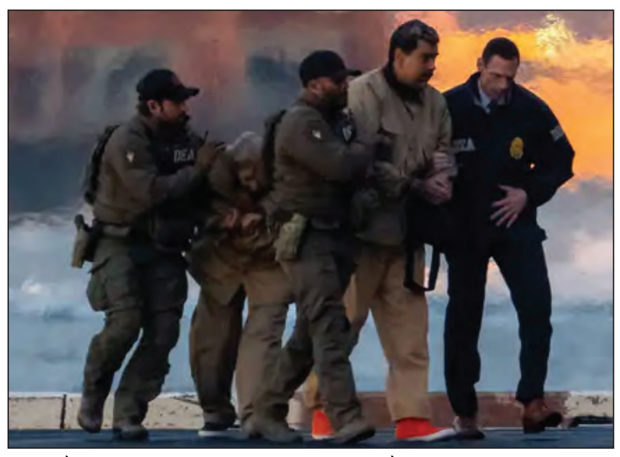

ठीक है। फ्लोरेस के साथ उनके पति निकोलस मादुरो भी कोर्ट में पेश हुए। मादुरो पर कोकीन की तस्करी और हथियारों से जुड़े अपराधों समेत कई आरोप लगाए गए हैं, जिन पर उन्होंने खुद को निर्दोष बताया।

मादुरो ने कहा, "मैं निर्दोष हूं। यहां जो कुछ भी कहा गया है, उसमें मैं किसी भी बात का दोषी नहीं हूं। मैं एक शरीफ इंसान हूं।"

फ्लोरेस ने भी दुभाषिए (अनुवादक) के जरिए स्पेनिश में यही बात दोहराई। उन्होंने अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश और हथियार व ड्रग्स से जुड़े अन्य आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। मामले की सुनवाई कर रहे जज एल्विन हेलरस्टीन ने प्रॉसिक्यूटर्स (सरकारी वकीलों) को निर्देश दिया कि वे फ्लोरेस के वकील के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि उन्हें जरूरी इलाज मिले। वहीं, मादुरो के वकील ने अलग से अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल को भी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है।

सिलिया फ्लोरेस और उनके पति निकोलस मादुरो पर गंभीर आरोप लगे हैं। अगर ये आरोप साबित हो जाते हैं, तो दोनों को उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। यहां तक कि मौत की सजा की संभावना भी बताई जा रही है।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इन्हीं आरोपों के आधार पर उन्होंने अचानक कार्रवाई करते हुए मादुरो को सत्ता से हटाकर जबरन देश से बाहर निकाला।

रेप कर 11 साल की लड़की को कुल्हाड़ी से काटा

जगदलपुर/ नारायणपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 11 साल की नाबालिग से रेप-मर्डर का मामला सामने आया है। 31 दिसंबर की शाम आरोपी युवक नाबालिग को अपने साथ खेत ले गया, वहां उसने दुष्कर्म किया फिर लड़की किसी को बता ना दें इस डर से खेत में रखे कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया।

मामला जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र का है। आरोपी संजू कुमेटी (22 साल) ने हत्या के बाद शव को गांव के ही खेत में फेंक दिया था। 4 दिन बाद गांव वालों ने लाश देखी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

सुलावेसी प्रांत में मूसलाधार बारिश से आई तबाही

16 लोगों की मौत, 140 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त

मनाडो, 6 जनवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 16 लोगों की मौत हो गई।अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि कई दिनों से जारी मानसूनी बारिश के बाद सोमवार सुबह नदियां उफान पर आ गईं।

इसी के बाद कीचड़, पत्थरों और मलबे से भरा तेज बहाव सिआउ तागुलंदांग बियारो जिले में लोगों को बहा ले गया और कई गांव पानी में डूब गए। पुलिस और सेना की मदद से आपातकालीन बचाव दलों को सिआउ द्वीप के बुरी तरह प्रभावित चार गांवों में भेजा गया। यह छोटा सा द्वीप सुलावेसी द्वीप के उत्तरी छोर से

करीब 130 किलोमीटर दूर है। मुहारी ने बताया कि कई जगह सड़कों के टूटने और संचार व्यवस्था बाधित होने से पहुंचने में मुश्किलें आईं।

उन्होंने कहा कि पहाड़ियों से पानी के तेज बहाव के कारण सात घर पूरी तरह बह गए और 140 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हो गए। बाढ़ के चलते 680 से अधिक लोगों को चर्चों और सार्वजनिक इमारतों में बने अस्थायी राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

मौसम में सुधार और बाढ़ का पानी उतरने के बाद मंगलवार को बचावकर्मियों ने 16 शव बरामद किए। उत्तरी सुलावेसी खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रवक्ता नूरियादियन गुमेलेंग ने बताया कि तीन अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है, जहां पूरे के पूरे इलाके पानी में डूब गए थे। सिटारो जिले की प्रमुख चिंतिया इंग्रिड कालांगित ने सोमवार से 14 दिनों के लिए आपातकाल घोषित किया है, ताकि राहत सामग्री पहुंचाने, लोगों को सुरक्षित निकालने और बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम तेजी से किया जा सके। इस बाढ़ में 25 लोग घायल भी हुए हैं। कालांगित ने कहा, हमने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि आगे और बारिश होने से फिर बाढ़ या भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि प्रांतीय सरकार की ओर से भारी मशीनें और राहत सामग्री भेजी गई हैं।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था

ढाका, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है।

शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।

गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर

देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था। 5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। बांग्लादेश में 3 जनवरी को 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप किया गया।

आरोपियों ने रेप के बाद उसे पेड़ से बांधकर पीटा। यह घटना बांग्लादेश के झेनाइदह जिले के कालीगंज इलाके में हुई।

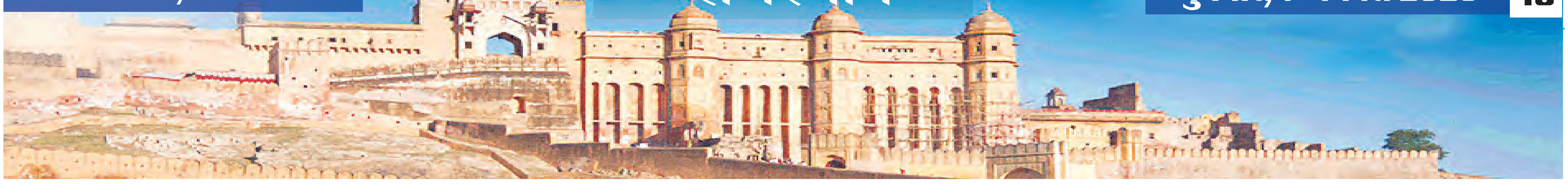

सांसद निधि पर सियासी संग्राम

हरियाणा खर्च पर जवाहर सिंह बेढम का हमला

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सांसद विकास निधि (एमपी-लैड) को लेकर बड़ा सियासी विवाद खड़ा हो गया है। प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस के तीन सांसद भरतपुर से संजना जाटव, चूरू से राहुल कस्वां और झुंझुनूं से बृजेन्द्र सिंह ओला पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देने के बजाय हरियाणा के कैथल विधानसभा क्षेत्र में सांसद निधि खर्च कर राजनीतिक हित साधे हैं। कैथल से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के पुत्र आदित्य सुरजेवाला विधायक हैं। उधर, कांग्रेस सांसदों ने पलटवार कर कहा कि अनुशंसा करने का अधिकार है। गलत-सही की जांच करना जिला प्रशासन का काम है। गलत है तो उन पर सरकार कार्रवाई करे।

बेढम ने कहा कि तीनों सांसदों ने केन्द्रीय नेतृत्व की खुशामद और अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एमपी-लैड के मूल उद्देश्य को नजरअंदाज किया है। उनके अनुसार नियमों के तहत सांसद को प्रतिवर्ष मिलने वाले 5 करोड़ रुपए में से अधिकतम 25 लाख रुपए ही अपने क्षेत्र के बाहर खर्च किए जा सकते हैं, जबकि आपदा की स्थिति में यह सीमा 1 करोड़ रुपए तक हो सकती है। इसके बावजूद इन सांसदों ने बड़ी राशि हरियाणा के कैथल जिले में भेज दी, जबकि उनके संसदीय क्षेत्र भरतपुर, चूरू और झुंझुनूं में कई विकास कार्य अधूरे पड़े हैं।

बताया जा रहा है कि भारत सरकार ने 13 अगस्त 2024 को संसद क्षेत्र के अलावा कहीं भी राशि खर्च करने की सीमा 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी है।

बेढम ने दावा किया कि संजना जाटव ने 45 लाख, राहुल कस्वां ने 50 लाख और बृजेन्द्र सिंह ओला ने 25 लाख रुपए कुल मिलाकर करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए, कैथल के विकास कार्यों के लिए अनुशंसित किए। सांसद संजना को लेकर बेढम ने कहा कि उन्होंने एमपी-लैड से 142 कार्य अनुशंसित किए, जिनमें से 37 कार्य ही पूर्ण हुए और वे भी अलवर जिले में। भरतपुर जिले में एक भी कार्य पूरा नहीं हुआ, जबकि कैथल विधानसभा में 45 लाख रुपए के काम करवाए गए।

मंत्री जवाहर सिंह बेढम को कानून पढ़ लेना चाहिए, इसमें कहीं नहीं लिखा कि सांसद क्षेत्र के बाहर की अनुशंसा नहीं कर सकता। अनुशंसा सही है या गलत यह देखने का काम जिला प्रशासन का है। यदि प्रशासन ने गलत काम मंजूर कर लिया तो सरकार उन पर एक्शन लें।

नियमों के मुताबिक कहीं भी पैसा दिया जा सकता है। हरियाणा में 50 लाख रुपए की राशि दी है, जबकि राज्यसभा सांसद ने मेरे लोकसभा क्षेत्र के लिए 1 करोड़ रुपए की राशि जारी की है। मैं अपने क्षेत्र के लिए वहां से ज्यादा पैसे लेकर आई हूं। इसमें 80 लाख रुपए तो डीग जिले के लिए ही हैं। कुछ लोग बेवजह इसे मुद्दा बना रहे हैं।

महिलाओं के स्मार्टफोन उपयोग पर बैन मामले में मानवाधिकार आयोग सख्त

कलेक्टर को भेजा नोटिस

जालौर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में चौधरी समाज की एक बैठक में कथित रूप से महिलाओं के स्मार्टफोन उपयोग पर पाबंदी लगाने के मामले ने प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर हलचल मचा दी है। यह बैठक 21 दिसंबर को सुंधामाता पट्टी के गाजीपुरा गांव में आयोजित हुई थी, जिसकी अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने की थी। बैठक में 14 पट्टियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया कि 15 गांवों की बहू-बेटियां स्मार्टफोन का उपयोग नहीं करेंगी और केवल साधारण कीपैड फोन ही रख सकेंगी, साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रमों या पड़ोस में जाने के दौरान स्मार्टफोन ले जाने पर भी रोक लगाई गई थी।

इस फैसले के सामने आते ही सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण और दकियानूसी करार देते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। विरोध बढ़ने के बाद समाज के पदाधिकारियों ने सफाई दी कि यह निर्णय बच्चों की भलाई को ध्यान में रखकर लिया गया था और बाद में इसे वापस ले लिया गया।

हालांकि इस बीच पश्चिम बंगाल के नेशनल क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के मनीष जैन ने 2 जनवरी को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने मामले का संज्ञान लेते हुए जालौर जिला प्रशासन से जवाब-तलब किया। मामले में जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे को आयोग ने नोटिस जारी किया है, जिसमें 14 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

मानवाधिकार आयोग ने अपने नोटिस में स्पष्ट किया है कि किसी भी पंचायत या सामाजिक समूह को महिलाओं के संचार के साधनों पर रोक लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है और तकनीक तक पहुंच महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ा अहम विषय है। जिला कलेक्टर प्रदीप के. गावंडे ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की गहन जांच कर आयोग को समयबद्ध रिपोर्ट भेजी जाएगी। इस प्रकरण के बाद पूरे जिले में चर्चा का माहौल है और सभी की निगाहें अब प्रशासन की रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधानसभा सचिवालय ने सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी कर दी है। सभी विधायकों को इसकी सूचना भेज दी गई है। बजट सत्र मार्च तक चलने की संभावना है। सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इस दौरान सरकार अपनी प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत करेगी। पहले दिन अभिभाषण के बाद दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसके पश्चात सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। इसके बाद कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी, जिसमें सत्र के कामकाज का एजेंडा तय किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर तीन से चार दिन तक बहस होगी। बहस के बाद सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा। सरकार के जवाब के बाद एक सप्ताह का अवकाश संभव है।

सरकार फरवरी के दूसरे सप्ताह में बजट पेश कर सकती है, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय अभी शेष है। बजट में कई नई योजनाओं और कार्यक्रमों की घोषणा होने की संभावना है।

बजट सत्र के दौरान सरकार पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता हटाने के लिए विधेयक लाने की तैयारी में है। इसके लिए पंचायतीराज कानून और नगरपालिका कानून में संशोधन से जुड़े दो अलग-अलग बिल सदन में पेश किए जाएंगे। इनके ड्राफ्ट तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा आधा दर्जन अन्य विधेयक भी बजट सत्र में लाए जा सकते हैं। विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल सरकार को हर मोर्चे पर घेरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पंचायत चुनाव की डेडलाइन फिक्स

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया अपना आदेश

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत चुनाव की डेडलाइन फिक्स। पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने फिर दोहराया है कि पंचायत चुनाव 15 अप्रेल 2026 तक पूरे करा लिए जाएं। साथ ही पंचायत परिसीमन के मामले में दखल से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत परिसीमन के एक मामले में दायर विशेष अनुमति याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में कहा था कि राजस्थान हाईकोर्ट ने 14 नवंबर, 2025 को परिसीमन प्रक्रिया को वैध ठहराते हुए 31 दिसंबर तक इसे पूरा करने और 15 अप्रेल पंचायतों के चुनाव कराने को कहा।

याचिकाकर्ताओं की ओर से हाईकोर्ट के निर्णय को चुनौती देते हुए कहा गया था कि उनके गांवों को काफी दूरी पर स्थित एक अन्य ग्राम पंचायत से जोड़ा गया है, जहां दुर्गम भौगोलिक स्थिति है और सड़क संपर्क का भी अभाव है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि अब परिसीमन प्रक्रिया को दोबारा नहीं खोला जाएगा, क्योंकि इससे पूरे राज्य का चुनावी कार्यक्रम प्रभावित होगा। हालांकि, कोर्ट ने ग्राम पंचायतों को इतनी छूट दी है कि यदि उन्हें पंचायत मुख्यालय के स्थान को लेकर कोई शिकायत है, तो वे सक्षम प्राधिकारी को अपना आवेदन दे सकते हैं। लेकिन इससे चुनाव या परिसीमन पर कोई रोक नहीं लगेगी।

उधर, अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कोर्ट को बताया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर ली है और मतदाता सूचियां तैयार करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। परिसीमन केवल दूरी के आधार पर नहीं किया जाता, इसमें जनसंख्या सहित अन्य पहलुओं पर भी विचार किया जाता है। इसके बाद कैबिनेट से मंजूरी होती है।

प्रदेश में पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूचियां तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ड्राफ्ट मतदाता सूचियां 29 जनवरी को जारी होंगी और उन पर आपत्तियों के बाद 25 फरवरी को इन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची से ही चुनाव कराने की खबर का खंडन करते हुए कहा कि यह समाचार तथ्यात्मक रूप से असत्य, भ्रामक व त्रुटिपूर्ण है। साथ ही स्पष्ट किया कि 25

जिला सीमाओं में फेरबदल से सियासी उबाल तेज

अशोक गहलोत ने कहा- 'तुगलकी फरमान', भाजपा में जश्न

बालोतरा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान की राजनीति एक बार फिर जिला सीमाओं के सवाल पर उबाल पर है। बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं में किए गए ताजा फेरबदल ने न सिर्फ प्रशासनिक ढांचे को झकझोर दिया है, बल्कि प्रदेश की राजनीति को भी आमने-सामने ला खड़ा किया है। कांग्रेस इस फैसले को जनविरोधी और राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रही है, जबकि भाजपा इसे संतुलित प्रशासन और विकास की दिशा में जरूरी कदम करार दे रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 31 दिसंबर 2025 को एक अहम अधिसूचना जारी की। इसके तहत बाड़मेर जिले की गुड़ामालानी और धोरीमन्ना तहसीलों को बालोतरा जिले में शामिल किया गया, जबकि बालोतरा जिले की बायतु तहसील को हटाकर पुनः बाड़मेर जिले में जोड़ा गया। आदेश सार्वजनिक होते ही पश्चिमी राजस्थान के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जबकि कुछ क्षेत्रों में भाजपा समर्थकों ने इसे सुधारात्मक फैसला बताते हुए जश्न मनाया।

दरअसल इस विवाद की जड़ वर्ष 2023 में है, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बालोतरा को नया जिला घोषित किया था। उस समय बायतु तहसील को बालोतरा में शामिल किया गया था, जबकि गुड़ामालानी और धोरीमन्ना को बाड़मेर जिले में ही रखा गया था। अब भाजपा सरकार द्वारा किए गए नए परिसीमन को कांग्रेस पूर्ववर्ती निर्णय को राजनीतिक कारणों से पलटने की कोशिश बता रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बदलाव के प्रभाव आगामी विधानसभा,

लोकसभा और स्थानीय निकाय चुनावों तक दिखाई दे सकते हैं। फैसले के विरोध में कांग्रेस ने खुला मोर्चा खोल दिया है। गुड़ामालानी से छह बार विधायक रह चुके वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी ने धोरीमन्ना उपखंड मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। कड़ाके की ठंड के बीच उन्होंने धरना स्थल पर ही कंबल ओढ़कर रात गुजारी।

धरने में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। चौधरी ने फैसले को कागजी सुविधा बताते हुए कहा कि यह जमीनी हकीकत से कटे हुए अधिकारियों द्वारा लिया गया निर्णय है।

हेमाराम चौधरी ने कहा कि गुड़ामालानी और धोरीमन्ना को बालोतरा जिले में शामिल करने से आम लोगों को जिला और उपखंड स्तर के कार्यों के लिए ज्यादा दूरी तय करनी पड़ेगी। उन्होंने मांगता गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि लोगों को अलग-अलग कामों के लिए अलग दिशाओं में लंबी यात्राएं करनी होंगी, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस फैसले को तुगलकी फरमान बताते हुए कहा कि जिला मुख्यालय की दूरी बढ़ाना आमजन के साथ अन्याय है। वहीं बायतु से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने भी कड़ा विरोध जताते हुए इसे राजनीतिक मकसद से किया गया निर्णय बताया।

भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रशासनिक संतुलन, क्षेत्रीय समानता और बेहतर शासन व्यवस्था को ध्यान में रखकर लिया गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने से घबराई हुई है और जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।

जहां कांग्रेस धरना-प्रदर्शन कर रही है, वहीं कई क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाहन रैलियां निकालीं, पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटकर खुशी जताई। इससे साफ है कि यह फैसला केवल फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि सियासत को सड़कों तक ले आया है।

फिलहाल बाड़मेर-बालोतरा सीमा विवाद एक बड़े राजनीतिक टकराव का रूप ले चुका है। अब सवाल यह नहीं रहा कि तहसील किस जिले में जाएगी, बल्कि यह बन गया है कि जनता की सुविधा, प्रशासनिक तर्क और राजनीतिक हितों में से किसे प्राथमिकता मिलेगी। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि सरकार अपने फैसले पर अडिग रहती है या बढ़ते विरोध के दबाव में कोई संशोधन करती है।

कल जयपुर कूच करेंगे किसान

नागौर से उठी आंदोलन की आवाज

नागौर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में किसानों की नाराजगी एक बार फिर सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। नागौर जिले के मेड़ता में आयोजित किसान महापंचायत में सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया गया है। किसानों ने 8 जनवरी को राजधानी जयपुर कूच करने का निर्णय लेते हुए स्पष्ट कर दिया है कि लंबित मांगों को लेकर अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। महापंचायत में बड़ी संख्या में किसानों की मौजूदगी ने आंदोलन की गंभीरता को और बढ़ा दिया है।

महापंचायत के दौरान किसानों की 12 सूत्रीय मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें अतिवृष्टि से खराब हुई फसलों के मुआवजे, प्रभावित गांवों को राहत सूची में शामिल करने और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। किसानों का कहना है कि अतिवृष्टि के बाद प्रशासन ने केवल 57 गांवों को मुआवजे के लिए चिह्नित किया है, जबकि 74 गांव अब भी राहत से वंचित हैं। इसे लेकर किसानों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। पुष्कर-मेड़ता रेलवे लाइन विस्तार परियोजना में भूमि अधिग्रहण को लेकर भी किसानों ने कड़ा विरोध जताया। महापंचायत में वक्ताओं ने कहा कि डीएलसी दरों पर भूमि अधिग्रहण किसानों के साथ अन्याय है।

एसआइ भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाने का आरोपी द्वितीय श्रेणी शिक्षक गिरफ्तार

पहले भी बैठाया डमी अभ्यर्थी

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा–2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में द्वितीय श्रेणी अध्यापक है लेकिन विभाग ने उसे सस्पेंड किया है। आरोपी पूर्व में भी एक अन्य प्रतियोगी परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि सांचौर के साकद निवासी सुनील कुमार बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी वर्तमान में निलंबित द्वितीय श्रेणी अध्यापक है और डीईओ कार्यालय सिरोही में पदस्थापित रहा है। जांच में सामने आया कि चयनित अभ्यर्थी ढालूराम मीणा के स्थान पर हरसनराम देवासी को डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा में बैठाया गया, जिससे उसे परीक्षा में उत्तीर्ण कर अंतिम रूप से चयन कराया गया। इस संबंध में थाना एसओजी जयपुर में वर्ष 2024 में प्रकरण दर्ज किया गया था। इस मामले में पहले ही ढालूराम मीणा, हरसनराम देवासी और उनके सहयोगी उम्मेद सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। तीनों आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में हैं। आरोपी सुनील कुमार बिश्नोई को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। सुनील कुमार इससे पहले भी शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा–2022 के फर्जीवाड़े के मामले में डमी अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है।

इस मामले में आरपीएससी के एक निलंबित सदस्य और एक पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकरण में गिरफ्तार कुल 136 आरोपियों में 61 प्रशिक्षणरत उप निरीक्षक और 6 चयनित उपनिरीक्षक जिन्होंने जॉइन नहीं किया, सहित 67 उप निरीक्षक शामिल थे। इसके अतिरिक्त जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 में पेपर लीक के मुख्य आरोपी और टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है।

खाटू श्याम के दर्शन करने गए परिवार के मकान में चोरी का प्रयास असफल

चोर एग्जॉस्ट फेन के छेद में फंसा मिला

कोटा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में एक शातिर चोर चोरी करने के दौरान एग्जास्ट के छेद में फंस गया। इसके बाद चोरी की यह वारदात आखिरकार टल गई। वहीं घर में रह रहे लोगों ने पड़ोसियों की मदद से चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी चोर को गिरफ्तार कर लिया है। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। यह घटना शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र के प्रताप नगर इलाके से सामने आई है। वहीं, बोरखेड़ा पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

घर में रह रहे सुभाष कुमार रावत ने बताया कि वह पत्नी के साथ 3 जनवरी को खाटू श्याम जी दर्शन करने के लिए गए थे और 4 जनवरी की रात को जब घर लौटे। जब सुभाष स्कूटी लेकर घर के अंदर जा रहे थे तो उसकी रोशनी में रसोई के एग्जास्ट छेद में एक व्यक्ति फंसा हुआ दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। वहीं शोर शराबे की आवाज सुनकर एक चोर तो मौके से भाग गया। एक कार भी बाहर खड़ी थी जिसमें पुलिस का स्टीकर लगा हुआ था।

पोलर सिस्टम की दरार से मैदानों में पहुंची हाड़कंपाने वाली ठंड, जनवरी भर सर्दी का 'रेड अलर्ट'

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कई शहरों को इस बार पूरे जनवरी माह में हाड़कंपाने वाली भीषण ठंड पड़ने की आशंका है। ऐसी स्थिति जनवरी 2026 के अंत तक बार-बार बनने के संकेत हैं। मौसम विशेषज्ञों ने इसके लिए उत्तरी ध्रुव के ऊपर बनने वाले ध्रुवीय ठंडी हवाओं के घेरे (पोलर वोर्टेक्स) में इस बार पड़ रही दरार को जिम्मेदार बताया है।

इससे उत्तरी गोलार्ध के बड़े हिस्से में बेहद ठंडी हवाएं फैलने और जनवरी माह के आगामी दिनों में भीषण सर्दी का असर रहने की आशंका है। जिसके असर से शीतलहर और घने कोहरे से आम जनजीवन प्रभावित होना भी तय है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार ध्रुवों के ऊपर ठंडी हवाओं का एक मजबूत घेरा होता है जिससे सर्दी वहीं सीमित रहती है। यह घेरा कमजोर पड़ने पर ठंडी हवाएं बाहर निकलकर दूसरे इलाकों तक पहुंच जाती हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने इस बार ऐसी स्थिति जनवरी माह में बार-बार बनने बनने के संकेत हैं। इसके असर से देश के उत्तर पूर्वी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभों की संख्या बढ़ने, पहाड़ों में ज्यादा बर्फबारी और मैदानी इलाकों में शीतलहर के रूप में दिखाई देने की आशंका है।

दिसंबर माह में प्रदेश में कमजोर पश्चिमी विक्षोभों की आवाजाही रही जिससे सर्दी के तीखे तेवर नर्म रहे लेकिन अब पश्चिमी विक्षोभ के साथ पहाड़ों से चलकर मैदानों में उतरी सर्दी ने बीते दो दिन में ही कोहराम मचा दिया है। राजधानी जयपुर में मंगलवार को छाए घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी से शहर में जनजीवन थम गया। शहर के कई इलाकों में सुबह देर तक दृश्यता शून्य रहने पर वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गए।

त्रिनेत्र गणेश मार्ग 15 मिनट तक चली 'टाइगर वॉक'

बाघिन रिद्धि का शावक चहलकदमी करता दिखा

सवाई माधोपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के त्रिनेत्र गणेश मार्ग पर लगातार बाघों की आवाजाही देखी जा रही है। शनिवार सुबह जहां त्रिनेत्र गणेश मार्ग स्थित मिश्रदर्रा गौमुखी के पास बाघिन टी-107 सुल्ताना अपने नवजात शावकों को शिफ्ट करती नजर आई, वहीं शाम को बाघिन रिद्धि टी-124 का मेल शावक त्रिनेत्र गणेश मार्ग की मुख्य सड़क और पार्क की सुरक्षा दीवार पर चहलकदमी करता दिखाई दिया।

बाघ शावक रणथंभौर दुर्ग के मुख्य प्रवेश द्वार के पास बनी वाहन पार्किंग के नजदीक मुख्य सड़क पर घूमता नजर आया। इसके बाद वह पार्किंग के पास ही पार्क की सुरक्षा दीवार पर चढ़ गया और दीवार पर चलते हुए रणथंभौर के जोन नंबर तीन की ओर चला गया। शावक करीब 10 से 15 मिनट तक मुख्य सड़क और सुरक्षा दीवार पर चहलकदमी करता रहा।

वांटेड की तलाश में पहुंची पुलिस, सामने आया हाईटेक साइबर ठगी का अड्डा, अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बजाज नगर थाना पुलिस एक वर्ष से फरार मारपीट के वांटेड की तलाश में न्यू सांगानेर रोड स्थित राधा विहार कॉलोनी के एक मकान में पहुंची। वहां वांटेड तो नहीं मिला, लेकिन पुलिस को साइबर ठगी में लिप्त तीन युवक मिले। तलाशी में विभिन्न बैंकों के 58 एटीएम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, चार लैपटॉप, 19 सिम कार्ड, एक सीसीटीवी कैमरा, दो पासबुक और दो चेकबुक बरामद की गईं। मौके पर आरोपियों से हुई बरामदगी देखकर पुलिस भी हैरान रह गई।

ट्रेडिंग करवाने के नाम पर ठगी पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मानसरोवर थड़ी मार्केट निवासी दिनेश गवरानी, सोडाला की कृष्णापुरी कॉलोनी निवासी नितिन कुमार कलवाडिया और जयसिंपुरा खोर त्रिवेणी नगर निवासी आर्यन सैनी को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी राधा विहार में किराए से रहकर ट्रेडिंग करवाने के नाम पर लोगों से ठगी करते थे। गिरोह का सरगना दीपक अग्रवाल दुबई से पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहा है।

थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि मकान की दूसरी मंजिल पर तीनों आरोपी लैपटॉप और मोबाइल के जरिये ऑनलाइन गतिविधियां करते मिले। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर तलाशी ली गई, जिसमें संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और बैंक दस्तावेज बरामद हुए। इसके बाद आरोपियों को महेश नगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया।

पुलिस ने बताया कि जिस मकान में वांटेड और बाद में तीनों आरोपी किराए से रहे, वहां किसी का भी पुलिस सत्यापन नहीं करवाया गया था। इस लापरवाही को लेकर मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात सहित कई राज्यों में साइबर ठगी से जुड़ी शिकायतें दर्ज हैं।

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन और त्योहारी भीड़ प्रबंधन की समीक्षा की

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे क्षेत्र में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और त्योहारी भीड़ प्रबंधन पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महा प्रबंधक और विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। छह डिवीज़नों विजयवाड़ा, गंटकल, गुंटूर, सेकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के डिवीज़नल रेलवे प्रबंधक वीडियो संचार के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक ने आगामी संक्रांति उत्सव के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने विभागों के बीच संपूर्ण समन्वय और ग्राउंड संचालन टीमों (रेलवे सुरक्षा बल और टिकट जांच स्टाफ) की तैनाती पर जोर दिया ताकि यात्रियों की सुचारु और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। श्रीवास्तव ने मैदान में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा नियमों का पालन, जैसे ट्रैक रखरखाव और शंटिंग संचालन, की समीक्षा की और निर्देश दिए कि कार्य पूर्ण होने के बाद निर्माण सामग्री ट्रैक के पास न छोड़ी जाए। उन्होंने रेलवे परिसरों में अग्नि सुरक्षा उपायों, उपकरणों के रखरखाव और नियमित निरीक्षण की स्थिति की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था स्टेशनों, मालगृहों और बिना इंटरलॉक वाले लेवल क्रॉसिंग गेट्स पर की स्थिति का भी आकलन किया। महाप्रबंधक ने पूरे क्षेत्र में चल रहे विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्यों की समीक्षा की और संबंधित डिवीज़नों को निर्देश दिए कि सभी कार्य लक्षित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

एमएलए ने ईवी बढ़ावा व शिक्षा के मुद्दों पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में मंगलवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के प्रचार और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की जोरदार अपील की। उन्होंने बढ़ती प्रदूषण समस्याओं और ग्रामीण क्षेत्रों में ईवी की कम पहुंच पर चिंता व्यक्त की। भाजपा विधायक कटिपल्ली वेंकट रमण रेड्डी ने कहा कि राज्य में वर्तमान में केवल लगभग 70 हजार ईवी चल रही हैं। उन्होंने रोड टैक्स और वाहन कर में छूट देने की मांग की और मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के लिए ईवी के अनिवार्य उपयोग का सुझाव दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में ईवी की धीमी पहुंच को चार्जिंग स्टेशनों की कमी से जोड़ा गया। भाजपा विधायक पलवाई हरीश बाबू ने भी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने, विशेषकर पार्किंग क्षेत्रों में, और इलेक्ट्रिक तीन-पहिया और चार-पहिया वाहनों को बढ़ावा देने पर बल दिया। सरकार के व्हिप बीरला इलैय्या ने यदागिरीगुट्टा मंदिर क्षेत्र में आरटीसी डिपो के लिए इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। कांग्रेस विधायक रेकुलापल्ली भूपति रेड्डी ने आंतरिक गांवों की कनेक्टिविटी में समस्याएं उठाईं। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सदन को आश्वस्त किया कि सभी चिंताओं को नोट किया गया है।

भू-भारती लैंड पोर्टल मार्च तक जनता के लिए खुला होगा : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को घोषणा की कि भू-भारती इंटीग्रेटेड लैंड पोर्टल मार्च 2026 तक पूरी तरह से जनता के लिए उपलब्ध होगा। इस पोर्टल के माध्यम से राजस्व, स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन, सर्वे-भूमि रिकॉर्ड विभाग एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत होंगे, जिससे भूमि से संबंधित सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। पोर्टल पर कृषि और गैर-कृषि भूमि, अंत्यष्टि, वन और वक्फ संपत्तियों सहित सभी विवरण होंगे। मंत्री ने यह जानकारी नामपल्ली में तेलंगाना रिवेन्यू एम्प्लॉइज सर्विसेज़ एसोसिएशन (टीआरईएसएसए) 2026 डायरी का अनावरण करते हुए दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले दशक में देखी गई राजस्व प्रणाली की समस्याओं को दूर करने के लिए सतत सुधार और गांव स्तर तक प्रशासन सुदृढ़ीकरण की पहल की है। उन्होंने यह भी बताया कि सर्वे विभाग को मजबूत करने के लिए 3,500 लाइसेंस प्राप्त सर्वेयर नियुक्त किए गए हैं और अगले सप्ताह में 3,000 और नियुक्त किए जाएंगे। मंत्री ने कर्मचारियों के बकाया लाभों को वित्तीय दबाव के बावजूद जारी रखने का भरोसा दिलाया।

अय्यप्पा स्वामी शबरी मला के लिए रवाना

मदनूर, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल केंद्र में हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही अय्यप्पा स्वामी के भक्तों ने कार्तिक मास में गुरु स्वामी द्वारा अय्यप्पा माला धारण करने के बाद 41 दिन हर रोज सुबह शाम निष्ठापूर्वक अयप्पा भगवान की पूजा अर्चना करने के बाद मंगलवार के दिन केरल के अय्यप्पा स्वामी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। गुरु स्वामियों ने बताया कि संक्रान्ति के दिन स्वामीयो का स्वामी व ज्योति का दर्शन करने के बाद अपना संकल्प पूरा होता है। इस समय महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में अजीत गुप्ता ने रंग जमाया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केवल काव्य परिवार द्वारा अपने द्वितीय आनंदोत्सव काव्यांजलि का आयोजन मथुरा, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष केवल कोठारी के नेतृत्व में किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योतिनारायण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस त्रिदिवसीय साहित्यिक अनुष्ठान में 80 से अधिक कवियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद के सुप्रसिद्ध कवि व्यंग्यकार अजित गुप्ता तथा आगरा के वरिष्ठ गीतकार रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया।

विशेष अतिथि अजीत गुप्ता ने दोनों दिन अपनी ग़ज़लों और व्यंग्य के ऐसे बाण चलाए कि सुनने वाले सभी श्रोता स्तब्ध रह गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष केवल कोठारी के नेतृत्व में गीत गज़लों छंदों का जादू लगातार तीन दिन छाया रहा। कोलकाता के जय कुमार रुसवा के संचालन ने सबका मन मोह लिया। हैदराबाद से श्रीमती ज्योति नारायण, मुंबई से श्रीमती सीमा त्रिवेदी, दिल्ली से श्रीमती कृष्णा राजपुरोहित सहित 80 साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। श्रीमती ज्योतिनारायण ने बताया कि केवल काव्य परिवार का गठन पिछले साल सितंबर माह में बाराबंकी उत्तर प्रदेश के आनंदोत्सव काव्योत्सव में हुआ।

सोयाबीन खरीद को लेकर किसान असमंजस में

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच सोयाबीन की खरीद को लेकर चल रही खींचतान के कारण तेलंगाना के किसान असमंजस में फंसे हुए हैं। खरीद में हो रही देरी से किसानों की परेशानियां बढ़ गई हैं। आदिलाबाद से भाजपा विधायक पायल शंकर ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि पिछले दो महीनों से जिले के सोयाबीन किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अधिकारी उचित औसत गुणवत्ता मानदंडों पर जोर दे रहे हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

पायल शंकर ने कहा कि केंद्र सरकार 50 प्रतिशत नुकसान वहन करने और किसानों के भंडार की खरीद के लिए तैयार है, ऐसे में राज्य सरकार को भी शेष नुकसान वहन करते हुए फसल की खरीद करनी चाहिए। इस पर कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि निजामाबाद और आदिलाबाद जिलों में सोयाबीन की फसल का रंग बदल गया है। उन्होंने बताया कि फसल की खरीद एनएएफईडी द्वारा की जानी थी, लेकिन रंग बदली फसल को एजेंसी स्वीकार नहीं कर रही है।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष उठाया गया है। यदि केंद्र सरकार भीगी या रंग बदली सोयाबीन की खरीद के लिए तैयार होती है, तो राज्य सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने बताया कि अब तक 43 हजार मीट्रिक टन सोयाबीन खरीदी जा चुकी है और 25 हजार मीट्रिक टन की खरीद और की जाएगी। यूरिया की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है और रबी सीजन के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

ईगल फोर्स ने नाबालिग को 10 किलोग्राम गांजा ले जाते गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ईगल फोर्स ने मंगलवार को बताया कि उसने हैदराबाद के नेचर क्योर हॉस्पिटल रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग को लगभग 5 लाख रुपये मूल्य का 10 किलोग्राम गांजा मुंबई ले जाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विश्वसनीय सूचना मिलने पर ड्रग कानून प्रवर्तन बल के एलीट एक्शन ग्रुप ने एसआर नगर पुलिस के साथ मिलकर 5 जनवरी को 17 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया। आरोप है कि मुंबई स्थित ड्रग सिंडिकेट ने उसे अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया।

जांच में सामने आया कि नाबालिग को ड्रग सप्लायरों ने शोषित किया। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में उसे टेम्पो क्लीनर का काम दिखाकर ओडिशा भेजा गया और पारिश्रमिक के रूप में 1,500 रुपये का लालच दिया गया। मलकानगिरी में उसे नशीले पदार्थ के पैकेट सौंपे गए और मुंबई भेजने का निर्देश दिया गया। पुलिस ने नाबालिग को ट्रेन में चढ़ने से पहले गिरफ्तार कर लिया। एनडीपीएस अधिनियम और किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

सीआईएसएफ जवानों के लिए ईसीआईएल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के नव नियुक्त जवानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सीआईएसएफ के जवानों को विभिन्न तकनीकी गतिविधियों से अवगत कराना था। ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी, कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कहा कि इस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना वर्ष 1967 में की गई थी।

इसका प्रारंभिक उद्देश्य देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की नियंत्रण एवं उपकरणीकरण (सीएंडआई) आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भरता पर था। ईसीआईएल तीन प्रौद्योगिकी लाइनों अर्थात कंप्यूटर, नियंत्रण प्रणाली और संचार पर जोर देते हुए कई उत्पादों के डिजाइन, विकास, निर्माण और विपणन में लगा हुआ था। पिछले कुछ वर्षों में, ईसीआईएल ने विभिन्न जटिल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई।

इस प्रशिक्षण में शुभम गुलिया, उप निरीक्षक ने सभी जवानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके प्रत्येक जवान को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी सजगता एवं तत्परता के साथ करना चाहिए। इस अवसर पर बी. सोमलिंगम बतरकी, सहा.उप निरीक्षक, वाई.एन. राव सहा, उप निरीक्षक (काउंटर इंटेलिजेंसी विंग) ने भी प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

ईसीआईएल का कॉरपोरेट प्रजेन्टेशन तथा सीआईएसएफ आधारित क्विज अजहर सुल्तान ने तैयार किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी.कनका महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वरि. हिन्दी अनुवादक तथा विनीला, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भूमि बिक्री से 30 से 40 प्रतिशत आय आबंटित करने की मांग

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के चीफ व्हिप पटनम महेंद्र रेड्डी ने विशेष उल्लेख सत्र में मांग की कि रंगारेड्डी जिले में भूमि बिक्री से प्राप्त कुल राजस्व का कम से कम 30-40 प्रतिशत हिस्सा जिले के विकास के लिए निश्चित रूप से आवंटित किया जाए। महेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने रंगारेड्डी की विशाल भूमि हजारों करोड़ रुपये में बेच दी, लेकिन जिले में पर्याप्त निवेश नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह रुझान जारी रहा तो जनता आंदोलन की संभावना है और सरकार को भूमि बिक्री से मिलने वाले राजस्व का स्थिर हिस्सा स्थानीय विकास के लिए स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए।

आईआईटी-हैदराबाद नवोन्मेषी हाई स्कूल प्रोजेक्ट्स के लिए प्रवेश देगी

जेईई स्कोर कम होने पर भी प्रतिभाशाली छात्रों को मिलेगा मौका

संगारेड्डी, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटीएच) ने 2026-27 शैक्षणिक वर्ष से ऐसे हाई स्कूल छात्रों को प्रवेश देने का निर्णय लिया है, जिन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले नवोन्मेषी प्रोजेक्ट विकसित किए हैं। यह पहल ऐसे छात्रों के लिए है जो जेईई में कम स्कोर के कारण सामान्य प्रवेश में असफल रहे। आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने कहा कि इस श्रेणी के छात्रों के लिए 30 से 40 अतिरिक्त सीटें सृजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि छात्रों के लिए जेईई परीक्षा उत्तीर्ण करना अभी भी अनिवार्य है, लेकिन उनके हाई स्कूल प्रोजेक्ट्स को भी प्रवेश में विशेष महत्व दिया जाएगा।

प्रोफेसर मूर्ति ने बताया कि ये परियोजनाएं राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल कर चुकी होंगी और छात्रों को आईआईटीएच में प्रवेश मिलने के बाद उनके विचारों को उत्पादों में बदलने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि छात्रावास के कमरे छात्रों के लिए गैराज में बदल जाएं, जहां वे दिन-रात अपने विचारों पर काम कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि उनका मानना है कि देश का विकास केवल सेवाओं से नहीं, बल्कि उत्पादों के निर्माण से होता है और आईआईटीएच इस दिशा में छात्रों को प्रोत्साहित कर रहा है।

ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से : शब्बीर अली

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ग्रामीण और अर्ध-शहरी तेलंगाना में बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार कर रही है। कामारेड्डी नगरपालिका के कई वार्डों में सीमेंट-कंक्रीट सड़क कार्यों का शुभारंभ करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि सरकार प्रतीकात्मक राजनीति की बजाय वास्तविक विकास पर ध्यान दे रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सड़कें, स्वच्छता, पेयजल, नाली, शिक्षा और नागरिक सुविधाओं में सुधार सभी कॉलोनियों में जारी रहेगा। उन्होंने बीसी वेलफेयर रेजिडेंशियल गर्ल्स स्कूल का भी निरीक्षण किया, बुनियादी ढांचे में खामियों को रेखांकित किया और अधिकारियों से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह किया। शिक्षा और खेल के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ियों का सम्मान किया और व्यक्तिगत रूप से खेल उपकरणों के लिए 10 हजार रुपये का योगदान दिया।

फर्जी 2 बीएचके प्रमाणपत्र मामले में एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद डिवीजन के आरडीओ साई राम की शिकायत के आधार पर फर्जी 2 बीएचके प्रमाणपत्र जमा करने के मामले में रामगोपालपेट पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 173 और 176 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। सिकंदराबाद आरडीओ ने बताया कि जांच में पता चला कि संदर्भ संख्या वाले प्रमाणपत्र मेडचल मलकाजगिरि जिले के गंडीमैसम्मा मंडल में आवंटित 2 बीएचके फ्लैटों के लिए आरडीओ द्वारा जारी नहीं किए गए थे। प्रमाणपत्रों पर 'राजस्व मंडल अधिकारी, हैदराबाद सिकंदराबाद मंडल, हैदराबाद जिला' की फर्जी मुहर लगी हुई थी। पुलिस को फर्जी प्रमाणपत्र बनाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए आरडीओ ने अनुरोध किया, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स योजना धीमी प्रगति पर

सिर्फ 12 स्थानों पर शुरू हुआ निर्माण, विधायक चिंता में

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार की यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स योजना की घोषणा के एक साल बाद भी अपेक्षित गति नहीं पकड़ी है, जिससे राज्य के विधायकों में चिंता का माहौल है। सरकार ने लगभग 21,000 करोड़ रुपये की लागत से 105 एकीकृत आवासीय स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 11 अक्टूबर, 2024 को शादनगर के कोंडुरग में पहले स्कूल की आधारशिला रखकर कार्यक्रम की शुरूआत की थी। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि कुल 79 स्कूलों को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, 76 स्कूलों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं, लेकिन केवल 12 स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हुआ है। वर्तमान में राज्यभर में 617 आवासीय विद्यालय किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं।

विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण ने धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त की और सरकार से बजट सहायता बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने की मांग की। खैराबाद विधायक दानम नागेंद्र ने बताया कि प्रत्येक स्कूल 25 एकड़ भूमि पर बनाया जाना है, जिससे हैदराबाद में सीमित भूमि उपलब्धता एक चुनौती है। उन्होंने शहर के लिए विशेष कार्य योजना बनाने की आवश्यकता जताई। नागेंद्र ने उदयनगर बस्ती का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां मंदिर समिति द्वारा आवंटित भवन की पहली मंजिल पर सरकारी स्कूल चल रहा है, जिसमें लगभग 60 से 70 छात्र नामांकित हैं और अतिरिक्त मंजिल निर्माण की अनुमति पर विचार किया जा रहा है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: SANDT_WAT_25_S_FACS

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में ऑटो चेन्जओवर (Auto Changeover) सिस्टम (फ्यूज अलार्म सिस्टम) का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,22,51,540.00, EMD : ₹ 2,11,300/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 08.01.2026

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 22.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-977/Q/25-26

आईआईटीएच के छात्र एडवर्ड नाथन को मिला अब तक का सबसे बड़ा पैकेज

संगारेड्डी, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-हैदराबाद (आईआईटीएच) के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई) चौथे वर्ष के छात्र एडवर्ड नाथन वर्गीज को नीदरलैंड स्थित कंपनी ऑप्टिवर ने आईआईटीएच के किसी भी छात्र को अब तक दिए गए सबसे बड़े पैकेज के रूप में 2.5 करोड़ रुपये वार्षिक का ऑफर दिया है। कंपनी में दो महीने की इंटर्नशिप के बाद एडवर्ड का इंटरव्यू लिया गया। आईआईटीएच के 17 साल के इतिहास में किसी भी छात्र को एक करोड़ रुपये से अधिक का पैकेज नहीं मिला था। इस साल संस्थान के दो अन्य छात्रों को भी 1.1 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का ऑफर मिला। पहले चरण में पंजीकृत 487 छात्रों में से 304 को प्लेसमेंट ऑफर मिल चुके हैं। अब तक 24 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय ऑफर मिले हैं।

संस्थान में इस वर्ष औसत पैकेज पिछले वर्ष के 20.8 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 40 लाख रुपये हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 83.33 प्रतिशत प्लेसमेंट दर रही, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 83.05 प्रतिशत और गणित और कंप्यूटिंग में 77.78 प्रतिशत छात्रों को प्लेसमेंट मिला।

सड़क किनारे नवजात बच्ची का शव मिला

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मैलारदेवपल्ली के बाबुलरेड्डी नगर में सड़क किनारे एक नवजात बच्ची का शव मिला। पुलिस को संदेह है कि नवजात की मृत्यु के बाद उसके माता-पिता ने उसे वहीं छोड़ दिया। स्थानीय निवासियों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मैलारदेवपल्ली पुलिस ने शव को मुर्दाघर भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज और पास के अस्पतालों व नर्सिंग होम के जन्म रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है, ताकि नवजात के माता-पिता की पहचान की जा सके।

चेर्लापल्ली-विशाखापट्टनम के बीच स्पेशल ट्रेनें

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति उत्सव के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रेलवे ने चेर्लापल्ली और विशाखापट्टनम के बीच दो अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की। ट्रेन नं. 08513 (विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली) 18 जनवरी को रात 11 बजे विशाखापट्टनम से चलेगी और अगले दिन सुबह 10:30 बजे चेर्लापल्ली पहुंचेगी। ट्रेन नं. 08514 (चेर्लापल्ली - विशाखापट्टनम) 19 जनवरी को दोपहर 3:30 बजे चेर्लापल्ली से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दुव्वाड़ा, अनकापल्ले, समलकोट, अनापर्ति, राजमंड्री, एलुरु, विजयवाड़ा, गुंटूर, मिर्यालगुड़ा और नलगोंडा में रुकेंगी। प्रत्येक ट्रेन में 2 एसी, 3 एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे। बुकिंग 7 जनवरी सुबह 8 बजे से शुरू होगी।

अखिल भारतीय सीरवी खेल महाकुंभ में जीडिमेटला टीम विजेता

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मैसूर में आयोजित अखिल भारतीय सीरवी खेल महाकुंभ में देशभर से सीरवी समाज की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बाद फाइनल मैच में जीडिमेटला टीम 'ए' ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। सीरवी समाज जीडिमेटला वडेर में विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समाज की ओर से सभी विजेता खिलाड़ियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित कर अभिनंदन किया गया।

सम्मान समारोह में सीरवी समाज जीडिमेटला वडेर के अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, कानाराम बर्फा, भीमाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, उदाराम, चंदनाराम चोयल, भुण्डाराम बर्फा, चन्द्र प्रकाश बर्फा, राजुराम लचेटा आदि समाज बन्धुओं ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डोपिंग के शिकंजे में भारतीय खेल

उत्तराखंड के क्रिकेटर राजन कुमार निलंबित

धाविका धनलक्ष्मी पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय खेल जगत में डोपिंग का एक और गंभीर मामला सामने आया है। उत्तराखंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज राजन कुमार डोप टेस्ट में फेल पाए गए हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। क्रिकेटरों से जुड़े ऐसे मामले बेहद दुर्लभ माने जाते हैं।

डोपिंग टेस्ट में फेल हुए राजन कुमार

29 वर्षीय राजन कुमार के सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरॉयड ड्रॉस्टानोलोन, मीटेनोलोन और क्लोमिफीन पाए गए हैं। क्लोमिफीन आमतौर पर महिलाओं में बांझपन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा है, लेकिन पुरुषों में यह टेस्टोस्टेरोन स्तर को बढ़ाने में भी सहायक मानी जाती है। राजन कुमार ने आखिरी बार 8 दिसंबर 2025 को अहमदाबाद में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में दिल्ली के खिलाफ उत्तराखंड की ओर से मैच खेला था।क्रिकेट में डोपिंग के मामले बहुत कम सामने आए हैं। इससे पहले 2019 में पृथ्वी शॉ और 2020 में मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर अंशुला राव डोप टेस्ट में फेल हो चुके हैं। इसी सूची में एक और नाम जुड़ा है भारतीय फुटबॉलर नोंगमाइथेम रतनबाला देवी का। उनके सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरॉयड मीटेनडायनोन पाया गया है, जिसके चलते उन्हें भी अस्थायी निलंबन झेलना पड़ा है।

धाविका धनलक्ष्मी पर लगा आठ साल का प्रतिबंध

नाडा द्वारा जारी ताजा सूची में अन्य जिन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं, उनमें गौरव पटेल (एथलेटिक्स), खुशबू कुमारी (वेटलिफ्टिंग), अचलवीर करवासरा (बॉक्सिंग) और सिद्धांत शर्मा (पोलो) शामिल हैं। वहीं, तमिलनाडु की मशहूर स्प्रिंटर धनलक्ष्मी सेकर पर डोपिंग के कारण बेहद कड़ा फैसला लिया गया है। दूसरी बार डोप टेस्ट में फेल होने के चलते उन पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया गया है, जो 9 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। 27 वर्षीय धनलक्ष्मी के सैंपल में भी ड्रॉस्टानोलोन पाया गया था। गौरतलब है कि धनलक्ष्मी 2022 में डोपिंग के पहले मामले में तीन साल का प्रतिबंध झेलने के बाद ही 2025 में वापसी कर पाई थीं, लेकिन दोबारा गलती ने उनके करियर पर गहरा संकट खड़ा कर दिया है। इन मामलों ने एक बार फिर भारतीय खेलों में डोपिंग के खिलाफ सख्त निगरानी और जागरूकता की जरूरत को उजागर कर दिया है।

लक्ष्य सेन मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में

मालविका बाहर; कड़े संघर्ष के बाद हारीं वीनस विलियम्स

क्वालालंपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद मंगलवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर नए सत्र की शानदार शुरुआत की।

पिछले सत्र के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सेन ने मलेशिया ओपन में विश्व रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 70 मिनट में 21-16 15-21 21-14 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव या हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने के अंतराल के बाद वापसी करने वाली मालविका बंसोड़ को महिला एकल में हालांकि पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वीनस विलियम्स ने 45 साल की उम्र में भी अपने जुझारूपन का शानदार नमूना पेश किया, लेकिन आखिर में वह मंगलवार को यहां ऑकलैंड ओपन डब्ल्यूटीए टूर टेनिस टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त मैग्डा लिनेट से हार गईं।

वर्ष 2026 में अपना पहला एकल मैच खेल रही वीनस ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में उन्हें 52वीं रैंकिंग की खिलाड़ी लिनेट से 6-4, 4-6, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। लिनेट उस समय केवल दो साल की थीं जब वीनस ने पेशेवर टूर पर अपना पहला एकल मैच खेला था।

मंगलवार का मैच डब्ल्यूटीए टूर पर एकल वर्ग में विलियम्स का 1101वां मैच था। उन्होंने अपने से 12 साल छोटी खिलाड़ी के सामने जिस तरह की चुनौती पेश की उससे उनका होबार्ट इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस को ऑकलैंड ओपन के अलावा 12 जनवरी से होबार्ट में होने वाले टूर्नामेंट तथा साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से शुरू होगा।

ऑकलैंड में खेला गया यह मैच वीनस का पिछले साल अगस्त में अमेरकी ओपन के पहले दौर में कैरोलिना मुचोवा से 6-3, 2-6, 5-1 से हारने के बाद पहला एकल मैच था। वीनस ने इससे पहले ऑकलैंड ओपन की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना के साथ मिलकर युगल मैच खेला था, जिसमें उन्हें इवा जोविक और एलेक्जेंड्रा एला से 7-6 (7), 6-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव का असर टी20 वर्ल्ड कप 2026 पर पड़ा,

बहुत सारे खिलाड़ियों का वीजा अटका!

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 7 फरवरी से होने वाला है। इस बार वर्ल्ड कप को भारत और श्रीलंका होस्ट कर रहे हैं। विश्व कप शुरू होने में अब लगभग एक महीना बचा है। लेकिन, अब आईसीसी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एक और बड़ी परेशानी सामने आई है। यूएसए, कनाडा, इटली, यूएई और ओमान की टीमों में कुछ पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी हैं, जिनको भारत का वीजा मिलन में दिक्कत हो रही है। संबंधित बोर्डों ने इस संबंध में आईसीसी और बीसीसीआई को पत्र लिखा है, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है।

जियोन्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 टी20 विश्व कप में भाग लेने वाली पांचों टीमों के क्रिकेट बोर्ड इस मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से संपर्क कर चुके हैं। इसके अलावा, वे इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए आईसीसी को सामूहिक रूप से पत्र लिखने वाले हैं।

पाकिस्तानी मूल के प्लेयर्स को वीजा में क्यों हो रही है दिक्कत?

दरअसल, अप्रैल 2025 में पहलगाम में पाकिस्तान ने आतंकी हमला किया था, जिसमें 26 मासूमों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। इस पूरे मामले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्ते काफी ज्यादा खराब हो गए हैं।

भारत ने पाकिस्तान का एशिया कप 2025 में हाथ न मिलाकर पूरी तरह से बॉयकॉट किया। महिला वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। एक कूटनीतिक कदम उठाते हुए, भारत ने पाकिस्तान से संपर्क के रास्ते बंद कर दिए हैं। वीजा सेवाओं पर भी बुरा असर पड़ा है। बता दें कि पाकिस्तान के सभी मुकाबले टी20 वर्ल्ड कप के श्रीलंका में होंगे।

पाकिस्तान की टीम भारत नहीं आ रही है। भारत ने भी 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में यही किया था। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में हो रहा था। भारत ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। ऐसे में भारत के सभी मैच पाकिस्तान में हुए थे।

5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 134 रन की बढ़त

इंग्लैंड के 384 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया 518/7

सिडनी में हेड और स्मिथ का शतक

सिडनी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 129 और ब्यू वेबस्टर 42 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी को ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने मजबूती दी। हेड ने दिन के पहले सेशन में जोश टंग की गेंद पर कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन की पारी खेली, जिसमें 24 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

टेस्ट करियर का 12वां शतकःयह ट्रैविस हेड के टेस्ट करियर का 12वां शतक है। मौजूदा एशेज सीरीज में यह उनका तीसरा शतक रहा, जबकि एससीजी पर यह उनका पहला टेस्ट शतक है। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति तक हेड 91 रन बनाकर नाबाद लौटे थे।

121 रन पर मिला जीवनदानःहेड को 121 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे ब्रायडन कार्स की गेंद पर विल जैक्स ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। मैथ्यू पॉट्स के एक ओवर में उन्होंने लगातार तीन चौके भी लगाए।

स्मिथ का सिडनी में 5वां टेस्ट शतकःस्टीव स्मिथ ने 166 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 95 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। यह स्मिथ का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवां टेस्ट शतक है। इस मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रिकॉर्ड अब भी रिकी पोंटिंग के नाम है, जिन्होंने यहां 6 शतक लगाए हैं।

ज़ो रूट के शतक से इंग्लैंड 384 पर सिमटा

इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 384 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने 242 गेंदों में 160 रन की पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है। रूट ने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर टेस्ट करियर का 41वां शतक पूरा किया।

एसए20 में सनराइजर्स केप ने प्रिटोरिया को पहली बार हराया

डी कॉक-बेयरस्टो की शतकीय साझेदारी; सनराइजर्स टॉप पर

खेल डेस्क, 6 जनवरी (एजेंसियां)। एसए20 के चौथे सीजन में सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को पहली बार हराया। क्विंटन डी कॉक और जॉनी बेयरस्टो की नाबाद शतकीय साझेदारी की बदौलत टीम ने 177 रन का टारगेट महज 14.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप 17 अंकों के साथ एक बार फिर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए क्विंटन डी कॉक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

प्रिटोरिया कैपिटल्स कॉनर एस्टरह्यूजन टॉप स्कोरर रहे

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। ओपनर कॉनर एस्टरह्यूजन ने 33 गेंदों पर 52 रन बनाए, जबकि शरफेन रदरफोर्ड ने 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की तेज पारी खेली। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके।

सनराइजर्स की ओर से एनरिक नॉर्टजे ने अपने पुराने घरेलू मैदान पर 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। लुईस ग्रेगरी ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 1 विकेट झटका। एडम मिल्ने ने अंतिम से पहले ओवर में 22 रन लुटाने के बावजूद 2/36 के आंकड़े दर्ज किए, जिसमें आंद्रे रसेल का अहम विकेट शामिल रहा।

बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर लिया

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। डी कॉक ने 41 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं, बेयरस्टो ने 44 गेंदों में 85 रन की पारी खेली और 8 चौके व 6 छक्के जड़े।

बेयरस्टो ने स्पिनर केशव महाराज के एक ही ओवर में पांच छक्के और एक चौका लगाकर 34 रन बटोरे। यह ओवर SA20 इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ब्रिटिश ओपन के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 जनवरी (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है।

इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है सविता का लक्ष्य

ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करने पर नजरें

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया का लक्ष्य इस साल होने वाले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर है। सविता की नजरें एशियाड में स्वर्ण जीतकर 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करने पर हैं। सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं।

तीन बार एशियाड में पदक जीत चुकी हैं सविता

राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने कहा, मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है। सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं। एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक। अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती। मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही। मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी। अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालिफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े। सविता ने कहा, मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है। हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए हूं। विश्व कप क्वालिफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है। यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है।

श्रेयस अय्यर ने फिटनेस साबित की

विजय हजारे ट्रॉफी में हाफ सेंचुरी जमाई

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी में हाफ सेंचुरी जमाकर अपनी फिटनेस साबित कर दी है। वे जयपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं और 81 रन बनाकर खेल रहे हैं।

अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया में चुना गया है, हालांकि वे उनका खेलना फिटनेस साबित करने पर निर्भर था। अय्यर के अलावा, सूर्यकुमार यादव 24 रन, मुशीर खान 73 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में यशस्वी जायसवाल 15 और सरफराज खान 21 रन बनाए। 25 ओवर के बाद मुंबई का स्कोर 218/4 है।

इधर, अहमदाबाद में कर्नाटक ने राजस्थान के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 324 रन बनाए। कप्तान मयंक अग्रवाल 100 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल (91 रन) महज 9 रन से सेंचुरी चूक गए हैं। वे लगातार तीन सीजन में 300 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बैटर बने।

प्लेट ग्रुप फाइनल में मणिपुर 169 पर ऑलआउट, शाबिर की हैट्रिक

रांची में चल रहे प्लेट ग्रुप के फाइनल में मणिपुर की टीम 47.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई है। बिहार के शाबिर खान ने हैट्रिक सहित 7 विकेट झटके। उन्होंने 8 ओवर की गेंदबाजी में 30 रन दिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी

मेलबर्न, 6 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में पिछले साल की तुलना में 16 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। 18 जनवरी से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में यह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने मंगलवार को स्थानीय मुद्रा में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा की, जो 2026 के लिए 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) निर्धारित की गई है। यह 2025 में 96.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि से 16 प्रतिशत अधिक है। महिला और पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन रहने वाले खिलाड़ियों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (2.8 मिलियन डॉलर) मिलेंगे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही आयोजकों का कहना है कि मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को न्यूनतम 10 प्रतिशत बढ़ी हुई पुरस्कार राशि मिलेगी। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रैग टिले ने कहा, यह 16% की वृद्धि हर स्तर पर टेनिस करियर को समर्थन देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2023 से क्वालिफाइंग पुरस्कार राशि में 55% की वृद्धि से लेकर खिलाड़ियों के लाभों को बढ़ाने तक, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पेशेवर टेनिस सभी प्रतियोगियों के लिए टिकाऊ बना रहे।

इंडियन सुपर लीग की तारीखों की घोषणा

अगले महीने से शुरू होगा सत्र; खेल मंत्री ने किया एलान

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सत्र के तारीखों का एलान किया। आईएसएल की शुरुआत 14 फरवरी से होगी और इसमें सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। वाणिज्यिक साझेदारों की कमी के कारण यह लीग अब तक शुरू नहीं हो सकी थी जिस कारण काफी विवाद भी हो रहा था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने हाल ही में कहा था कि आईएसएल के तारीख की घोषणा आने वाले सप्ताह में होगी।

खेल मंत्री मांडविया ने कहा, आईएसएल को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन आज सरकार, फुटबॉल महासंघ और मोहन बागान व ईस्ट बंगाल समेत 14 क्लबों की बैठक हुई और हमने फैसला किया है कि आईएसएल 14 फरवरी से शुरू होगा। सभी क्लब इसमें भाग लेंगे।

तेलंगाना में ईवी क्रांति को गति देने के लिए व्यापक कदम उठा रही सरकार : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा है कि तेलंगाना में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार व्यापक और ठोस कदम उठा रही है।

मंगलवार को विधानसभा में ईवी नीति और सड़क परिवहन निगम से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य भर में चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके तहत सरकारी कार्यालयों, सामुदायिक भवनों और शैक्षणिक संस्थानों में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जीओ नंबर 41 के माध्यम से लागू की गई ईवी नीति का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सतत और पर्यावरण

अनुकूल भविष्य सुनिश्चित करना है। मंत्री के अनुसार, चालू वर्ष में अब तक एक लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हो चुकी है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि ईवी नीति के तहत प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार को लगभग 900 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है, इसके बावजूद यह नीति पूरी तरह लागू है। उन्होंने बताया कि रेडको कंपनियों के माध्यम से चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के प्रयास लगातार जारी हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के लिए स्क्रैपिंग नीति लागू की गई है, जो पहले अस्तित्व में नहीं थी। उन्होंने कहा कि ग्रीन टैक्स को 30 हजार रुपये तक बढ़ाया गया है, जिससे पुराने वाहनों को अनिवार्य रूप से स्क्रैप कराना होगा। इस स्क्रैपिंग प्रक्रिया में भाग लेने वालों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि आरटीसी डीज़ल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में परिवर्तित (रेट्रोफिटिंग) करने की दिशा में भी कार्य कर रही है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि चार्जिंग स्टेशन गेटेड कम्युनिटीज़, निजी संस्थानों और रेडको के माध्यम से स्थापित किए जा रहे हैं।

साथ ही, राज्य के सभी कलेक्टर कार्यालयों, रेस्टोरेंट्स और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी चार्जिंग सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना है।

पतंग निकालते समय करंट लगने से बालक गंभीर रूप से झुलसा

संगारेड्डी, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंडोले मंडल के डाकुर गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे में छह वर्षीय बालक बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। यह घटना उस समय हुई जब बालक अपनी पतंग को वापस लेने की कोशिश कर रहा था।

चिलिपिचेड मंडल के इब्राहिमपुर निवासी जी अरविंद डाकुर गांव में अपने चाचा के परिवार के साथ रह रहा था। बताया गया कि पतंग उड़ाते समय उसकी पतंग टूटकर ऊपर से गुजर रही बिजली की तार में फंस गई। पतंग निकालने के प्रयास में अरविंद बिजली की लाइन के संपर्क में आ गया और उसे जोरदार करंट लग गया। घटना में अरविंद गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे तुरंत उस्मानिया अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार बालक की हालत गंभीर बनी हुई है।

कविता के कांग्रेस में शामिल होने पर कोई आश्चर्य नहीं : कांग्रेस एमएलए

मल्लारेड्डी रंगारेड्डी के बयान से राजनीति में नई हलचल

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता का नाम एक बार फिर राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है। बीआरएस पार्टी से एमएलसी पद से इस्तीफा देने के बाद कविता अब अपने राजनीतिक भविष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इसी कारण उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि के. कविता भविष्य में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकती हैं। इस संदर्भ में कांग्रेस विधायक मलारेड्डी रंगारेड्डी ने सनसनीखेज टिप्पणी की है। मंगलवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में मलरेड्डी रंगा रेड्डी ने कहा कि यदि कविता कांग्रेस में शामिल होती हैं तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। उन्होंने कहा, क्या हमने कभी सोचा था कि विधायक दानम नागेंदर और कडियम श्रीहरि कांग्रेस पार्टी में आएंगे? लेकिन वे आए। इसलिए अगर कविता भी कांग्रेस में शामिल होती हैं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। मलरेड्डी रंगा रेड्डी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यह चर्चा भी जोरों पर है कि कविता अपनी अलग राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकती हैं। मंत्री पद की आकांक्षा रखने वाले मलरेड्डी रंगा रेड्डी ने इस मुद्दे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें मंत्री पद नहीं दिया गया तो यह कांग्रेस पार्टी का नुकसान होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्री पद न मिलने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन पार्टी नेतृत्व को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो करोड़ की आबादी वाले जिले को अब तक मंत्री पद से वंचित रखा गया है। रंगारेड्डी जिले के नाम परिवर्तन को लेकर उठ रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह महज अटकलें हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के भीतर कितनी भी नगरपालिकाएं बनाई जा सकती हैं, लेकिन जिले की समग्र संरचना से छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। भविष्य सिटी के प्रस्तावित क्षेत्र के आसपास रियल एस्टेट में आई तेजी का जिक्र करते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा, इलाके में जमीन के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए कोई भी अपनी जमीन बेचने को तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने मुझे पहले इसलिए हराया था क्योंकि मैंने फार्मा सिटी परियोजना का विरोध किया था। यदि फार्मा सिटी बनती, तो लगभग 50 किलोमीटर क्षेत्र में प्रदूषण फैलता। मलरेड्डी रंगारेड्डी के इन बयानों से राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है।

वासवी क्लब इंटरनेशनल ने सैनिक कल्याण कोष को 25 लाख रुपये दिए

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वासवी क्लब इंटरनेशनल, सिकंदराबाद ने भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु तेलंगाना सरकार के सैनिक कल्याण विभाग को 25 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। यह चेक वासवी क्लब इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एरुकुल्ला रामकृष्ण द्वारा आज लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को सौंपा गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने वासवी क्लब इंटरनेशनल के इस योगदान की सराहना करते हुए चेक को कैप्टन आर. श्रीनिवासुलु, निदेशक, सैनिक कल्याण, तेलंगाना को सौंपा। राज्यपाल ने कहा कि वासवी क्लब इंटरनेशनल की यह उदार पहल सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक प्रयास हमारे भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान के साथ-साथ समाज के समग्र कल्याण को भी सुदृढ़ करते हैं।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह सफिलगुडा मिनी टैंक बंड पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस को प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। यह घटना उस समय सामने आई जब सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने पेड़ से लटका शव देखा। उन्होंने तुरंत नेरेडमेट पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह जानने का प्रयास कर रही है कि व्यक्ति ने आत्महत्या क्यों की। मामले की जांच जारी है।

वेक्टर जनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हैदराबाद की सराहना

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में हैदराबाद द्वारा किए गए प्रयासों को भारत सरकार से सराहना मिली है। यह प्रशंसा नागपुर में आयोजित महानगरीय सर्विलांस इकाइयों (एमएसयू) की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक के दौरान की गई।

बैठक में ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने वर्ष 2025 में डेंगू मामलों में उल्लेखनीय कमी लाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों की प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि वेक्टर बॉर्न डिज़ीज़ (वीबीडी) ऐप के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को सशक्त बनाया गया, जिसमें जीआईएस आधारित डैशबोर्ड और रीयल-

टाइम डेटा अपडेट्स की सुविधा है, जिससे समय पर फील्ड स्तर पर कार्रवाई संभव हुई। भारत सरकार ने हैदराबाद के तकनीक-आधारित, डेटा-प्रेरित दृष्टिकोण और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की। केंद्र ने इसे शहरी क्षेत्रों में वेक्टर जनित रोगों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल बताया।

मोरी गैस कुएं की आग बुझाने पहुंची विशेषज्ञ टीमें

कोनासीमा, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले के मोरी क्षेत्र में स्थित गैस कुएं में लगी आग को बुझाने के लिए ओएनजीसी की विशेषज्ञ टीमें मुंबई और दिल्ली से मोरी पहुंच रही हैं।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार की तुलना में आग की तीव्रता अब कुछ कम हुई है। यह आग 5 जनवरी को दोपहर करीब 12.40 बजे मोरी और इरुसुमांडा गांवों के पास मोरी-5 गैस कुएं से गैस रिसाव के बाद लगी थी। आग की लपटें करीब 20 मीटर ऊंची और 25 मीटर चौड़ी बताई गईं।

बताया गया कि इस गैस कुएं का संचालन ओएनजीसी द्वारा नहीं, बल्कि उसके प्रोडक्शन एनहांसमेंट कॉन्ट्रैक्टर डीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

कोनासीमा की संयुक्त कलेक्टर टी निसंथी ने कहा कि तापमान कम करने के लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे आसपास के पेड़ ठंडे हो रहे हैं और आग की तीव्रता घटी है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति का आकलन करेंगी और उसके बाद आग बुझाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राजस्व, पुलिस, अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और रेड क्रॉस के कर्मचारी मिलकर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर आग के आसपास के तीन गांवों से करीब 600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि आग पर जल्द ही पूरी तरह काबू पा लिया जाएगा।

डीआरएम ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

संक्रांति त्योहार पर भीड़ संभालने को लेकर दौरा

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी संक्रांति त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को सुचारू रूप से संभालने के लिए सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन, प्रवेश एवं निकास द्वारों के नियमन तथा पीक ऑवर्स में बढ़े हुए यात्री दबाव को संभालने के लिए स्टाफ की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और पर्याप्त मानव संसाधन की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के चलते

प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पार्किंग सुविधा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और केवल सीमित पिक-अप व ड्रॉप-ऑफ सुविधा उपलब्ध है। प्रभावी भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षा के हित में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की पूर्व योजना बनाएं और प्लेटफॉर्म नंबर 10 की ओर (भोईगुड़ा साइड) से स्टेशन में प्रवेश को प्राथमिकता दें। इस ओर बेहतर कनेक्टिविटी, लिफ्ट सुविधा, चौड़े प्रवेश मार्ग तथा बेसमेंट-1 पार्किंग उपलब्ध है। डीआरएम ने स्टेशन पर किए गए विभिन्न अवसंरचनात्मक उन्नयन कार्यों की भी जानकारी दी।

इनमें प्लेटफॉर्म नंबर 1 साइड पर गेट नंबर 2 और गेट नंबर 4 पर नए होल्डिंग एरिया, काज़ीपेट छोर की ओर नया फुट ओवर ब्रिज तथा सिकंदराबाद वेस्ट मेट्रो स्टेशन की ओर नया एग्ज़िट गेट 5ए खोलना शामिल है।

शहर के प्रमुख टर्मिनलों पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से उच्च मांग वाले मार्गों पर चलने वाली 24 ट्रेनों को लिंगमपल्ली, हाईटेक सिटी और चेरलापल्ली स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किए गए हैं। प्रभावी निगरानी के लिए स्टेशन पर 92 सीसीटीवी कैमरों से युक्त मजबूत निगरानी प्रणाली, उन्नत टिकट काउंटर, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें तथा सिकंदराबाद स्टेशन और मंडलीय मुख्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं।

सिकंदराबाद स्टेशन पर की गई अतिरिक्त व्यवस्थाओं में आरपीएफ और टिकट जांच कर्मचारियों को शामिल करते हुए ग्राउंड ऑपरेशंस टीमों का गठन, कंट्रोल रूम की 24 घंटे तैनाती, यात्रियों को रेल वन ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता अभियान आदि शामिल है।

युवती पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी में एक युवती के किराए के अपार्टमेंट में जबरन घुसकर उस पर चाकू से हमला करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 21 वर्षीय महिला अपनी दो सहेलियों के साथ फ्लैट में रहती थी। आरोपी की पहचान परवथला रोहित (23) के रूप में हुई है, जो उसी इमारत के होटल में वेटर का काम करता है। बताया गया कि रोहित करीब दो महीने से महिला का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था और शादी का दबाव डाल रहा था।

1 जनवरी को नए साल के जश्न के बाद महिला घर लौटती है और दरवाजा खुला छोड़ देती है। इस मौके का फायदा उठाकर रोहित कथित तौर पर फ्लैट में घुस गया और महिला पर चाकू से हमला किया, जिससे उसके हाथ में चोटें आईं। आरोपी ने कथित तौर पर अभद्र व्यवहार भी किया और फिर फरार हो गया। पीड़िता ने नरसिंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर रोहित को गिरफ्तार कर लिया है।

मानू की जमीन पर राज्य सरकार की नजर

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कंचा गच्चीबावली में हैदराबाद विश्वविद्यालय की जमीन को लेकर विवाद के बाद अब तेलंगाना कांग्रेस सरकार ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूू) की जमीन पर नजरें टिका दी हैं। राज्य सरकार ने नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। रंगारेड्डी जिला प्रशासन के माध्यम से जारी नोटिस में एमएएनयूू से पूछा गया है कि गंडीपेट मंडल के मणिकोंडा गांव में स्थित विश्वविद्यालय की 50 एकड़ अप्रयुक्त भूमि को सरकार अपने कब्जे में क्यों न ले। नोटिस के अनुसार, वर्ष 1998 में विश्वविद्यालय को सर्वे नंबर 211 और 212 में कुल 200 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें से 150 एकड़ पर भवन और अन्य संरचनाएं बनाई जा चुकी हैं, जबकि 50 एकड़ भूमि अब भी खाली पड़ी है।

बताया गया है कि आर्थिक तंगी से जूझ रही राज्य सरकार खाली पड़ी भूमि का उपयोग अन्य सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए करना चाहती है। इसी क्रम में जिला स्तरीय निगरानी एवं लेखापरीक्षा समिति ने अनुपयोगी सरकारी भूमि के संबंध में आवश्यक निर्देश लेने की सिफारिश की थी। इसके बाद भूमि प्रशासन के मुख्य आयुक्त ने 50 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त करने के आदेश जारी किए। एमएएनयूू प्रशासन को नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया था। इस पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो.एस.के. इश्तियाक अहमद ने कहा कि परिसर के भविष्य के विस्तार, नए शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों और आवासीय सुविधाओं की योजनाओं का अध्ययन कर दो महीने के भीतर विस्तृत जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न परियोजनाओं की डीपीआर तैयार होने के बाद उन्हें केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय को भेजा जाएगा।

प्रवासी बाघ फिर पेद्दापल्ली जिले में दाखिल

मंचेरियल, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीरामपुर क्षेत्र में कोयला खदानों और खुली खदान परियोजनाओं के आसपास घूम रहा एक प्रवासी बाघ गोदावरी नदी पार करने के बाद एक बार फिर पड़ोसी पेद्दापल्ली जिले में प्रवेश कर गया है। वन अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र से क्षेत्र की तलाश में आया यह बाघ पेद्दापल्ली जिले से लौटने के बाद करीब दो सप्ताह तक श्रीरामपुर में एक कोयला खदान के पास जंगल में रुका रहा। सोमवार को यह फिर से पेद्दापल्ली जिले की ओर चला गया। इससे पहले यह बाघ 15 दिसंबर को रामागुंडम क्षेत्र में देखा गया था।

इसी बीच, श्रीरामपुर की कोयला खदानों के आसपास घूम रहा एक अन्य प्रवासी बाघ कुछ दिन पहले कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के रास्ते महाराष्ट्र लौट गया। बताया गया कि यह बाघ चार सप्ताह से अधिक समय तक कोयला पट्टी

क्षेत्र में भटकता रहा था।

वन अधिकारियों ने बताया कि बाघों की सुरक्षा के लिए उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके तहत 50 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और जंगली जानवरों की निगरानी के लिए 20 ट्रैकर्स तैनात किए गए हैं। साथ ही ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। वन विभाग के अनुसार, जिले के जंगलों में पिछले एक वर्ष से दो मादा बाघिनें रह रही हैं। वे नियमित रूप से शिकार कर रही हैं और क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिससे विभाग के अधिकारी संतुष्ट हैं।

कांग्रेस ने पुख्ता पुनर्गठन के साथ हैदराबाद डीसीसी को दी गति

जीएचएमसी चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर मजबूती पर फोकस

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) चुनावों से पहले जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने, योग्यता के आधार पर नेतृत्व को आगे लाने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के पुनर्गठन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्ला, पीसीसी पर्यवेक्षक मोहम्मद जावेद और सुब्रह्मण्यम, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर मंगलवार को उपाध्यक्ष, महासचिव, सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर और आधिकारिक प्रवक्ताओं जैसे अहम पदों के इच्छुक उम्मीदवारों से मुलाकात की। ये बैठकें हैदराबाद डीसीसी के अंतर्गत आने वाले पांच प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों- चंद्रायनगुट्टा, बहादुरपुरा, याकूतपुरा, चारमीनार और मलकपेट के प्रभारियों की मौजूदगी में आयोजित की गईं। मीडिया से बातचीत में खालिद सैफुल्ला ने कहा कि हैदराबाद डीसीसी की नई टीम की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार पहले की तरह केवल नामांकन आधारित नियुक्तियों के बजाय, पार्टी ने एक पारदर्शी और परामर्श आधारित प्रक्रिया अपनाई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य न केवल समर्पित कार्यकर्ताओं को पहचान देना है, बल्कि हर स्तर पर सही व्यक्ति को सही जिम्मेदारी सौंपना भी है। हैदराबाद डीसीसी पदों के लिए शुरू की गई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 जनवरी को संपन्न हुई। खालिद सैफुल्ला ने बताया कि पुराने शहर से कार्यकर्ताओं की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता का विश्वास बढ़ने के कारण ही यह उत्साह देखने को मिल रहा है। खालिद सैफुल्ला ने कहा कि डीसीसी अब जीएचएमसी चुनावों की तैयारियों में जुट चुकी है और डीसीसी के अंतर्गत आने वाले 44 वार्डों में जल्द ही सक्रिय कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, चुनावी रणनीति को लेकर एक विशेष बैठक भी शीघ्र आयोजित की जाएगी। कांग्रेस सरकार की शुरूआती उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, राशन कार्डों का वितरण और मुफ्त फाइन राइस योजना जैसी योजनाओं से 70 प्रतिशत से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जमीन पर बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। जिस वास्तविक शासन का अभाव पहले था, उसे अब लोग महसूस कर रहे हैं। खालिद सैफुल्ला ने यह भी कहा कि पुराने शहर में चल रहे मेट्रो रेल कार्यों ने विकास को लेकर जनता का भरोसा और मजबूत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास और सुशासन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पुराने शहर को दशकों तक नजरअंदाज किया गया। अब वास्तविक विकास दिखाई दे रहा है।

Shri Rajiv Gandhi National T-20 Cricket Championship-2026

Hyderabad: The following players will represent Telangana **Jr. team in the prestigious 19th edition of *"Shri Rajiv Gandhi National T-20 Cricket Championship-2026"*** being organised by Cricket Federation of Hyderabad between 7th and 10 th January 2026 at various venues in Hyderabad.

Allrounder *V Aabhijay* will lead the team, with teen sensation *Lohitesh Reddy* and seasoned serving as his vice-captains.

1. V Aabhijay (Captain)
2. Lohitesh Reddy (V-C & WK)
3. Ahmed Hussain
4. Goteti Sravan
5. Prachanda
6. Ahwinan
7. Aditya J
8. Adarsh Deshmukh
9. Hrishikesh Goud
10. Mohammed Arshad
11. Bhanu
12. Bharath Kumar
13. Pruthvi Sai
14. Rohit Jadhav
15. Rehan Khan

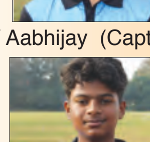
V Aabhijay (Captain)

Lohitesh Reddy (V-C & WK)

S RajnikanthGoud (Coach)
Sandeep Mishra (Manager)
With Regards,
For Team Telangana
(9290452954)

Sandeep Mishra (Manager)

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.